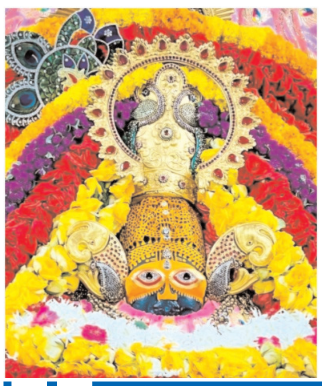

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:296। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 17 जून 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित किए जाएंगे

•दिल्ली के पास बनेगी नमो सिटी : मनोहर लाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित किए जाएंगे और दिल्ली के आसपास एक आधुनिक सब-सिटी 'नमो सिटी' बनाई जाएगी।

यह निर्णय मंगलवार को नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड (एनसीआरपीबी) की 42वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने की। बैठक में एनसीआर के विकास, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

मनोहर लाल ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि रीजनल प्लान 2041 को अगले दो महीनों में अंतिम रूप देकर लागू कर दिया जाएगा। एनसीआर की मौजूदा सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। योजना के तहत हर राज्य में एक बड़ा शहर ग्रीनफील्ड 'नमो नोड' के रूप में विकसित किया जाएगा। दिल्ली के आसपास बनने वाली 'नमो सिटी' को अत्याधुनिक शहरी सुविधाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे से लैस किया जाएगा।

एनसीआर के एरिया में नहीं होगा कोई बदलाव : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआर प्लानिंग बोर्ड) की 42वीं बैठक हुई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ए.के. शर्मा व राजस्थान के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री झाबर सिंह खर्रा इस बैठक में शामिल हुए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के उपरांत संवाददाताओं से बातचीत के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। आज बैठक में तय किया गया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के क्षेत्रीय दायरे में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और वर्तमान सीमा बनी रहेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का रीजनल प्लान-2041 पर चर्चा हुई। इसमें एनसीआर के भविष्य के विकास, शहरी नियोजन, पर्यावरण संरक्षण, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और सस्टेनेबल ग्रोथ से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। रीजनल प्लान-2041 को अंतिम रूप देने के लिए केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों (हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं दिल्ली) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक सब-कमेटी गठित की गई है। यह सब-कमेटी 15 अगस्त, 2026 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट बोर्ड को सौंपेगी।

ममता ने अपनी हार को हाईकोर्ट में चुनौती दी

भवानीपुर में शुभेंदु से 15,105 वोट से हारी थीं, काउंटिंग के दौरान मारपीट का आरोप लगाया था

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मंगलवार को वह खुद याचिका दाखिल करने हाईकोर्ट पहुंचीं। उन्होंने कोर्ट से चुनाव परिणाम की वैधता की जांच करने की मांग की है।

भवानीपुर सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था। ममता इस सीट से पहले तीन बार विधायक रह चुकी हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और अपने साथ मारपीट के आरोप भी लगाए थे।

ममता बोली थीं- मुझे धक्का दिया, मारा-पीटा

रिजल्ट से एक दिन पहले 3 मई को काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ था। TMC कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि BJP के झंडे वाली कार को बिना जांच के भवानीपुर के स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई। वहीं स्ट्रॉन्गरूम में ममता बनर्जी करीब 4 घंटे रहीं थीं। ममता ने आरोप लगाया कि राज्य की कई सीटों पर जानबूझकर मतगणना रोकी गई। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने दावा किया कि केंद्रीय बलों और भाजपा के दबाव में काम हो रहा है। काउंटिंग की शाम करीब 8 बजे ममता काउंटिंग सेंटर से बाहर आईं और कहा कि उनके पोलिंग एजेंट को जबरन बाहर निकाला गया। ममता का आरोप था कि उन्हें धक्का दिया गया और काउंटिंग सेंटर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा- मुझे मारा-पीटा गया।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा था- ममता ड्रामेबाजी कर रहीं

शुभेंदु अधिकारी ने ममता के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि ममता ड्रामेबाजी कर रही हैं और इससे चुनाव परिणाम नहीं बदलने वाला। शुभेंदु ने कहा था कि ममता हार की आशंका से परेशान हैं और ईवीएम से जुड़े आरोप निराधार हैं।

जमीन से 15 किमी ऊपर चल रही हवाओं ने रोका मानसून

6 दिन से तेलंगाना में अटका, अगले हफ्ते मध्य प्रदेश-यूपी पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी

भद्राचलम । मानसून तेलंगाना के भद्राचलम में 6 दिन से अटका हुआ है। इस वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है। यहां कई हिस्सों में गर्मी लौट आई है।

वर्ल्ड मेट्रोलॉजी ऑर्गनाइजेशन की हाइड्रोमेट्री टीम के मेंबर डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 3 से 4 दिन, तो मध्य प्रदेश-यूपी में मानसून की एंट्री हफ्तेभर बाद हो सकती है। उनका यह भी कहना है कि इस हफ्ते के अंत तक बारिश में सुधार संभव है। मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि करीब 15 किमी. ऊपर बह रही हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं। ये इस बार सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून की गति प्रभावित हो रही है।

अरब सागर में भी 8 जून से फंसा मानसून

इधर, अरब सागर से उठ रही मानसूनी हवाएं भी 8 जून से अटकी हुई हैं। इस वजह से देश के अंदर पहुंच चुकीं मानसूनी हवाओं को पुश नहीं मिल पा रहा है। यानी, मानसूनी हवाओं को तेलंगाना से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की तरफ धकेलने के लिए जरूरी प्रेशर नहीं बन रहा है।

देश के युवा विकसित भारत का लक्ष्य साकार करने की सबसे बड़ी शक्तिः ओम बिरला

'देश के युवा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सबसे बड़ी शक्ति हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश के युवाओं से वर्ष 2047 तक विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के युवा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सबसे बड़ी शक्ति हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने मंगलवार को संविधान सदन के केंद्रीय हॉल में विकसित भारत युवा संसद 2026 के राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि युवाओं का दृढ़ संकल्प, नवोन्मेषी सोच और नेतृत्व क्षमता 2047 के भारत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आने वाले वर्षों में भारत के युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार में विश्व का नेतृत्व करेंगे।

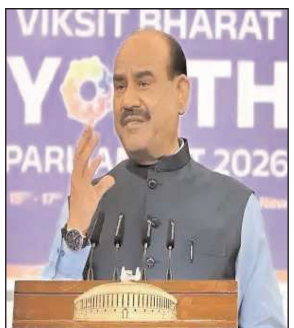

उन्होंने कहा कि आज, पूरी दुनिया भारत के युवाओं को आशा, आत्मविश्वास और भविष्य की संभावनाओं के प्रतीक के रूप में देखती है।

विकसित भारत के स्वप्न की सामूहिक प्रकृति पर बल देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत का सपना किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार की आकांक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना 140 करोड़ भारतीयों का साझा राष्ट्रीय संकल्प है। बिरला ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक इस लक्ष्य को हासिल करने की जिम्मेदारी काफी हद तक आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, साहस और दृढ़ संकल्प ही विकसित भारत के सपने को साकार करने में सबसे शक्तिशाली क्षमता सिद्ध होंगे।

इससे पहले केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। मांडविया ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया। प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों ने एक कठिन चयन प्रक्रिया के माध्यम से यह स्थान प्राप्त किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा के अध्यक्ष के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर उनके लिए सौभाग्य की बात हैं।

देश के 23 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण पूरा

गृह मंत्रालय ने बताया कि जनगणना-2027 पहली बार डिजिटल माध्यम से कराई जा रही है।

एजेंसी

नई दिल्ली। जनगणना-2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना (एचएलओ) का पहला चरण अब तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में जनगणना का कार्य चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय के अनुसार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना और उत्तराखंड में जनगणना-2027 का प्रथम चरण पूरा हो चुका है।महाराष्ट्र, मेघालय, राजस्थान, झारखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में 16 मई से 14 जून तक संचालित मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, जबकि पंजाब में यह प्रक्रिया 13 जून को पूरी हुई। इस बीच गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार से फील्ड ऑपरेशन शुरू हो गए हैं, जो 15 जुलाई तक चलेंगे। केरल और नगालैंड में स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) सुविधा शुरू कर दी गई है, जो 30 जून तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद इन दोनों राज्यों में एक जुलाई से 30 जुलाई तक घर-घर जाकर गणना का कार्य किया जाएगा।

नागपुर में एयरफोर्स जवान की पत्नी के साथ यौन उत्पीड़न व जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश का आरोप

एजेंसी

नागपुर। नागपुर में एयरफोर्स जवान की पत्नी को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न, उसका वीडियो बनाने और उससे 3.09 लाख रुपये की उगाही का मामला सामने आया है। पीड़िता पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डालने का भी आरोप है। पीड़िता की तरफ से सोनेगांव पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके आधार पर आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत के मुताबिक यह उत्पीड़न एक साल से चल रहा था।सोनेगांव पुलिस के अनुसार, नागपुर में रहने वाली पीड़िता का पति एयरफोर्स का जवान और वह जमीन के कारोबार से जुड़ी है। लगभग एक साल पहले, अयाज़ ताज मदारे नाम के एक परिचित ने उससे संपर्क किया और दावा किया कि उसके पास ज़मीन का एक संभावित खरीदार है। उसने पीड़िता को नागपुर के वर्धा रोड इलाका स्थित इंपीरियल ग्रीन होटल में मिलने के लिए कहा। वहाँ, उसने पीड़िता की कोल्ड ड्रिंक में नशीली दवा मिला दी। जब वह बेहोश हो गई तो अयाज़ ताज मदारे और उसके साथी अमीन शेख ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने घटना का वीडियो बनाया और उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। एक साल के दौरान, आरोपितों ने बार-बार उसके साथ उत्पीड़न किया और उससे 3.09 लाख ऐंठ लिए। इन दो आरोपितों की मदद से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले के तामिया के एक मौलाना ने उसे ज़बरदस्ती इस्लाम अपनाने और निकाह (इस्लामिक विवाह समारोह) करने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। आखिरकार, पीड़िता किसी तरह बच निकलने में कामयाब रही और सोनेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

ट्विशा शर्मा मौत मामला

सास गिरिबाला और पति समर्थ की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में आरोपित पति समर्थ सिंह और सास सेवानिवृत्त जज गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ा दी गई है। दोनों को न्यायिक हिरासत की अवधि मंगलवार को समाप्त होने के बाद केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भोपाल की विशेष अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया और न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ाने की मांग की। इसके बाद अदालत ने सीबीआई का आवेदन स्वीकार करते हुए न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। ट्विशा शर्मा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि गिरिबाला सिंह और समर्थ को पिछली सुनवाई के दौरान 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भोपाल के केन्द्रीय जेल भेज दिया गया था। सीबीआई ने मंगलवार को उन्हें अदालत में पेश किया। सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत को बताया कि जेल में उन्हें जो हिंदी और अंग्रेजी अखबार उपलब्ध कराए जा रहे हैं, उनमें उनके केस से जुड़ी खबरें काटकर अलग कर दी जाती हैं। उन्हें पूरा अखबार पढ़ने को दिया जाए। साथ ही वकीलों से मुलाकात के लिए निर्धारित 20 मिनट की समय-सीमा समाप्त की जाए। मामले की प्रकृति को देखते हुए कानूनी सलाह के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।

राजौरी के नौशेरा सेक्टर में एलओसी के पास लैंडमाइन धमाका, सेना के चार जवान घायल

एजेंसी

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में मंगलवार को लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पास हुए एक धमाके में सेना के चार जवान घायल हो गए, जिनमें एक जूनियर कमीशंड ऑफ़िसर भी है। अधिकारियों के मुताबिक यह धमाका नौशेरा सेक्टर के अग्रिम कलाल इलाके में सेना के जवानों की ओर से 'एरिया डोमिनेशन पेट्रोल' (इलाके में गश्त) के दौरान गलती से एक लैंडमाइन के सक्रिय हो जाने से हुआ। उन्होंने बताया कि धमाके में एक जूनियर कमीशन अफसर और तीन सैनिक घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने आगे कहा कि घुसपैठ-रोधी अभियान के तहत अग्रिम इलाकों में लैंडमाइन बिछाई जाती हैं, जो कभी-कभी बारिश में बह जाती हैं।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के कथित चंदा घोटाले की कांग्रेस ने की हाईकोर्ट के न्यायाधीश से जांच की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी की उच्च न्यायालय के पदस्थ न्यायाधीश से समयबद्ध जांच कराने की मांग की है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार ने देश की आस्था के साथ बड़ा छल किया है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस विधानमंडल दल (सीएलपी) की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने मंगलवार को यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि श्रीराम जन्मभूमि को लेकर जो जानकारियां सामने आ रही हैं, वे एक बड़े संगठित भ्रष्टाचार को दर्शाती हैं। अजय राय ने आरोप लगाया कि पहले श्रीराम जन्मभूमि में शिलापूजन के नाम पर खूब पैसे वसूले गए, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। यह 1,400 करोड़ रुपये से ज्यादा की चोरी है। उन्होंने जमीन, निर्माण कार्य और चंदे में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए मोदी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा इस गंभीर मुद्दे से जुड़ी एसआईटी की रिपोर्ट एक हफ्ते में आनी चाहिए। हालांकि उन्होंने कहा कि एसआईटी में उस अधिकारी को जांच दी गई है, जिसके खिलाफ खुद महाकुंभ में मची भगदड़ से जुड़ी जांच चल रही है। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने दावा किया कि आज चढ़ावे में गड़बड़ी का मामला सामने आया है लेकिन अगर पृष्ठभूमि देखें तो जमीन अधिग्रहण के समय भी सस्ती जमीन खरीद कर ट्रस्ट को महंगे दामों पर बेची गई थी। मंदिर के आसपास सैन्य भूमि को भी नियम बदल कर बड़े-बड़े लोगों को सौंपा गया था। उन्होंने निर्माण कार्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंदिर निर्माण के समय पहली ही बारिश में करोड़ों की लागत से बनी सड़क धंस गई थी और गर्भगृह में पानी टपक रहा था।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
17 जून 2026

दाहोद LCB ने शराब तस्करों पर छापा मारा, 5.11 लाख का माल ज़ब्त किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद डिस्ट्रिक्ट लोकल क्राइम ब्रांच ने झालोद पुलिस स्टेशन एरिया में लगातार पेट्रोलिंग और सीक्रेट इन्फॉर्मर्स के मज़बूत नेटवर्क के आधार पर एक बार फिर शराब तस्करी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश किया है। इस जानकारी के आधार पर कि नकली नंबर प्लेट वाली एक नकली कार के ज़रिए राजस्थान से गुजरात में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब लाई जा रही है, LCB टीम ने कामयाबी से जाल बिछाया और पूरे रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस की नज़र से बचने के लिए, शराब तस्करों ने शराब से भरी नकली कार के आगे मोटरसाइकिल लगाकर पायलटिंग का इंतज़ाम किया था। लेकिन, LCB की अलर्ट टीम ने दोनों गाड़ियों को रोककर जांच की, जिससे पूरी सच्चाई सामने आ गई। गाड़ी में बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब मिली और चारों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के दौरान चौंकाने वाली बातें सामने आईं। शराब से लदी गाड़ी पर गलत नंबर प्लेट लगी थी, जबकि गाड़ी का असली रजिस्ट्रेशन नंबर अलग निकला। गलत नंबर प्लेट का इस्तेमाल करके गैर-कानूनी शराब ले जाने की कोशिश की गई, जिसे LCB ने नाकाम कर दिया। पुलिस ने गाड़ी से कुल 23 पेटी और खुली बोतलें बरामद कीं और कुल 1,198 बोतल विदेशी शराब जब्त की। इसके अलावा, शराब से लदी गाड़ी, पायलटिंग में इस्तेमाल होने वाली मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन और दूसरा सामान बरामद किया गया, और कुल ?5,11,131 कीमत का सामान जब्त किया गया। शुरुआती जांच में पता चला है है।

साबरकांठा जिले में पुलिस फोर्स में बड़ा बदलाव: SP डॉ. पार्थराजसिंह गोहिल ने 4 PI का इंटरनल ट्रांसफर किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति को और मजबूत और सख्त बनाने के लिए जिला पुलिस चीफ डॉ. पार्थराजसिंह गोहिल ने एक बड़ा एडमिनिस्ट्रेटिव फैसला लिया है। जिला पुलिस सुपरिटेंडेंट ने जिले के 4 पुलिस इंस्पेक्टर के तुरंत इंटरनल ट्रांसफर के ऑर्डर जारी किए हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जिले में 6 PSI और दो PI का ट्रांसफर किया गया था, जिसके बाद यह दूसरा बड़ा बदलाव है। इन नए ट्रांसफर में प्रांतिज, वडाली और हिम्मतनगर B डिवीजन जैसे अहम पुलिस स्टेशनों के ऑफिसर शामिल हैं। जारी ऑर्डर के मुताबिक, प्रांतिज पुलिस स्टेशन के PI A.M. वाला का ट्रांसफर कर उन्हें हिम्मतनगर में लीव रिजर्व में रखा गया है। जबकि वडाली पुलिस स्टेशन के इंचार्ज PI D.R. पढेरिया को अब प्रांतिज पुलिस स्टेशन का नया इंचार्ज बनाया गया है। इसके अलावा हिम्मतनगर बी डिवीज़न पुलिस स्टेशन के PI ए.एम. चौधरी का वडाली पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर किया गया है। उनकी खाली पोस्ट पर हिम्मतनगर AHT (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) में काम कर रहे PI डी.एन. वसावा को हिम्मतनगर बी डिवीज़न पुलिस स्टेशन की ज़िम्मेदारी दी गई है। जिला पुलिस चीफ के इस इंटरनल ट्रांसफर के फैसले से पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में भारी हलचल मच गई है। देखना होगा कि एडमिनिस्ट्रेटिव सिंपलिफिकेशन और लॉ एंड ऑर्डर को बेहतर बनाने के मकसद से किए गए इन ट्रांसफर का आने वाले समय में जिले के सिक्योरिटी सिस्टम पर क्या असर पड़ेगा।

डभोई में श्री दयाराम केलवानी मंडल के स्कूलों में ग्रैंड एंट्रेंस सेरेमनी का स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। नए एकेडमिक सेशन की शुरुआत के साथ ही, आज डभोई के जाने-माने एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन श्री दयाराम केलवानी मंडल के स्कूलों में नए एडमिशन लेने वाले बच्चों के लिए एक ग्रैंड 'वेलकम फंक्शन' यानी एंट्रेंस सेरेमनी ऑर्गनाइज़ की गई। स्कूल कैंपस में कदम रखते ही, नन्हे-मुन्नों के चेहरों पर एक अनोखी खुशी और उनकी आँखों में सुनहरे भविष्य के सपने दिखे। एंट्रेंस सेरेमनी के मौके पर, स्कूल कैंपस को रंग-बिरंगे गुब्बारों और आकर्षक डेकोरेशन से सजाया गया था, जो बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया। इस खास एडमिनिस्ट्रेटिव और एजुकेशनल फेस्टिवल में स्कूल प्रिंसिपल श्री दीपकभाई गोपालभाई भोईवाला खास तौर पर मौजूद थे। उन्होंने नए एडमिशन लेने वाले बच्चों को चॉकलेट और फल देकर उनका मुँह मीठा कराया और बचपन के इस पहले एजुकेशनल कदम को मज़ेदार बनाया। टीचरों ने पेंसिल और खिलौने गिफ़्ट किए स्कूल का माहौल बच्चों को घर जैसा लगे, इसके लिए स्कूल की प्रिंसिपल आशाबेन कपाड़िया, जयश्रीबेन गज्जर, रितेशभाई पटेल और पूरे टीचिंग स्टाफ़ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी टीचरों ने बच्चों को रंग-बिरंगी पेंसिल देकर उनका स्वागत किया। इतना ही नहीं, बच्चों को अलग-अलग खिलौनों से खेलने और छोटे-बड़े मज़ेदार गेम खेलने के लिए भी कहा गया, जिससे पूरा दिन मज़ेदार रहा।

शांतिधाम सडक जेसे महत्वपूर्ण कार्यों को विगत 3 वर्षों से भाजपा सरकार ने नहीं दी स्वीकृति,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। खाचरोद व उज्जैन जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत की मांग खेत सडक, सुदूर सड़क, व् शांतिधाम सड़क व पशु सेट का हो निर्माण। मनरेगा योजना से होने वाले महत्वपूर्ण निर्माण कार्य मनरेगा का नाम बदलकर जी राम जी नाम बदलने के नाम पर इस वर्ष भी पूरा ग्रीष्मकाल में भी नहीं हुआ महत्वपूर्ण निर्माण कार्य। महात्मा गाँधी रोजगार गारंटी योजना के महत्वपूर्ण निर्माण खेत सड़क सुदुर सड़क, शांतिधाम सडक पशु सेट व् कई मुलभुत निर्माण कार्य 1 अक्टूम्बर से 15 जून तक निर्माण कार्य होना होता है परन्तु पुरे ग्रीष्मकाल में ऐसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य नहीं हुए मनरेगा योजना का बदला गया नाम जी राम जी 1 जुलाई से लागू करने की बात कही जा रही है जबकि मनरेगा योजना में 15 जून से निर्माण कार्य पर प्रतिबन्ध लग जाता है व सरकार 1 जुलाई से लागू करने का दावा कर रही है जबकि 15 जून से सरकार खुद इस योजना के निर्माण पर प्रतिबन्ध लगा देती है और ना ही मजदूरो का मानदेय बढाया गया केंद्र कांग्रेस सरकार द्वारा महात्मा गाँधी रोजगार गारंटी योजना लागु की गयी थी जिसमें किसानों को सिचाई हेतु 2 लाख रु. का निशुल्क कूप निर्माण किये जाने का प्रावधान किया गया था व पशु मालिक को पशुओ के लिए 1 लाख रु. तक का पशु सेट यानि पशु आवास योजना लागु की गयी थी ऐसी कई महत्वपूर्ण योजना को भाजपा सरकार ने प्रमुखता से कार्य नहीं किया अगर पर्याप्त कूप निर्माण होता तो जल भराव होता जल वाटर बड़ता व् सिचाई रकबा बड़ता और साथ ही पर्याप्त मात्र में पशु सेट बनाए जाते तो पशु पालन होता व् दूध की वृद्धि होती व जेविक खेती को भी बड़ावा मिलता इन महत्वपूर्ण निर्माण कार्य को बढावा ना देते हुए सरकार जल गंगा संवर्धन का दिखावा कर रही है धरातल पर इस योजना का कोई लाभ नहीं मिल रहा है सरकार ने मनरेगा योजना का नाम बदलकर इस वर्ष भी ग्रामीणों को योजना से वंचित किया है।

करप्शन के बोझ तले दबी खाकी: खेड़ा में रिटायर्ड PSI के घर पर हमले और फायरिंग के बावजूद, 'सिंडिकेट' ने बूटलेगरों से सुलह कर ली!

खेड़ा पुलिस की लालीवाड़ी, जो हर्ष सांघवी के नारे 'कानून मानोगे तो फायदा मिलेगा' पर चलती है: अहमदाबाद के बूटलेगर गोपाल रबारी और उसके साथियों को बचाने के लिए पूरी घटना को दबा दिया गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जबकि राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी अपराधियों से सरेआम चिल्ला रहे हैं 'कानून मानोगे तो फायदा मिलेगा ', खेड़ा जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जो कानून-व्यवस्था को पूरी तरह से खत्म कर रही है। यह चर्चा जोर पकड़ चुकी है कि खेड़ा जिला पुलिस के करप्ट सिंडिकेट ने इस नारे को उल्टा करके बूटलेगरों को गैर-कानूनी 'फायदा' पहुंचाया है।

13 जून की उस काली सुबह क्या हुआ था?

मिली जानकारी के मुताबिक, 13 जून को सुबह 3:30 बजे हथियारों से लैस 4-5 असामाजिक तत्वों ने मातर में खोडियार चौकड़ी के पास रहने वाले एक रिटायर्ड PSI के घर पर हमला कर दिया। गाड़ियों में तोड़फोड़ और फायरिंग से पूरा इलाका दहल गया। पीड़ित परिवार अपनी जान बचाने के लिए डरकर घर छोड़कर भाग गया। पता चला है कि इस हमले के पीछे अहमदाबाद के बदनाम बूटलेगर गोपाल रबारी का हाथ था। घटना से दो दिन पहले, बूटलेगर के साथी मातर में ओमपुरी आश्रम रोड पर शराब वपला के लिए विदेशी शराब का कंटेनर खाली करके घर लौट रहे थे, तभी उन्होंने शिकायत करने वाले मुकुंदभाई की गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद हुई हाथापाई और इगो के चलते बूटलेगर के साथियों ने एक रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर के घर को निशाना बनाया और आतंक मचाया।

खाकी शम्मई: FIR दर्ज करने के बजाय एडमिनिस्ट्रेटर ने समझौता कर लिया!

सबसे गंभीर बात यह है कि इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद, मटर पुलिस स्टेशन के आदतन एडमिनिस्ट्रेटर महिपत सिंह ने करप्ट सिंडिकेट के कहने पर FIR दर्ज करने के बजाय मामले को दबाने के लिए हंगामा शुरू कर दिया। आखिर में, क्राइम दर्ज करने के बजाय, बूटलेगर को बचाने के लिए आमने-सामने समझौता करने की डिटेल्स सामने आई हैं। इस गंभीर मामले में, DySP इंचार्ज क्रुणाल राठौड़ ने फायरिंग की घटना से इनकार किया है, तो सवाल उठता है कि क्या एक पुलिस परिवार झूठ बोल सकता है? अगर फायरिंग नहीं भी हुई, तो पुलिस परिवार के खिलाफ हमले और तोड़फोड़ की शिकायत क्यों नहीं दर्ज की गई? स्टेट कंट्रोल रूम भी इस घटना की गंभीरता को समझने में फेल क्यों रहा?

खेड़ा LCB की छत्रछाया और करप्ट अधिकारियों की कुंडली

खेड़ा जिले में LCB पुलिस इंस्पेक्टर केवल वेकारिया और एम.जे. बारोट (मुकेश बारोट), जो पहले एंटी-करप्शन ब्यूरो के चंगुल से बच निकला था, की देखरेख में शराब, जुआ और सट्टा जैसी असामाजिक बुराइयां फल-फूल रही हैं। PI केवल वेकारिया: वह पिछले 6-7 साल से खेड़ा जिले में ही जमे हुए हैं और किसी तरह से अपना अहमदाबाद ट्रांसफर भी कैंसिल करवा लिया है। PI मुकेश बारोट और डिफॉल्टर जयेश रबारी: इन दोनों अधिकारियों का ट्रांसफर हो गया है और वे फिर से खेड़ा में सिस्टम चलाने के लिए तैयार हैं। क्या खेड़ा SP विजय पटेल सच में इस करप्ट सिंडिकेट की गतिविधियों से अनजान हैं? यह एक बड़ा सवाल है। भारी पुलिस फोर्स का डर शराब तस्करों में पूरी तरह से खत्म हो गया है।

DGP ज्ञानेंद्रसिंह मलिक से जनता की उम्मीद...

खेड़ा जिले की पुलिस अब जनता की रक्षक नहीं रही, बल्कि करप्ट नेताओं और शराब तस्करों की दोस्त बन गई है। अगर राज्य के DGP ज्ञानेंद्रसिंह मलिक तुरंत इस पूरे करप्ट सिंडिकेट को दूसरे जिलों में ट्रांसफर कर दें और CID क्राइम से इस फायरिंग और हमले की घटना की पूरी जांच करवाएं, तो खाकी की आड़ में चल रहे इस ऑर्गनाइज्ड करप्शन के चौंकाने वाले राज सामने आने की संभावना है।

साफ़ और स्मार्ट अहमदाबाद की कड़वी सच्चाई! बेहरामपुरा, दानिलिमडा में सीवेज और नरक जैसे हालात में रहने को मजबूर लोग, चुनाव के ठेकेदार गायब

गटर के गंदे पानी से दूषित हो रहा पेयजल, बेहरामपुरा के लोग नारकीय हालात में जीने को मजबूर; शिकायतों के बावजूद AMC और जनप्रतिनिधि बेखबर।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्वच्छ भारत, स्वच्छ गुजरात और स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के बड़े-बड़े दावों के बीच, करोड़ों रुपये के बजट वाली अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन यानी AMC की बड़ी लापरवाही का एक और जीता-जागता सबूत सामने आया है। अहमदाबाद के दानिलिमडा वार्ड के बेहरामपुरा इलाके के शंकचंद मुखी चाली, गेट नंबर 1, गली नंबर 2 के लोग लंबे समय से नरक जैसे हालात में रहने को मजबूर हैं। यह बहुत शर्मनाक है कि स्मार्ट सिटी के AC चैंबर में बैठे अधिकारियों को जनता की यह हालत नहीं दिखती। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले कई सालों से इस इलाके में सुबह और शाम AMC जो पीने का पानी देता है, वह बहुत गंदा, बदबूदार और खराब हो गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि गली नंबर 2 की पूरी लाइन सीवर से ओवरफ्लो हो रही है और इस सीवर का गंदा पानी पीने की लाइन में मिल रहा है। इस भीषण गर्मी के मौसम में जब लोगों को साफ पानी की जरूरत है, तो प्रशासन बीमारियां फैलाने वाला जहरीला पानी परोस रहा है। नतीजतन, हर घर में छोटे बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं। प्रशासन कभी-कभी सिर्फ दिखावे के लिए मजदूर भेज देता है, जो सीवर में डंडा डालकर संतुष्ट हो जाते हैं, लेकिन सीवर से कचरा या मिट्टी निकालने की जहमत नहीं उठाते। सबसे ज्यादा गुस्सा उन राजनीतिक नेताओं और नेताओं के खिलाफ देखा जाता है जो चुनाव के समय धर्म और समाज के नाम पर वोट मांगने आते हैं। स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियों के ठेकेदार और कार्यकर्ता समाज और धर्म के नाम पर वोट लेने के लिए चाली में घुस जाते हैं। लेकिन आज

जब आम जनता इतनी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, तो ये सभी धार्मिक और सामाजिक ठेकेदार अंडरग्राउंड हो गए हैं, जैसे धरती से गायब हो गए हों! इन राजनीतिक नेताओं की वोट पाने के लिए जनता को पांच साल तक भटकाने की नीति के खिलाफ जनता में बहुत गुस्सा है। सनकचंद मुखी चाली के रहने वालों ने इस गंभीर समस्या के बारे में कई बार AMC ऑफिस में लिखकर अप्लाई किया है और खुद जाकर भी बड़े अधिकारियों को रिप्रेजेंटेशन दी है। लेकिन, कुंभकर्ण की नींद सो रहे कॉर्पोरेशन के अधिकारी इस इलाके में गंदे पानी और ओवरफ्लो हो रहे सीवरेज की समस्या पर कोई ध्यान नहीं देते। महानगर मेट्रो अखबार जनता की इसी आवाज़ को उठाना चाहता है और अधिकारियों से पूछना चाहता है कि क्या स्मार्ट सिटी सिर्फ़ टैक्स देने वाली जनता को गंदा पानी और सीवेज की बदबू देने के लिए बनाई गई है? अगर इस मामले में तुरंत एक्शन नहीं लिया गया, तो पूरी संभावना है कि वहां के लोग कड़ा आंदोलन करेंगे।

वडोदरा में नगर निगम का बुलडोजर: छानी ज्जक्क13 में 31 गैर-कानूनी कब्ज़ों को ज़मीन पर गिराया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा नगर निगम की अतिक्रमण ब्रांच ने आज शहर के छानी इलाके के एडमिनिस्ट्रेटिव वार्ड नंबर-1 के तहत आने वाले TP-13 में एक बड़ी और सख्त कार्रवाई की। नगर निगम ने छानी पानी की टंकी से मधुनगर तक मेन रोड लाइन में रुकावट डाल रहे गैर-कानूनी कब्ज़ों पर JCB मशीन चलाई। इस बड़े पैमाने पर कार्रवाई के दौरान, सालों से बेकार पड़े कुल 31 कच्चे मकान और शेड गिरा दिए गए और सड़क खोल दी गई। छानी TP-13 की इस सड़क पर लंबे समय से गैर-कानूनी कब्ज़ों का बोलबाला था। इन कब्ज़ों की वजह से लोकल एरिया में रोज़ भारी ट्रैफिक जाम लगता था और मॉनसून में बारिश के पानी की निकासी की गंभीर समस्या हो जाती थी, जिससे लोकल लोग परेशान हो जाते थे। आज सुबह से ही, किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए, फतेगंज पुलिस स्टेशन, GEB के कर्मचारियों और वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की एनफोर्समेंट ब्रांच के बड़े अधिकारियों का एक काफिला कड़ी पुलिस सुरक्षा के साथ मौके पर पहुंचा। उसके बाद, बिजली कनेक्शन काटने के बाद ti की मदद से सभी 31 अवैध स्ट्रक्चर को ज़मीन पर गिरा दिया गया। लोकल लोगों को बड़ी राहत, आने वाले दिनों में भी अभियान जारी रहेगा लंबे समय से बंद पड़ी इस सड़क को अब चौड़ा करने से ट्रैफिक की समस्या से काफी राहत मिलेगी।

सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने BJP के नेशनल लीडर के आगे 'सरेंडर' किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। एक सनसनीखेज मामला सामने आया है कि सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन जो आम लोगों के अवैध कंस्ट्रक्शन पर बुलडोज़र चलाती थी और सख्त एडमिनिस्ट्रेशन का ढिंढोरा पीटती थी, वह रूलिंग पार्टी के नेशनल लीडर के आगे घुटनों पर आ गई है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कटारगाम ज़ोन के अधिकारियों ने रूलिंग पार्टी के दबाव में जो 'मिसाल' और शर्मनाक काम किया है, उससे पूरे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सिस्टम की इज्जत खराब हुई है। यह पूरी घटना सिर्फ दो घंटे में हुई, जिसका CCTV फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की बहुत फजीहत हो रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, कतारगाम ज़ोन ऑफिस को शिकायत मिली कि BJP के नेशनल लीडर बाबू जेबालिया के फ्लैट पर एक बिल्डिंग का गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन किया गया है। आमतौर पर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऐसी शिकायतों पर हमेशा की तरह सख्त एक्शन लेता है। कतारगाम ज़ोन का स्टाफ पूरी तैयारी और हथियारों (इक्विपमेंट) के साथ नेताजी के फ्लैट पर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को गिराने पहुंच गया। अफसरों में जोश भर गया और उन्होंने गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन वाली बिल्डिंग्स को हटाने का काम शुरू कर दिया और कुछ बिल्डिंग्स को गिरा भी दिया। लेकिन असली खेल इसके बाद शुरू हुआ

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरणा देने वाली मौजूदगी में अहमदाबाद में हुआ 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन

मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से विकसित गुजरात से विकसित भारत का सपना पूरा करने का आह्वान किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और भारत के सफल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के तौर पर 12 सफल और गर्व भरे साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर आज अहमदाबाद में एक बड़ा 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' आयोजित किया गया। इस खास कॉन्फ्रेंस में राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल खास तौर पर मौजूद थे और उन्होंने कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा।

कार्यकर्ताओं से बातचीत और 'विकसित भारत' का सपना

कॉन्फ्रेंस के दौरान, माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर के पदाधिकारियों, विधायकों और जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधी बातचीत की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में देश में हुए अभूतपूर्व विकास का एक सिंहावलोकन दिया। उन्होंने मौजूद सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे इस बात पर दृढ़ निश्चय करें कि प्रधानमंत्री के सपनों का भारत बनाने के लिए 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के विजन को साकार करना हम सबकी जिम्मेदारी है और इसके लिए अभी से काम शुरू करने का आह्वान किया।

मंत्रियों, सांसदों और संगठन के नेताओं की गरिमामयी मौजूदगी

अहमदाबाद में हुए इस सम्मेलन में राज्य और महानगर से BJP के कई बड़े नेता एक ही मंच पर दिखे। इस मौके पर प्रदेश महासचिव श्री अजयभाई ब्रह्मभट्ट, राज्य स्तरीय मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, महानगर अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह और अहमदाबाद के मेयर श्री हितेशभाई बारोट खास तौर पर मौजूद थे। इसके अलावा लोकसभा सांसद श्री दिनेशभाई मकवाना और सांसद श्री हसमुखभाई पटेल, अहमदाबाद नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कमलेश पटेल, महानगर के विभिन्न पदाधिकारी, विधायक और बड़ी संख्या में उत्साही कार्यकर्ता मौजूद थे। पूरे कॉन्फ्रेंस में PM मोदी के 12 साल के शासन की उपलब्धियों की तारीफ़ की गई और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का पक्का इरादा किया गया।

असिस्टेंट एजुकेशन इंस्पेक्टर के 169 पदों के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/खेड़ा। खेड़ा ज़िले में ज़मीन माफिया और गैर-कानूनी तरीके से ज़मीन हड़पने वाले लोगों पर पुलिस ने आंखें मूंद ली हैं। खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच टीम को एक बड़ी कामयाबी मिली है, जिसमें गुजरात लैंड ग्रैबिंग प्रोहिबिशन एक्ट (एंटी-लैंड ग्रैबिंग एक्ट) के गंभीर जुर्म में लंबे समय से फरार चल रहा आदतन वॉन्टेड आरोपी पकड़ा गया है। कानून के लंबे हाथों ने आखिरकार इस शातिर आरोपी को पकड़ ही लिया। मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम नीरव जेनाभाई वाघेला है, जो नडियाद तालुका के भूमेल गांव का रहने वाला है। आरोपी नीरव वाघेला के खिलाफ वडताल पुलिस स्टेशन में गैर-कानूनी तरीके से कीमती जमीन हड़पने का केस दर्ज किया गया था। यह क्राइम दर्ज होने के बाद, कानूनी शिकंजा कसने पर आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अंडरग्राउंड होता रहा और लंबे समय से पुलिस से बचता रहा। खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच की टीम जिले में भाग रहे अपराधियों को पकड़ने के लिए लगातार नजर रख रही थी। इस दौरान क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को मुखबिरों से आरोपी नीरव जेनाभाई वाघेला की सही लोकेशन की सटीक जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर वांछित आरोपी नीरव वाघेला को पकड़ लिया। आरोपी के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई की है और आगे की जांच के लिए वडताल पुलिस को सौंपने की योजना बना रही है। क्राइम ब्रांच के इस सफल ऑपरेशन से जिले के भू-माफियाओं में भारी हलचल मच गई है।

संक्षिप्त न्यूज

साफ़ और स्मार्ट अहमदाबाद की कड़वी सच्चाई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कामरेज के नवागाम स्थित श्रीजी इंडस्ट्रियल एस्टेट में पुलिस ने संदिग्ध नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की। मौके से भारी मात्रा में संदिग्ध घी, केमिकल, एसेंस, वनस्पति तेल और मशीनरी जब्त कर फैक्ट्री को सील कर दिया गया। पुलिस ने सैंपल जांच के लिए एफएसएल और फूड विभाग को भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

गुजरात में निजी ट्यूशन चलाने वाले शिक्षकों पर शिकंजा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरातें . स्कूल शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन चलाने के मामलों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत अभिभावकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों से ऐसे शिक्षकों की जानकारी, फोटो, वीडियो और अन्य सबूत साझा करने की अपील की गई है। अभियान संचालकों का दावा है कि सूचना देने वाले लोगों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। प्राप्त शिकायतों की जांच के बाद संबंधित मामलों को शिक्षा विभाग और सक्षम अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाना और नियमों के उल्लंघन करने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना बताया जा रहा है।

डभोई में पुलिस का सख्त वाहन चेकिंग अभियान, 3 बाइक जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। मार्ग दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डभोई पुलिस ने शिनोर चौराहे पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। डीवाईएसपी आकाश पटेल और पीआई ए.टी. पटेल के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई के दौरान काले शीशों वाली गाड़ियों सहित नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की जांच की गई। अभियान के दौरान 3 बाइक जब्त की गई, जबकि 5 से अधिक वाहन चालकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

AAP ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। आम आदमी पार्टी की गुजरात महिला अध्यक्ष पायल सकारिया ने मोरबी जिले के जेटपार गांव में महिला किसानों पर कथित लाठीचार्ज और मारपीट पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं अपने अधिकारों और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए आंदोलन कर रही थीं, तो उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया, जो न केवल कुछ महिलाओं के साथ अन्याय है, बल्कि पूरे महिला समाज के आत्म-सम्मान, सुरक्षा और सम्मान पर गंभीर हमला है। पायल सकारिया ने कहा कि ऐसी घटनाएं महिलाओं में डर और असुरक्षा की भावना पैदा करती हैं और न्याय पर उनका भरोसा भी हिला देती हैं। भविष्य में किसी भी महिला, बहन या मां को ऐसा दर्द न सहना पड़े।

गांधीनगर: किसानों के बाद अब टीचर भी कल से पूरे राज्य में विरोध करेंगे: 20 जून तक धरना देंगे और पिटीशन देंगे, टीचर यूनियन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ पिटीशन देंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन टीचर यूनियन और ऑल इंडिया नेशनल एजुकेशनल फेडरेशन कल कलेक्टर ऑफिस में धरना प्रदर्शन करेंगे और पिटीशन देंगे। जबकि ऑल इंडिया प्राइमरी टीचर यूनियन ने 20 तारीख को धरना और पिटीशन देने का प्लान बनाया है। जिसमें वे तीन घंटे तक धरना देकर विरोध करेंगे और फिर कलेक्टर को एक एप्लीकेशन देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने टीचर्स के लिए एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि एजुकेशन सर्विस से जुड़े सभी टीचर्स को अपनी नौकरी जारी रखने या प्रमोशन पाने के लिए टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट पास करना ज़रूरी होगा। जिन टीचर्स की नौकरी पांच साल से ज़्यादा बची है, उनके लिए TET पास करना ज़रूरी कर दिया गया है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें इस्तीफ़ा देना होगा या कंपलसरी रिटायरमेंट लेना होगा। हालांकि, कोर्ट ने सिर्फ़ पांच साल बचे टीचर्स को राहत दी है। टीचर्स यूनियन ने सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले का विरोध किया तो सुप्रीम कोर्ट के इस फ़ैसले की वजह से ऑल इंडिया प्राइमरी टीचर्स यूनियन ने एक मीटिंग बुलाई। जिसमें सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले को सही नहीं माना गया और मीटिंग में इस पर चर्चा हुई। जिसमें कल (17 जून) से 3 दिन (20 जून) तक पूरे राज्य के 33 ज़िलों में कलेक्टर ऑफ़िस पर धरना देकर विरोध करने का फ़ैसला किया गया है। एक अनुमान के मुताबिक, 2010 से पहले अपॉइंट हुए एक लाख टीचरों पर नौकरी बचाने के लिए TET पास करने का खतरा मंडरा रहा है, इसलिए प्रोटेस्ट होंगे। अनुभवी टीचरों को TET देने के लिए प्रोटेस्ट किया जाएगा। दावा किया गया है कि 2010 से पहले TET नहीं था, इसलिए रिक्रूटमेंट नियमों के हिसाब से अपॉइंटमेंट लिए गए थे। ऑल इंडिया प्राइमरी टीचर्स यूनियन के प्रेसिडेंट खोदूभाई पढियार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ऑल इंडिया प्राइमरी टीचर्स यूनियन ने एक मीटिंग बुलाई है। इसमें गुजरात स्टेट प्राइमरी टीचर्स यूनियन के रिप्रेजेंटेटिव मौजूद थे। जिसमें 2010 से पहले TET एग्जाम पास करने के निर्देश वाले टीचरों को लेकर पूरे राज्य में धरना प्रदर्शन और आंदोलन किए जाएंगे। 33 जिलों के टीचर 17 से 20 तारीख तक कलेक्टर ऑफिस पर धरना प्रदर्शन करके विरोध करेंगे। इसके अलावा, खोदूभाई पढियार ने कहा कि हमारी भर्ती राज्य सरकार ने 1997-98 से नियमों के अनुसार की है। उस समय TET एग्जाम नहीं था, यह 2010 के बाद लागू हुआ। इन 12 सालों में कोई भी कर्मचारी ऐसा नहीं है जिसन TET पास किया हो। सरकार चाहती है कि टीचर 25 से 27 साल की उम्र में TET एग्जाम पास करें। उस समय TET एग्जाम नियमों में नहीं था, हमने नौकरी जॉइन की। उसके बाद 2010 के बाद TET एग्जाम लिया जाता है। दूसरी मांगों के बारे में खोदूभाई पढियार ने कहा कि दूसरी मांगों को लेकर भी प्रोटेस्ट और सिट-इन किए जाएंगे। 1-4-2005 के बाद के टीचर्स को पुरानी पेंशन स्कीम का फायदा दिया जाए। इसके साथ ही 6 से 8 तक के टीचर्स को अलग ग्रेड पे मिले और मौजूदा राज्य सरकार द्वारा HTAT प्रिंसिपल्स को दिया गया एडिशनल स्कूल चार्ज भी मांगा जाएगा। अहमदाबाद में कलेक्टर ऑफिस पर दोपहर 3 से 5 बजे तक प्रोटेस्ट किया जाएगा, जिसके बाद एप्लीकेशन दी जाएगी। राज्य में टीचर्स और प्रिंसिपल्स की घटती संख्या के कारण एजुकेशन सिस्टम पर गंभीर असर पड़ने की बात कहते हुए,जिससे पढ़ाई और एडमिनिस्ट्रेशन दोनों आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि राज्य के कई सरकारी और ग्रांटेड स्कूलों में प्रिंसिपल और टीचरों के पद लंबे समय से खाली हैं।

नडियाद के अखडोल गांव के श्मशान घाट के पीछे विदेशी शराब का धड़ल्ले से चल रहा अड्डा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। गुजरात में शराबबंदी को लेकर चिंता बढ़ाने वाली एक और चौंकाने वाली कहानी खेड़ा जिले से सामने आई है। गांधी के गुजरात में, जहां शराबबंदी सिर्फ कागजों पर है, वहीं खेड़ा जिले के नडियाद तालुका के अखडोल गांव के श्मशान घाट के पीछे अंग्रेजी शराब और बीयर खुलेआम बिकने का खुलासा हुआ है। पवित्र श्मशान घाट के पीछे चल रहे इस काले धंधे से स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है, वहीं पक्को गुजरात न्यूज़ सीधे तौर पर यह सवाल उठाता है कि यह गैर-कानूनी अड्डा किसके आशीर्वाद से चल रहा है? क्या यह काला धंधा खेड़ा जिले के पुलिस सुपरिटेंडेंट की जानकारी के बिना, स्थानीय बिट जमादार, स्थानीय पुलिस इंस्पेक्टर और उनकी स्पेशल टीम की मदद से चल रहा है, या पुलिस सच में गहरी नींद में है? यह सवाल आज खेड़ा के लोग पूछ रहे हैं। पूरे जिले में हर दिन लाखों रुपये की विदेशी और देसी शराब बिक रही है। जगह-जगह देसी शराब की भट्टियां और जुए के अड्डे फल-फूल रहे हैं, फिर भी क्या जिला पुलिस प्रमुख इस पूरे मामले से अनजान बनने का नाटक कर रहे हैं या जानबूझकर आंखें मूंदे हुए हैं, यह जांच का विषय है। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल स्थानीय LCB PI पर उठ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, LCB PI पिछले 5 से 7 साल से एक ही जगह पर काम कर रहा है। पूरा नेटवर्क इस सज्जन की निगरानी में चल रहा है, जो नियमों को ताक पर रखकर एक ही जगह पर डटा हुआ है। क्या LCB PI सच में गहरी नींद में है या हफ़्तराज की मलाई खाने में व्यस्त है? इतने लंबे समय से एक ही जगह पर जमे अधिकारी के पीछे कौन बड़ा राजनीतिक नेता है? किस नेता के आशीर्वाद से खेड़ा जिले को शराब का अड्डा बना दिया गया है? जब जनता के टैक्स के पैसे से चलने वाली पुलिस ही शराब तस्करों की शरण में जाकर बैठ जाए, तो कानून-व्यवस्था बेबस हो जाती है। भले ही शराब तस्करों ने श्मशान जैसी जगह को अड्डा बना लिया हो, लेकिन प्रशासन मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहा है। पक्को गुजरात अखबार जल्द ही इस पूरे मामले पर बहुत डिटेल्ड और सबूतों पर आधारित रिपोर्ट छापने वाला है। पक्को गुजरात हफ़्तराज के इस पूरे नेटवर्क और खाकी वर्दी वाले नेताओं का असली चेहरा जनता के सामने लाकर ही दम लेगा। अब देखना यह है कि कुंभकर्ण की नींद सो रहा खेड़ा पुलिस प्रशासन इस रिपोर्ट के बाद जागेगा या शराब तस्करों के साथ यह भाईचारा जारी रहेगा।

14 दिनों में 84 बाल मज़दूर आज़ाद कराए गए, 26 आरोपियों के खिलाफ़ कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य में बाल मज़दूरी के कलंक को मिटाने और मासूम बच्चों के शोषण को रोकने के लिए, गुजरात पुलिस ने पूरे राज्य में 'ऑपरेशन चाइल्डहुड फ्रीडम' नाम से सख्त मुहिम शुरू की है। इस खास मुहिम के पहले 14 दिनों में, पुलिस ने अलग-अलग इंडस्ट्रियल यूनिट्स, होटलों और फैक्ट्रियों में छापेमारी करके 84 बाल मज़दूरों को नरक से आज़ाद कराया है। इस जुर्म में शामिल मालिकों के खिलाफ़ 16 केस दर्ज किए गए हैं और 26 आरोपियों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई की गई है गठन की डिटेल्स यह हैं कि यह मिशन गुजरात पुलिस 'हर बच्चा स्कूल में हो, कोई भी बच्चा काम पर न हो' के मुख्य नारे और नेक मकसद के साथ चला रही है। राज्य पुलिस चीफ जी.एस. मलिक ने कहा कि यह मुहिम सिर्फ़ छापेमारी तक ही सीमित नहीं है। इस ऑपरेशन के तहत छोड़े गए मासूम बच्चों के सही रिहैबिलिटेशन और उन्हें फिर से पढ़ाई की मेनस्ट्रीम में जोड़ने पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

रिटायर्ड सरकारी अधिकारी के परिवार से 25 लाख रुपये की ठगी: स्टॉक मार्केट में ज़्यादा रिटर्न के जाल में फंसाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

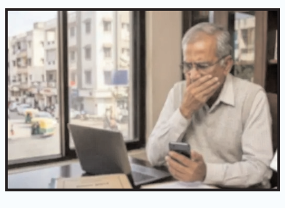

गांधीनगर। स्टॉक मार्केट के नाम पर ठगी का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें ज़्यादा रिटर्न का वादा करके एक रिटायर्ड सरकारी अधिकारी के परिवार से 25 लाख रुपये ठग लिए गए। सेक्रेटेरिएट के एक रिटायर्ड सेक्शन ऑफिसर की जीवन भर की पूंजी हड़पने के बाद, कोरोना काल में उनकी मौत के बावजूद आरोपियों ने इंसानियत को ताक पर रखकर पैसे नहीं लौटाए। आखिरकार, इस मामले में LCB की जांच के बाद सेक्टर-7 पुलिस स्टेशन में क्राइम दर्ज किया गया है। गांधीनगर के सेक्टर-4/B में रहने वाली 51 साल की छायाबेन खराड़ी के पति भीखाभाई कोयभाई खराड़ी गांधीनगर सेक्रेटेरिएट में सेक्शन ऑफिसर के पद पर काम कर रहे थे। साल 2012-2013 के दौरान, परिवार कुडासन स्वागत रेन फॉरेस्ट-2 में हर्बल लाइफ प्रोडक्ट्स की फ्रेंचाइजी के ज़रिए वडोदरा के पादरा के रहने वाले कुणाल नरेंद्रभाई पटेल के संपर्क में आया। कुणाल पटेल ने खुद को एक बड़ा स्टॉक मार्केट ब्रोकर बताकर भीखाभाई को अपने भरोसे में लिया था और वादा किया था कि स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करने पर उन्हें जल्द ही बड़ा मुनाफा मिलेगा।

सर्टिफिकेट पोर्टल बंद होने से हिम्मतनगर नगर पालिका में भारी भीड़, दूसरी तरफ जनकल्याण कैंप में बांटे गए दस्तावेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। जिले के हेडक्वार्टर हिम्मतनगर नगर पालिका में इन दिनों जन्म और मृत्यु सर्टिफिकेट बनवाने के लिए आवेदकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। नगर पालिका में जन्म और मृत्यु सर्टिफिकेट के लिए कुल चार पोर्टल काम कर रहे हैं, लेकिन उनमें से तीन पोर्टल एक महीने से ज़्यादा समय से बंद पड़े हैं। सिर्फ एक ही पोर्टल चालू होने के कारण आवेदकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हर दिन 100 से ज़्यादा सर्टिफिकेट जारी किए जाने के बावजूद आवेदकों की लंबी लाइनें खत्म नहीं हो रही हैं। हालात यह हैं कि छोटे बच्चों के साथ आवेदक मंगलवार सुबह से ही कतारों में खड़े नजर आए। इस समस्या को लेकर हिम्मतनगर नगर पालिका की तरफ से राज्य सरकार को लिखित में सूचित किया गया है, लेकिन बंद पोर्टल अभी तक शुरू नहीं हो सके हैं। नगर पालिका ने आवेदकों की जानकारी के लिए 'एक पोर्टल खुला है' का बोर्ड भी लगाया है। एक तरफ जहां लोग जन्म और मृत्यु सर्टिफिकेट के लिए परेशान दिखे, वहीं दूसरी तरफ 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को पूरा करने और सरकार की जनकल्याण योजनाओं का फायदा आम लोगों तक पहुंचाने के मकसद से मंगलवार को हिम्मतनगर नगर पालिका में एक विशेष जनकल्याण कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में लखपति दीदी योजना, सोलर योजना, लोन सुविधा, इनकम सर्टिफिकेट, आयुष्मान कार्ड और आधार कार्ड समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए लोगों को जरूरी गाइडेंस दी गई और मौके पर ही सर्टिफिकेट जारी किए गए।

झगड़िया के रुमालपुरा गांव के इसाम पर तेंदुए ने हमला किया, कुत्तों ने उसकी जान बचाई।

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

भरूच। जिले के झगड़िया तालुका के जाम्बोई गांव के बाहरी इलाके में तेंदुए के हमले की घटना से गांव वालों में डर फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, जब रुमालपुरा गांव के बाबूभाई जयरामभाई खेत की तरफ जा रहे थे, तो जाम्बोई गांव के बाहरी इलाके में अचानक एक तेंदुआ खेत में घुस आया और उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान बाबूभाई के हाथ और पैर में चोटें आईं। किस्मत से, पास के कुत्तों ने तेंदुए पर भौंकते हुए हमला कर दिया, जिससे तेंदुआ वहां से भाग गया, जिससे बाबूभाई की जान बच गई। घायल बाबूभाई को तुरंत 108 एम्बुलेंस से उमल्ला सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका ज़रूरी इलाज किया। घटना की जानकारी मिलने पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारी भी हरकत में आ गए।RFO चेतनाबेन, फॉरेस्टर हिनाबेन पटेल, झगड़िया तालुका पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बेन संदीप भाई वसावा और डु.वाघपुरा सरपंच उमल्ला, पूर्व सरपंच दशरथ भाई अस्पताल पहुंचे, घायलों से मिले और पूरी घटना की जानकारी ली। वन विभाग ने घटनास्थल पर जांच की है। RFO चेतनाबेन ने कहा कि गांव वालों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए घटनास्थल पिंजरा लगाने की कार्रवाई की जाएगी।

सरथाना पुलिस की 'SHE टीम' ने किशोरी सुरक्षा दिवस का अनोखा जश्न मनाया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। आज के डिजिटल ज़माने में टीनएजर्स और महिलाओं की ऑनलाइन सिक्योरिटी पक्का करने के लिए सूरत सिटी पुलिस लगातार काम कर रही है। 'किशोरी सुरक्षा दिवस' के खास मौके पर सरथाना पुलिस स्टेशन की SHE टीम' ने एक तारीफ़ के काबिल और प्रेरणा देने वाली पहल की। टीनएजर्स में टेक्नोलॉजी के सही इस्तेमाल और ऑनलाइन सिक्योरिटी के बारे में अवेयरनेस लाने के पवित्र मकसद से एक खास साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया। आजकल सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के बीच, 'SHE टीम' ने टीनएजर्स को डिटेल में जानकारी दी ताकि वे अनजाने में साइबर क्राइम का शिकार न बनें। प्रोग्राम के दौरान, मौजूद टीनएज लड़कियों को बहुत आसान भाषा में अलग-अलग तरह के साइबर क्राइम, सोशल मीडिया अकाउंट की सिक्योरिटी (प्राइवेसी सेटिंग्स), ऑनलाइन फाइनेंशियल या साइकोलॉजिकल फ्रॉड से बचने के असरदार तरीकों के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों की सेफ्टी से जुड़े कानूनी नियमों के बारे में ज़रूरी गाइडेंस दी गई। प्रोग्राम में मौजूद एक्सपर्ट्स और पुलिस अधिकारियों ने खास तौर पर टीनएज लड़कियों से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किसी भी अजनबी से बातचीत करने से पहले सतर्क और सावधान रहने की अपील की। इस मौके पर शीतल चौधरी ने अपने भाषण में कहा, 'आज टीनएज लड़कियों की सेफ्टी पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन की सबसे बड़ी प्रायोरिटी है। पुलिस और खासकर SHE Team की तरफ से लगातार कड़ी कोशिशें और पेट्रोलिंग की जा रही है ताकि टीनएज लड़कियां और महिलाएं समाज में बिना डरे रह सकें।' उन्होंने टीनएज लड़कियों को किसी भी प्रॉब्लम में बिना झिझक तुरंत पुलिस से कॉन्टैक्ट करने के लिए भी हिम्मत दी। मौजूद टीनएजर्स और उनके पेरेंट्स ने इस अवेयरनेस प्रोग्राम के लिए सरथाना पुलिस का शुक्रिया अदा किया।

NEET-UG एग्जाम पेपर लीक के बाद केंद्र सरकार का बड़ा फैसला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टेलीग्राम' पर 22 जून तक टेम्परारी बैन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पूरे देश में मेडिकल एजुकेशन में एडमिशन के लिए होने वाले NEET-UG एग्जाम पेपर लीक की गंभीर शिकायतों के बाद भारी हंगामा हुआ, जिसकी वजह से पहले हो चुके एग्जाम को कैंसिल करना पड़ा। अब जब यह एग्जाम 21 जून को दोबारा होने जा रहा है, तो केंद्र सरकार ने भविष्य में ऐसी किसी भी गड़बड़ी या पेपर लीक को दोबारा होने से रोकने के लिए एक बहुत बड़ा और अनोखा फैसला लिया है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टेलीग्राम' पर 22 जून तक पूरे देश में टेम्परारी तौर पर पूरी तरह बैन लगा दिया है।

टेलीग्राम पर बैन लगाने का इतना बड़ा फैसला क्यों लिया गया?

पहले हुई पेपर लीक की घटनाओं की जांच में पता चला कि 'टेलीग्राम' ऐप का गलत इस्तेमाल असामाजिक तत्व और एग्जाम माफिया बड़े पैमाने पर पेपर, आंसर की और दूसरी गोपनीय जानकारी वायरल करने के लिए कर रहे थे। क्योंकि टेलीग्राम पर बड़े ग्रुप और चैनल आसानी से बनाए जा सकते हैं और इसके यूज़र्स की पहचान छिपी रहती है, इसलिए गोपनीय जानकारी बहुत तेज़ी से लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। यह पक्का करने के लिए कि 21 जून को होने वाली दोबारा परीक्षा के दौरान ऐसी कोई डिजिटल गड़बड़ी दोबारा न हो, पेपर लीक की कोई अफवाह न फैले और परीक्षा की गोपनीयता पूरी तरह बनी रहे, सरकार ने परीक्षा से एक दिन पहले से लेकर परीक्षा के अगले दिन यानी 22 जून तक इस प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया है। केंद्र सरकार के इस फैसले पर एक्सपर्ट्स और जनता की क्या राय है? सरकार के इस कड़े कदम को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं: स्टूडेंट्स और पेरेंट्स का पक्ष: ज़्यादातर ईमानदार स्टूडेंट्स और पेरेंट्स ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। उनका मानना है कि मेहनती स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ छेड़छाड़ रोकने के लिए इतनी सख्त IT पाबंदियां लगाना सही है, ताकि परीक्षा पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके। डिजिटल एक्सपर्ट्स की राय: साइबर एक्सपर्ट्स का कहना है कि चूंकि टेलीग्राम एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड है और इसकी डेटा पॉलिसी सख्त है, इसलिए इस पर नज़र रखना मुश्किल है, इसलिए संकट के समय में ऐसे प्लेटफॉर्म को कुछ समय के लिए बंद करना सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन के लिए एक असरदार हथियार साबित हो सकता है। इस फैसले से साफ है कि सरकार इस बार लाखों स्टूडेंट्स के भविष्य और देश की साख से जुड़ी इस परीक्षा को आसानी से पूरा कराने के लिए किसी भी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहती है।

रिकॉर्ड के मोर्चे पर कौन भारी, कौन कमजोर

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है।

इस बार 11 जून की तारीख भारतीय इतिहास के लिए विशेष बनकर आई। इसी दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था। इतिहास क्रम में हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। हर प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं।

इसलिए अव्वल तो ऐसी तुलनाएं होनी ही नहीं चाहिए थी। क्योंकि नेहरू के युग में भारत की जो स्थिति थी, वह अब नहीं है। इतिहास का कोई खंड कठिन होता है तो कोई आसान। इसलिए इतिहास के काल खंड की बुनियाद पर उस दौर के शासक की परख होनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य का शासक अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता।

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस आलोक में इतिहास के तथ्यों को जांचना जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह किसी एक दल विशेष यानी कांग्रेस की ही सरकार नहीं थी, बल्कि एक तरह से वह राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें अंबेडकर भी थे और श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को आजादी मिल जाएगी। इस बीच ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी और लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री बने। एटली ने चुनावी वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भारत को स्वाधीनता दी जाएगी। जब उन्होंने ब्रिटेन की कमान संभाल ली तो उन्होंने भारत को आजादी देने की प्रक्रिया तेज कर दी। इसी सिलसिले में 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया। मिशन के सामने सवाल यह था कि सत्ता का हस्तांतरण किसे किया जाएगा, क्योंकि उन दिनों भारत में दो बड़े और प्रमुख दल थे, कांग्रेस और मुस्लिम लीग। लेकिन सत्ता किसे सौंपी जाए, इस सवाल के साथ ही भारत की भावी सरकार और विधान को तैयार करने के लिए संविधान सभा का चुनाव 1946 में हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस को 208 और मुस्लिम लीग को 73 सीटें मिलीं। दूसरे दलों और निर्दलीयों को 15 सीटें मिलीं थी। इसके पहले प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को 923 और मुस्लिम लीग को 425 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को सामान्य सीटों के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर जीत मिली, मुस्लिम बहुल 87 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। इसके बाद सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस को ही सत्ता हस्तांतरण होना तय हुआ। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष का महत्व बढ़ गया। उन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अधिकांश प्रांतीय समितियों ने सरदार पटेल का नाम आगे किया था, जबकि कुछ ही प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने जवाहर लाल नेहरू का नाम आगे किया। चूंकि गांधी जी पहले ही कह चुके थे कि उनके बाद जवाहर उनकी भाषा बोलेगा यानी सत्ता उन्हें मिलेगी, इसलिए वे ही अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत 2 सितंबर 1946 को 'अंतरिम सरकार' का गठन हुआ, जिसमें नेहरू जी को 'वायसराय की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष' बनाया गया, उस पद का नाम प्रधानमंत्री नहीं था। इसे अंतरिम सरकार कहा गया। भले ही कुछ लोग सुविधा के लिए नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल को उसी दिन से मान लेते हैं। यहां याद करना जरूरी है कि वायसराय की कार्यकारी परिषद के पदेन अध्यक्ष खुद वायसराय लॉर्ड वेवेल थे। उनके बाद आए वायसराय माउंटबेटन इसके अध्यक्ष रहे।

देश को स15 अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947' के तहत देश को आजाद घोषित किया गया। इस कानून के मूल पाठ में कहीं भी ₹प्राइम मिनिस्टर₹ या प्रधानमंत्री शब्द नहीं लिखा हुआ है। हालांकि पंद्रह अगस्त 1947 की आधी रात को नेहरू ने स्वाधीन सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली, भले ही वे उसके मुखिया थे। नेहरू ने अंग्रेजी में शपथ लेते हुए ह्यऑफिस ऑफ मिनिस्टरह्न यानी मंत्री पद की शपथ ली थी, प्रधानमंत्री पद की नहीं। इसके बाद ही उन्होंने ह्यनियति से साक्षात्कारह्न वाला प्रसिद्ध भाषण दिया था। यहां याद करना चाहिए कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत तत्कालीन गवर्नर-जनरल को ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि के रूप में दोनों उपनिवेशों भारत और पाकिस्तान का संवैधानिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। जिन्हें सलाह देने और शासन चलाने के लिए एक मंत्रि परिषद का प्रावधान था। इस प्रावधान में प्रधानमंत्री या प्रीमियर या प्राइम मिनिस्टर का कोई पद नहीं है। गवर्नर-जनरल को इसी मंत्रि परिषद की सलाह पर शासन चलाना था।

मोदी को सबसे लंबे समय तक बतौर निर्वाचित प्रधानंत्री काम करने के रिकॉर्ड को गलत साबित करने वाला प्रगतिशील तबके का तर्क है कि 1946 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी और उसके निर्वाचित नेता के तौर पर नेहरू ने सरकार चलाई। लेकिन हकीकत यह है कि 1946 का चुनाव वयस्क मतदान के अधिकार और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत के तहत नहीं हुआ था। तब वोटर होने की शर्त संपत्ति, शिक्षा, कर भुगतान आदि था। मुसलमान सिर्फ मुस्लिम बहुल सीटों के ही मतदाता थे। एक तरह से यह सार्वभौम वयस्क मतदान के अधिकार से रहित चुनाव था। इसलिए सही मायने में 1946 का चुनाव ना तो समानता और वयस्क मतदान के अधिकार से लैस था, न ही पूरे देश के मतदाताओं का प्रतिबिंब था। एक तरह से कहें तो यह सिर्फ दस प्रतिशत लोगों के मतदान की बुनियाद पर हुआ चुनाव था। जिसमें हर वयस्क की भागीदारी नहीं थी। उन दिनों धार्मिक आधार पर अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र भी थे। इसलिए 1946 का चुनाव सही मायने में संतुलित मतदान नहीं था। स्वाधीन भारत में पहला आम चुनाव 1951 -52 के बीच हुआ। जिसमें कांग्रेस को 364 सीटें मिलीं। इसी नतीजे के आधार पर पंडित नेहरू ने 13 मई 1952 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 27 मई 1964 को मृत्यु पर्यंत अपने पद पर रहे। इसी लिहाज से नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 4398 दिन ही होता। आधुनिक सार्वभौम मतदान के अधिकार और सिद्धांत के लिहाज से देखें तो पंडित नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर असल कार्यकाल 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक का ही होता है।

रही बात नेहरू और मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों की, तो इसकी तुलना की जा सकती है। भारत की आजादी के वक्त देश में बीस विश्वविद्यालय थे, जिसे नेहरू ने अपने कार्यकाल में 64 तक पहुंचा दिया था। इस लिहाज से देखें तो मोदी के कार्यकाल में देश में साढ़े पांच सौ से ज्यादा विश्वविद्यालय हो चुके हैं। नेहरू समर्थक कह रहे हैं कि आजादी के वक्त देश में 15 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़ाकर नेहरू ने 81 कर दी थी। लेकिन जब मोदी ने कार्यकाल संभाला तो देश में 393 मेडिकल कॉलेज थे, जिसे उन्होंने 818 तक कर दिया है। 431 मेडिकल कॉलेज तो 2014 के बाद ही बने हैं। बेशक नेहरू अपनी विदेश नीति के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मोदी ने भारत के स्वत्व बोध को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब बढ़ाया है।

संपादकीय

डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ

भारत में सामान्यतः उत्पादों पर गुणवत्ता व उपयोग-तिथि के दावों के बावजूद उसके सेहत से जुड़े सरोकार सवालों के घेरे में रहे हैं। यह आम धारणा बनी हुई है कि कुछ लोग मुनाफे के लिए सामान की एक्सपाइरी डेट दर्ज करने में हेरफेर करने तक से नहीं चूकते। यह भी विश्वास से नहीं कहा जा सकता है कि सामान में शामिल घटकों का विवरण ईमानदारी से लेबल पर दर्ज किया गया हो। गाहे-बगाहे मीडिया व उपभोक्ता अदालतों में ऐसे मामलों की गूंज रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील लोगों के जीवन पर सही लेबलिंग से आंच नहीं आ सकती। इसी के मद्देनजर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा कई खाद्य कंपनियों को गुमराह करने वाले ट्रेड नाम के इस्तेमाल और सेहत से जुड़े दावों के लिए नोटिस जारी करना, निश्चय ही एक स्वागतयोग्य कदम है। अक्सर प्रतिष्ठित उत्पाद वाली कंपनियों के लेबल लगाकर हल्के सामान बेचने के मामले भी उजागर होते हैं। हकीकत है कि आकर्षक पैकेजिंग के जरिये उत्पाद की न्यूट्रिशन से जुड़ी जानकारी को पार्श्व में डाल दिया जाता है। विडंबना यह है कि देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित नहीं हो पाया है जो लगातार जनहित में खाद्य उत्पादों की जांच-पड़ताल कर सके। निश्चित रूप से रेगुलेटरी संस्था की निगरानी सिर्फ कभी-कभार नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस तरह की कार्रवाई कुछ समय के लिए तो सुर्खियां बनती हैं लेकिन फिर लोगों को इसकी याद कम ही रह जाती है। इस तरह की पहल को ग्राहकों की सुरक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और जागरूकता पर आधारित लगातार चलने वाले एक राष्ट्रीय मिशन का रूप दिया जा सकता है। निश्चित रूप से लाखों भारतीयों के लिए खाने की चीजों पर लेबलिंग सेहत से जुड़ा मामला है। मसलन कशेरुक रोग से पीड़ित लोग ग्लूटेन से बचने के लिए लेबलिंग पर लिखी जानकारी पर निर्भर रहते हैं, क्योंकि यह उनकी आंतों को नुकसान पहुंचा सकता है।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा। वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका। बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा। विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

श्री कृष्णः मैं तुम्हें दर्द इसलिए नहीं देता कि तुम टूट जाओ, बल्कि इसलिए देता हूँ कि तुम दूसरों का दर्द समझ सको

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जब ज़िंदगी में मुश्किलें और मुश्किलें आती हैं, तो इंसान अक्सर निराशा में डूब जाता है और भगवान से पूछता है, 'मेरे साथ किसने इतना बुरा किया?' इस सवाल का जवाब भगवान कृष्ण के इस अद्भुत वचन में छिपा है। दुख इंसान को अंदर से बनाने का काम करता है। जिस इंसान ने कभी भूख नहीं महसूस की, वह कभी भूख का दर्द नहीं समझ सकता। जिसने कभी हार नहीं खाई, वह नाकामी के आँसू नहीं पोंछ सकता। कृष्ण हमें मुश्किल हालात में डालकर हमारे दिल को 'पत्थर' और 'मोम' जैसा नरम बनाते हैं। हमारा अपना दर्द हमें दूसरों के दर्द के प्रति 'सेंसिटिव' बनाता है। जब ज़िंदगी में सब कुछ हमारी मर्ज़ी के मुताबिक चल रहा होता है, तो अनजाने में हमारे अंदर 'मैं' (ईगो) आ जाता है। दुख ईगो पर लगा वह घाव है जो हमें ज़मीन से जोड़ता है। जब हम खुद को बेबस महसूस करते हैं, तो हम दूसरों की बेबसी के लिए इज़्ज़त और दया पैदा करते हैं। कृष्ण हमें तोड़ते नहीं,

बल्कि नरम बनाते हैं ताकि हम समाज में प्यार और अपनापन बांट सकें। 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीड़ पराई जाना रे ' (मतलब सच्चे भक्त वो हैं जो दूसरों का दर्द समझते हैं)। भगवान हमें भी वैसा ही सच्चा इंसान बनाना चाहते हैं। जिसने खुद कभी ठोकर नहीं खाई, वो रास्ते में पड़े पत्थर का दर्द क्या समझेगा। हमारा अपना दुख हमें दूसरों के रास्ते का कांटा हटाने की प्रेरणा और ताकत देता है। जैसे सुनार जब सोने को आग में गर्म करता है, तो उसका मकसद सोने को खराब करना नहीं, बल्कि उसकी गंदगी निकालकर उसे और ज़्यादा शुद्ध और चमकदार बनाना होता है। वैसे ही भगवान हमें मुसीबत की आग में इसलिए गर्म करते हैं ताकि हमारे दिल का 'स्वार्थीपन' जल जाए और दूसरों के लिए 'शुद्ध दया' पैदा हो। आज के दौड़ और कॉम्पिटिशन के ज़माने में लोग एक-दूसरे के प्रति बेपरवाह होते जा रहे हैं। कृष्ण का यह विचार हमें 'ह्यूमन कनेक्शन' सिखाता है। जो इंसान अपना दुख मुस्कुराकर स्वीकार करके दूसरों के दुख में शामिल होता है, वही सही मायने में भगवान का प्यारा बन जाता है। दुख भगवान का आशीर्वाद है जो आपके दिल को दूसरों के लिए धड़कना सिखाता है। जब दूसरों के लिए आपकी आंखों में आंसू आएं, तो समझ लीजिए कि आपके अंदर बैठा कृष्ण जाग गया है। जिसे कभी कांटा नहीं चुभा हो, वह दूसरों के पैर से कांटा निकालते समय कभी सावधान नहीं रहेगा। भगवान हमेशा अपने सबसे अच्छे एक्टर को मुश्किल रोल देते हैं, क्योंकि वह जानते हैं कि सिर्फ आप ही दूसरों के दुख के साथ न्याय कर पाएंगे। भगवान कृष्ण का यह मैसेज हमें ज़िंदगी के प्रति पॉजिटिव बनाता है। जब भी ज़िंदगी में अंधेरा आपको घेर ले, तो यह मत सोचिए 'मैं ही क्यों? ', बल्कि यह सोचिए 'यह अनुभव मेरी किसकी मदद करेगा? जिस दिन आप दूसरों के आंसुओं में अपनी परछाई देखना सीख जाएंगे, समझ लीजिए कि कृष्ण के दिए दुख का मकसद पूरा हो गया है। दुख अंत नहीं है, बल्कि एक ऐसी समझ की शुरुआत है जो हमें आम तौर पर 'बेहतर' इंसान बनाती है।

-दर्शन पटेल-(स्पोर्ट्स टीचर)

(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्डी)

दिल के दो किनारेः एक मजबूरी की हकीकत और दूसरा सपनों का क्षितिज... कैसी ज़िंदगी जी रहे हैं आप?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंसानी दिमाग एक ऐसी अजीब फैक्ट्री है जहां चौबीसों घंटे ख्यालों और भावनाओं का प्रोडक्शन चलता रहता है। अगर हम इस दिमाग के अंदर झांकें तो समझेंगे कि हर इंसान एक साथ दो ज़िंदगी जी रहा है। एक वो ज़िंदगी जो बाहर दिखती है, जिसका एक खास बायोडाटा है, जिसका बैंक अकाउंट है और समाज में नाम है। जबकि दूसरी वो ज़िंदगी जो सिर्फ और सिर्फ उसके दिल की धड़कन में कैद है, जो किसी को दिखती नहीं, जिसका कोई हिसाब नहीं लेकिन जो सबसे ज़्यादा ज़िंदादिल है। वो ज़िंदगी जो हम हर सुबह अलार्म बजते ही शुरू करते हैं, वो हमारे नेचर से ज़्यादा हमारे हालात पर निर्भर करती है। उस ज़िंदगी में सुबह टाइम पर ऑफिस पहुंचने का प्रेशर, बॉस की चिट-चैट सुनने की मजबूरी, बिजनेस के फायदे-नुकसान का हिसाब-किताब और शाम को सब्जी या घर के राशन की चिंता। इस ज़िंदगी में इंसान कई रोल निभाता है - कभी वो एक लॉयल एम्प्लॉई होता है, कभी एक ज़िम्मेदार पिता, कभी एक ओबिडिएंट बेटा, कभी समाज के रीति-रिवाजों को मानने वाला नागरिक। यह ज़िंदगी हमसे हमारा समय, हमारा पसीना और हमारी एनर्जी मांगती है। यह ज़िंदगी जीना ज़रूरी है क्योंकि पेट भरना और परिवार को सुरक्षा देना हर इंसान का पहला फ़र्ज़ है। लेकिन, इस सारी भागदौड़ के बीच, जब गाड़ी ट्रैफिक सिग्नल पर रुकती है या रात को बिस्तर पर लेटने से पहले जब आंखें बंद होती हैं, तो एक और ज़िंदगी दिल में घर कर जाती है। यही वो ज़िंदगी है जिसे इंसान सच में जीना चाहता है। इस अनदेखी ज़िंदगी में कोई लिमिट और कोई नियम नहीं हैं। एक पैंतालीस साल के प्रोफ़ेसर के दिल में, शायद, एक गिटारिस्ट रहता है जिसकी

किस्मत में स्टेज पर धूम मचाना लिखा था। एक मल्टीनेशनल कंपनी के मैनेजर के अंदर, जंगल का एक ऐसा दीवाना सांस लेता है जिसे सारी भीड़ छोड़कर पहाड़ों के बीच एक छोटी सी झोपड़ी बनानी पड़ी। एक हाउसवाइफ जो पूरा दिन किचन के धुएं में बिताती है, उसके दिल की दूसरी ज़िंदगी में शायद एक बहादुर लड़की छिपी है जो बिना किसी रोक-टोक के अपने दोस्तों के साथ पूरी दुनिया घूमना चाहती थी। हम जो ज़िंदगी जीना चाहते हैं, वह हमारी आत्मा की आवाज़ है। यह हमारी असली पहचान है जिसे हमने दुनिया के डर से या ज़िम्मेदारी के नाम पर कहीं किसी अलमारी में बंद कर दिया है। जब इन दोनों ज़िंदगी के बीच का गैप बहुत ज़्यादा बढ़ जाता है, तो इंसान अंदर से टूटने लगता है। वह बाहर से सफल दिखता है, उसके पास गाड़ी, बंगला और इज्जत है, फिर भी वह अकेला और खाली महसूस करता है। इसका कारण यह है कि वह जो ज़िंदगी जी रहा है, उसकी अपनी शान है, लेकिन वह जो ज़िंदगी जीना चाहता है, उसकी अपनी ज़िंदगी है। तो इसका हल क्या है? क्या सब कुछ छोड़कर सपनों के पीछे भागना? नहीं, प्रैक्टिकल दुनिया में, यह मुमकिन नहीं है और यह समझदारी भी नहीं है। असली काम ऐसी ज़िंदगी जीने में है जहाँ आप इन दोनों सिरों को जोड़ सकें। अपनी पहली ज़िंदगी को इतना बेरहम मत बनने दो कि वह तुम्हारी दूसरी ज़िंदगी की साँसें रोक दे। पाक्को गुजरात न्यूज़ के मंच से, आज का बस यही विचार है कि, हफ़्ते में एक दिन, दिन में एक घंटा या बस कुछ मिनट उस ज़िंदगी को दें जो आप जीना चाहते हैं। अगर आपको लिखना पसंद है, तो अपनी डायरी के दो पन्ने भरें, अगर आपको गाना पसंद है, तो पूरे दिल से गाएं, भले ही आप बाथरूम सिंगर हों, अगर आपको नेचर पसंद है, तो सुबह-सुबह किसी गार्डन में जाएं और घास पर नंगे पैर चलें। याद रखें, हम जो ज़िंदगी जीते हैं वह हमारी 'लाइफ़ स्पैन' खत्म कर देती है, लेकिन हम जो ज़िंदगी जीना चाहते हैं वह हमें 'ज़िंदा' रखती है। जब हम ज़िंदगी की आखिरी मंज़िल को देखें, तो हमें यह अफ़सोस नहीं करना चाहिए कि काश मैंने अपने दिल की उस दूसरी ज़िंदगी को थोड़ा और जी लिया होता!

मौसेरे भाई से निकाह की जिद पर अड़ी थी बहन, सगे भाई ने सोते समय गोली मारकर उतारा मौत के घाट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभल। शमी मोहम्मद ने अपनी 20 वर्षीय बहन मुस्कान की गोली मारकर हत्या कर दी. यह वारदात ऑनर किलिंग का मामला है क्योंकि मुस्कान अपने मौसेरे भाई से निकाह करने की जिद पर अड़ी थी और शमी इस रिश्ते के खिलाफ था. 11 जून को हुए विवाद के बाद अगले दिन जब युवती घर पर सो रही थी, तब भाई ने तमंचे से उसे मौत के घाट उतार दिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर कब्रिस्तान में छिपाए गए अवैध तमंचे और कारतूस बरामद कर इस हत्याकांड का खुलासा किया है. पूरा मामला गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के सैंजना गांव का है. मृतक युवती मुस्कान का अपने मौसेरे भाई के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था. दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन परिवार और खासकर उसका भाई शमी मोहम्मद इस रिश्ते के सख्त खिलाफ था. वारदात से एक दिन पहले, यानी 11 जून को भाई-बहन के बीच इसी बात को लेकर काफी तीखी बहस और विवाद भी हुआ था. मुस्कान अपनी जिद छोड़ने को तैयार नहीं थी, जिससे नाराज होकर भाई ने खौफनाक कदम उठाने की साजिश रच डाली.

सोती हुई बहन पर चलाई गोली

12 जून को जब मुस्कान घर के अंदर चारपाई पर सो रही थी, तभी शमी मोहम्मद ने मौके का फायदा उठाया और अवैध तमंचे से उस पर फायर कर दिया. गोली लगने से मुस्कान की मौके पर ही मौत हो गई और आरोपी भाई वहां से फरार हो गया. जब युवती की मां घर वापस लौटी, तो बेटी का खून से लथपथ शव देखकर उनके होश उड़ गए.

मंच पर आते ही शिवराज सिंह ने लूट लिया मजमा, इस बात से भड़के थे पूर्व सीएम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायसेन। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला है। शिवराज सिंह चौहान सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर थे। रायसेन जिले में आयोजित जन कल्याण शिविर के दौरान शिवराज सिंह चौहान गुस्सा हो गए। हालांकि गुस्से में उन्होंने ऐसी बात कही की लोगों ने जमकर तालियां बजाई और 'मामा' के नारे लगाने लगे।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, जन कल्याण शिविर में शिवराज सिंह चौहान को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया था। इस दौरान मंच से कहा गया कि शिवराज सिंह चौहान आ रहे हैं सभी लोग खड़े होकर ताली बजाएं। जनता से खड़े होकर ताली बजवाने की बात सुनकर शिवराज सिंह चौहान नाराज हो गए। शिवराज सिंह चौहान ने माइक पर ऐसा करने वाले नेता को फटकार भी लगाई।

शिवराज ने कहा- मामा खड़ा रहेगा

शिवराज सिंह चौहान ने माइक पकड़ते ही कहा- ये गलत बात है, बार-बार जनता से खड़े होकर ताली बजवाना। मैं इस पर आपत्ति करता हूं। जनता हमारी भगवान है और हम उसके सेवक हैं। बार-बार खड़े होकर ताली बजाने के लिए क्यों कहा जा रहा है। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि तुम लोग बैठ जाओ, तुम्हारे लिए मामा खड़ा रहेगा। शिवराज सिंह चौहान की यह बात सुनकर वहां मौजूद लोगों ने जमकर ताली बजाई।

कार्यक्रम को किया संबोधित

शिवराज सिंह चौहान ने कहा- भाइयों और बहनों, अभी मकानों का फिर से सर्वे चल रहा है। हमारा लक्ष्य है कि हर पात्र परिवार को मकान मिले। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि- गरीब इज्जत से अपनी जिंदगी गुजार सके, इसके लिए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कई योजनाएं हैं। फिर दिखा शिवराज सिंह चौहान का अलग अंदाज पूर्व सीएम ने मंच से लगाई फटकार शिवराज ने कहा- खड़े होकर ताली नहीं बजाना है मामा आपका सेवक है, वह आपके लिए खड़ा रहेगा पंचायतों को सीधे मिलेगी राशि उन्होंने कहा कि देशभर में खेत बचाओ अभियान चल रहा है।

हार, कंगन, अंगूठियां और पायल, चलती ट्रेन से सोने चांदी के जेवर चोरी, मार्केट में कीमत करीब 40 लाख रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। बीना-ग्वालियर पैसेंजर में सनसनीखेज वारदात समाने आई है। मुंगावली से म्याना की यात्रा कर रहे एक परिवार को ट्रेन में मची भारी भीड़ के कारण लाखों रुपये का चूना लग गया। शातिर चोरों ने बीना-ग्वालियर पैसेंजर ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री के ट्राली बैग की चेन खोलकर उसमें रखे लगभग लाखों मूल्य के सोने-चांदी के पुश्तैनी जेवरात पार कर दिए।

बैग खोलकर निकाला सामान

पीड़ित परिवार जब गुना स्टेशन पहुंचने से पहले संभला, तब तक चोर अपना काम कर रफूचक्कर हो चुके थे। पीड़ित की शिकायत पर जीआरपी गुना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार, अशोकनगर जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र अंतर्गत नरखेड़ा गांव के निवासी आबिद खान ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। फरियादी ने बताया कि वह अपनी पत्नी और बहुओं के साथ बीना-ग्वालियर पैसेंजर से मुंगावली से म्याना की यात्रा कर रहे थे। सफर के दौरान उन्होंने अपना कीमती ट्राली बैग ऊपर वाली सीट पर रख दिया था, जबकि महिलाएं नीचे बैठी थीं। रेटवास स्टेशन से गुना स्टेशन के बीच ट्रेन में अचानक भारी भीड़ हो गई, जिसका फायदा उठाकर कुछ अज्ञात मुसाफिर ऊपर की सीट पर आकर बैठ गए। गुना स्टेशन आने से ठीक पहले जब आबिद खान ने ऊपर देखा, तो उनके होश उड़ गए क्योंकि उनके ट्रालीबैग की चेन खुली हुई थी। हड़बड़ाहट में जब बैग को खंगाला गया, तो उसमें रखे सारे गहने गायब थे। जिसमें सोने के 6 हार, 2 कड़े, 4 कंगन, 2 चेन, 6 अंगूठियां, कान के झाले व टॉप्स तथा चांदी की 4 जोड़ी पायल, हथफूल और बिछिया शामिल हैं। फरियादी के अनुसार करीब 25 तौला से अधिक सोने के जेवर एवं सवा किलो के करीब चांदी के जेवर चोरी हुए । , जिनकी वर्तमान कीमत करीब 40 लाख रुपए से अधिक है। हालांकि पुलिस ने अपनी एफआईआर में जेवरों का मूल्य पुराने भाव पर 16 लाख रुपए बताया है। ग्वालियर-बीमा पैसेंजर ट्रेन में चोरी लाखों का जेवर लेकर चोर फरार शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था परिवार परिवार के सदस्यों ने थाने में दर्ज कराई शिकायत परिवार की लापरवाही से हुई चोरी थाना प्रभारी गुना जीआरपी श्रीपाल सिंह ने बताया कि एडीजे रेलवे राजाबाबू सिंह के निर्देशन में एएसपी इंदौर साइबर सेल के नेतृत्व में दस सदस्यीय जीआरपी पुलिस की टीम मामले में सर्चिंग कर रही है।

पानी की एक बोतल ?2.5 लाख की पड़ी! छात्रा कॉलेज की फीस भरने पहुंची तब खुला राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मध्य प्रदेश के मिनी मुंबई यानी राजधानी इंदौर से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म से महज पानी की एक बोतल खरीदना एक कॉलेज छात्रा को बहुत भारी पड़ गया. ठगों ने रिफंड देने के बहाने छात्रा का मोबाइल हैक कर लिया और उसके बाद उसके निजी फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर करीब 2.5 लाख रुपये ऐंठ लिए. यह पूरी घटना इंदौर के खजराना थाना इलाके की है. पीड़ित छात्रा एक कॉलेज स्टूडेंट है. उसने कुछ दिनों पहले एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से पानी की एक बोतल का ऑर्डर दिया था. ऑर्डर के कुछ समय बाद उसके पास एक अनजान नंबर से कॉल आया. कॉल करने वाले शख्स ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि आपके ऑर्डर की राशि रिफंड की जानी है. झांसे में आकर छात्रा उनकी बातों में आ गई. ठगों ने रिफंड प्रोसेस पूरा करने के नाम पर उसके मोबाइल पर एक UPI लिंक भेजा. जैसे ही छात्रा ने उस लिंक पर क्लिक किया, उसका मोबाइल फोन पूरी तरह से हैक हो गया. आरोपियों ने रिमोट एक्सेस के जरिए उसके मोबाइल का सारा पर्सनल डेटा, निजी तस्वीरें और वीडियो अपने कब्जे में ले लिए. डेटा चोरी करने के बाद शातिर ठगों ने छात्रा को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया. उन्होंने धमकी दी कि अगर उसने पैसे नहीं दिए, तो उसके निजी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जाएंगे. लोक-लाज और बदनामी के डर से सहमी छात्रा ने बिना किसी को बताए आरोपियों के दिए गए बैंक खातों में कई किस्तों में पैसे ट्रांसफर कर दिए. इस पूरी घटना का खुलासा तब हुआ जब छात्रा अपने कॉलेज की फीस जमा करने बैंक पहुंची. वहां खाता चेक करने पर उसे पता चला कि उसके अकाउंट से करीब ढाई लाख रुपये की एक बड़ी राशि गायब हो चुकी है. ठगी का अहसास होने के बाद पीड़िता ने तुरंत अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी और खजराना थाना पुलिस से संपर्क किया. एडिशनल डीसीपी (जोन-2) अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, पुलिस ने पीड़ित छात्रा की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और साइबर अपराध की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है. साइबर सेल की टीम उन मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और डिजिटल ट्रांजेक्शन की बारीकी से जांच कर रही है, जहां पैसे ट्रांसफर किए गए थे. एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने आम जनता से अपील की है.

3 साल की बच्ची के चेहरे पर 55 टांके...इतना भयानक डॉग अटैक कि डॉक्टर्स भी रह गए दंग

मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के देलवाड़ी गांव में घर के बाहर खेल रही तीन साल की मासूम पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया. हमले में बच्ची का चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया और उसे 55 टांके लगाने पड़े.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। आवारा कुत्तों का बढ़ता आतंक अब छोटे बच्चों के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है. ताजा मामला मध्यप्रदेश में उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील के ग्राम देलवाड़ी से सामने आया है, जहां घर के बाहर खेल रही एक तीन वर्षीय मासूम बच्ची पर आवारा कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया. हमले में बच्ची का चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया. गंभीर हालत में परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए आगर मालवा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे.

पूरी तरह लहुलुहान हो चुकी थी बच्ची

जानकारी के अनुसार बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी, तभी एक आवारा कुत्ता उसके पास पहुंचा और उस पर झपट पड़ा. इससे पहले कि परिजन कुछ समझ पाते, कुत्ते ने बच्ची के चेहरे को कई जगह से नोंच डाला. बच्ची की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया. तब तक बच्ची का चेहरा लहूलुहान हो चुका था.

जिला अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने बच्ची का उपचार शुरू कर दिया. अस्पताल सूत्रों के मुताबिक बच्ची के चेहरे पर कई गहरे घाव थे और लगातार खून बह रहा था. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तीन डॉक्टरों की टीम ने मिलकर उसका उपचार किया. सर्जिकल प्रक्रिया के दौरान बच्ची के चेहरे पर करीब 55 टांके लगाने पड़े. प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इंदौर रेफर कर दिया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है. प्रतिदिन दो से तीन लोग डॉग अटैक का शिकार डॉक्टरों का कहना है कि चेहरे पर गंभीर चोट लगने के मामलों में समय पर उपचार बेहद महत्वपूर्ण होता है. यदि इलाज में देरी होती तो संक्रमण और अन्य जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता था. यह घटना क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को भी उजागर करती है. आगर मालवा जिला अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2026 से अब तक डॉग बाइट के 350 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं. यानी औसतन प्रतिदिन दो से तीन लोग कुत्तों के हमले का शिकार होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं. इनमें बच्चों की संख्या भी कम नहीं है. हाल ही में आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई थी और संबंधित एजेंसियों को प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया था. इसके बावजूद कई क्षेत्रों में स्थिति जस की तस बनी हुई है. फिलहाल मासूम बच्ची का इलाज जारी है, जबकि यह घटना स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार एजेंसियों के सामने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने की चुनौती को एक बार फिर सामने लेकर आई है.

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे एक्सीडेंट: एक बाइक, तीन दोस्त और मां के हाथ की पूड़ी-सब्जी... सड़क पर बिखरीं मिली तीनों की लाशें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। जिले के बिसंडा थाना क्षेत्र के कोरारी गांव निवासी तीन जिगरी दोस्त भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गए. संजय, रामबाबू और अरविंद सोमवार को अमावस्या के अवसर पर भगवान कामतानाथ के दर्शन और परिक्रमा करने बाइक से चित्रकूट धाम जा रहे थे. बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर उनकी बाइक एक अज्ञात गाड़ी से टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर बिखर गए. सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर तीनों को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मां ने बांधी थी पूड़ी-सब्जी, रास्ते में ही थम गईं सांसें परिजनों ने बताया कि संजय, रामबाबू और अरविंद बेहद पक्के दोस्त थे और दिनभर साथ ही रहते थे. इसी वजह से तीनों एक साथ बीते साल ली गई नई बाइक से चित्रकूट के लिए निकले थे. यात्रा पर जाते समय संजय की मां ने रास्ते के लिए पूड़ी-सब्जी भी बांधकर दी थी. बाइक को संजय चला रहा था, लेकिन लापरवाही के चलते तीनों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं लगा रखा था, जो अंततः उनके लिए काल बन गया. इस हादसे ने तीनों दोस्तों के हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ दिया है. मृतकों में शामिल रामबाबू तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था, जिसकी पिछले साल ही शादी हुई थी. घटना के बाद से उसकी पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं, संजय अविवाहित था और महाराष्ट्र में रहकर मजदूरी करता था. तीसरे दोस्त अरविंद के परिवार में उसकी पत्नी और तीन छोटे बच्चे हैं, जिनका भरण-पोषण खेती-किसानी से होता था.

बाइक नंबर से हुई शिनाख्त, पुलिस जांच में जुटी

डीएसपी सौरभ सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक बाइक पर सवार तीन लोग चित्रकूट की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को अपने कब्जे में लिया और क्षतिग्रस्त बाइक के नंबर के आधार पर परिजनों को इस दुखद घटना की सूचना दी. पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को ढांढस बंधाया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

लखनऊ मेट्रो का महाविस्तार, बनेंगे 10 नए कॉरिडोर, जानिए आपके इलाके तक कब पहुंचेगी मेट्रो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ । लखनऊ मेट्रो का महाविस्तार होने जा रहा है। मेट्रो के सेकंड फेज के लिए काम शुरू हो गया है। टेंडर होने के बाद जुलाई से निर्माण कार्य शुरू करने की योजना है। बताया जा रहा है कि लखनऊ में मेट्रो का नेटवर्क रेलवे से भी बड़ा हो जाएगा इसमें शहर के आसपास के इलाकों को भी कवर किया जाएगा। आगे के चरणों में पीजीआई, बख्शी का तालाब, बाराबंकी तक मेट्रो की सुविधा मिलेगी। इसके तहत 150 किमी का नया मेट्रो ट्रैक बिछाया जाएगा। दस नए कॉरिडोर बनेंगे।

मेट्रो कॉरिडोर के विस्तार के लिए मंजूरी

इसमें शहर में तकरीबन दस नए मेट्रो कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। इस रिपोर्ट को शासन को भेजी गई थी। सरकार ने मेट्रो कॉरिडोर के विस्तार के लिए मंजूरी भी दे दी है। अब मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की ओर से विस्तृत कार्ययोजना (डीपीआर) बनाई जा रही है। इस मामले निगरानी मुख्य सचिव के जरिये खुद मुख्यमंत्री कर रहे हैं।

35 से 40 लाख की आबादी को लाभ मिलेगा

सूत्र बताते हैं कि अयोध्या रोड पर बाराबंकी तक, सीतापुर रोड पर इटौंजा तक, कानपुर रोड पर उन्नाव तक, हरदोई रोड पर संडीला तक के अतिरिक्त इसका पीजीआई और मोहनलालगंज तक विस्तार किया जाएगा। एयरपोर्ट से मुंशी पुलिया वाली मेट्रो लाइन को आगे तक बढ़ाया जाएगा। अनुमान के मुताबिक मेट्रो विस्तार होने से लखनऊ की 35 से 40 लाख की आबादी को इसका लाभ मिलेगा।

आगरा में बीच सड़क बनी सईद शाह बाबा की मजार को हटाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित एमजी रोड पर सड़क के बीचों-बीच बनी विवादित मजार को हटा दिया गया। ये मजार लंबे समय से यातायात में बाधक बनी हुई थी जिसके चलते कई सड़क हादसे हो चुके थे। मंगलवार सुबह पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय के लोगों की सहमति के साथ इसे दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की बात कही है। हालांकि मजार को हटाने की लेकर लंबे समय से हिंदूवादी संगठन के लोग मांग कर रहे थे। एमजी रोड, आगरा कॉलेज के सामने हजरत रुस्तम सईद शाह बाबा की मजार बनी हुई थी। कई वर्ष पुरानी ये मजार सड़क के बीच में आ गई थी जो कि शहर के बढ़ते ट्रैफिक और भीड़ के दवाब के चलते परेशानी का कारण बन रही थी। मंगलवार सुबह एमजी रोड का ट्रैफिक दोनों साइड से रोका गया और बुलडोजर से चंद मिनटों में मजार को हटा दिया गया। एडिशनल डीसीपी हिमांशु गौरव का कहना है कि मजार को सामने वाली दरगाह में शिफ्ट कर दिया जाएगा। मजार को हटाने के लिए पहल करने वाले योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर ने पुलिस और प्रशासन से मांग की थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने जनवरी 2026 में कोर्ट में मजार हटाने के लिए वाद दाखिल किया था। अजय तोमर का कहना है कि मजार से यातायात प्रभावित होता था। कई हादसे में हो चुके थे। उन्होंने कहा कि मजार के सामने बनी दरगाह भी अतिक्रमित है। वह भी बाधा बनी हुई है। समाजसेवी और बीजेपी नेता केके भारद्वाज का कहना है कि एमजी रोड शहर की लाइफ लाइन कही जाती है। एमजी रोड पर सरकारी विभागों के साथ-साथ एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा कॉलेज, सेंट जोंस कॉलेज समेत कई प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान बने हैं। वाहनों और लोगों की भीड़ के कारण सडक़ पर अधिक ट्रैफिक रहता था, लेकिन मजार के चलते वाहनों को निकलने में मुश्किलें होती थी। इसके अलावा एमजी रोड़ पर इन दिनों ओवरहेड मेट्रो रेल का काम भी चल रहा है।

पिता की कम कमाई से चिढ़ा बेटा...बाइक रुकवाकर सीने में उतार दी गोलियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. यहां एक 22 वर्षीय युवक पर अपने ही पिता की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगा है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि परिवार में लंबे समय से आर्थिक विवाद चल रहा था और इसी को लेकर बेटे ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया. पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 48 साल के रामनरेश कोरी के रूप में हुई है, जो कलेक्ट्रेट कार्यालय में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे. सोमवार सुबह वह अपने बेटे राहुल के साथ मोटरसाइकिल से मंझनपुर स्थित काम पर जा रहे थे. रास्ते में बीपी पब्लिक स्कूल के पास पहुंचने पर राहुल ने अपने पिता से बाइक रोकने के लिए कहा. जैसे ही रामनरेश ने मोटरसाइकिल रोकी, आरोपी बेटे ने कथित तौर पर देशी तमंचा निकाल लिया और पिता के सीने में दो गोलियां दाग दीं. अचानक हुए इस हमले से रामनरेश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया. घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल रामनरेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया. हालत गंभीर होने पर उन्हें प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. पुलिस जांच में पारिवारिक विवाद हत्या की मुख्य वजह के रूप में सामने आया है. अधिकारियों के अनुसार, परिवार के कुछ सदस्यों का आरोप है कि रामनरेश अपने बच्चों की पढ़ाई और घर के खर्च के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं दे रहे थे. इसी बात को लेकर परिवार में तनाव बना हुआ था. जानकारी के अनुसार, रामनरेश मंझनपुर में अपने बड़े भाई राकेश के साथ रहते थे, जबकि उनकी पत्नी सुधा देवी, तीन बेटे राहुल, अरुण और अंकित तथा बेटी बित्तन देवी गांव नारा में अलग रहते थे. इसी पारिवारिक दूरी और आर्थिक विवाद ने धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लिया. मामले में मृतक के बड़े भाई राकेश की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. मंझनपुर क्षेत्राधिकारी शिवांक सिंह ने बताया कि आरोपी राहुल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन विशेष टीमें गठित की गई हैं. संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है. घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है.

दिल्ली में विरासत बचाने की पहल, संवरेंगे यमुना के 32 घाट; एलजी ने DDA को जारी किए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना के किनारे स्थित राजधानी के 32 ऐतिहासिक घाटों पर जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इन घाटों पर न गंदगी नजर आएगी और न ही बदबू की समस्या होगी। घाटों को इस तरह डिवेलप करने की योजना है कि लोग यहां सुबह-शाम सैर कर सकें और सूर्योदय व सूर्यास्त के सुंदर नजारों का लुत्फ उठा सकें। अगले 6 महीने के भीतर इन 32 घाटों के विकास का काम शुरू होने की उम्मीद है। एलजी वीके सक्सेना ने यमुना कायाकल्प परियोजना में तेजी लाने के लिए डीडीए को निर्देश दिए हैं। एलजी ने यमुना के दोबारा जिंदा करने और बाढ़ सुरक्षा से जुड़े काम का जायजा लिया। यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई बैठक में डीडीए ने यमुना बाढ़ क्षेत्र में चल रहे कामों की रिपोर्ट भी पेश की। अधिकारियों ने बताया कि करीब 1700 हेक्टेयर इलाके में नदी तट को सुधारने का काम किया गया है। इसके तहत लगभग 88,574 मीट्रिक टन मलबा और 4,998 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। इसके साथ ही करीब 1,425 एकड़ जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

यमुना किनारे 7 लाख से ज्यादा देसी पेड़ लगाए गए

डीडीए के अनुसार, यमुना किनारे 7 लाख से ज्यादा देसी पेड़ लगाए गए हैं। नदी इलाके से जुड़ी घास और वैटलैंड प्रजातियां लगाई गई हैं। यमुना कॉरिडोर में 35 वैटलैंड तैयार किए गए हैं। इससे ग्राउंड वॉटर रिचार्ज, जैव विविधता और बाढ़ नियंत्रण क्षमता मजबूत होने का दावा किया गया है। एलजी ने नदी किनारे बनाए गए प्रमुख इकोलॉजिकल स्थलों की भी जायजा लिया। बैठक में यमुना बाजार इलाके के 32 ऐतिहासिक घाटों के दोबारा जिंदा करने की योजना पर भी चर्चा हुई। एलजी ने इस काम को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके लिए इंटैक की ओर से स्टडी कराई गई है।

सावधान! हॉलिडे पैकेज के नाम पर लाखों की ठगी, लोगों को कुछ इस तरह बनाया जाता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नामी होटल ग्रुप के नाम पर लग्जरी वेकेशन पैकेज बेचे गए। पैसा लेने के बावजूद सर्विस नहीं दी गई। कंपनी का ऑफिस ही बंद कर दिया गया। मामले में 30 पीड़ित सामने आए हैं, जिनसे 45 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी हुई है। कई और पीड़ित होने की आशंका है, जिससे रकम करोड़ों में जा सकती है। पीड़ितों की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने ठगी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। दावा है कि कंपनी के खिलाफ दिल्ली-हरियाणा में पहले से केस दर्ज हैं। पीड़ितों ने शिकायत में बताया है कि कंपनी के प्रतिनिधियों ने कॉल कर आकर्षक वेकेशन पैकेज और फाइव स्टार होटल की सुविधाओं का वादा किया था। सके बाद द्वारका, रोहिणी और जनकपुरी स्थित होटलों में प्रेजेंटेशन प्रोग्राम के लिए बुलाया गया। कंपनी की ओर से आकर्षक ब्रॉशर, पैकेज और स्पेशल ऑफर दिखाए गए। भरोसा दिलाया गया कि कंपनी देश के नामी होटल ग्रुप से जुड़ी है और उन्हें प्रीमियम वेकेशन फैसिलिटी उपलब्ध कराई जाएंगी। पीड़ितों ने 55 हजार रुपये से लेकर 2.48 लाख रुपये तक की रकम ऑनलाइन ट्रांसफर या क्रेडिट कार्ड के जरिए दी। भुगतान के बाद जब पैकेज का लाभ लेने की कोशिश की तो कंपनी की तरफ से कॉल का जवाब नहीं दिया गया या फिर कम दर्जे के होटल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया। इस पर पैसा रिफंड मांगने पर कंपनी ने रुपये लौटाने का भरोसा दिया, लेकिन बाद में कंपनी की ओर से कॉल पिक करना बंद कर दिया गया। लाजपत नगर स्थित ऑफिस कुछ महीनों बाद बंद मिला। क्राइम ब्रांच की शुरुआती जांच में पेमेंट रिसिप्ट, मेंबरशिप दस्तावेज, पहचान पत्र और अन्य रिकॉर्ड लिए गए हैं।

महाराष्ट्रः ठाणे में गर्भवती महिला की हत्या, पति गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पत्नी की हत्या के आरोप में एक 39 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के अनुसार घरेलू विवाद के दौरान हुई मारपीट के बाद महिला की मौत हो गई थी. शुरुआती जांच में मामले को दुर्घटनावश मौत माना गया था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान मुबीन नियामद खान के रूप में हुई है. जबकि मृतक महिला उसकी पत्नी आयशाबानो थी. दोनों कल्याण शहर के हाजीमलंग रोड इलाके में रहते थे. पुलिस के मुताबिक पति-पत्नी के बीच विभिन्न घरेलू मुद्दों को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था. जानकारी के अनुसार 10 जून को भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था. आरोप है कि विवाद के दौरान मुबीन खान ने अपनी पत्नी के पेट पर लात मारी. घटना के बाद महिला की तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शिकायत के आधार पर सोमवार को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया. इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल मामले की जांच जारी है. पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के समय क्या परिस्थितियां थीं और क्या घरेलू विवाद के अलावा कोई अन्य कारण भी इस मामले से जुड़ा हुआ है.

उद्धव ठाकरे की बैठक से गायब संजय देशमुख दिल्ली में एकनाथ शंदे के मंत्री संग दिख

उद्धव ठाकरे ने अपने सभी शिवसेना BT सांसदों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में उनके कुल 9 सांसदों में से महज 4 ही पहुंचे थे। बाकी के 5 सांसद मीटिंग से गायब रहे।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। शिवसेना के 9 में से 5 लोकसभा सांसदों ने उद्धव ठाकरे के घर 'मातोश्री' पर बुलाई गई एकता की एक अहम बैठक में हिस्सा नहीं लिया, जिससे पार्टी में टूट की अटकलें तेज हो गई हैं। बैठक में शामिल न होने वाले सांसदों- संजय जाधव, संजय देशमुख, ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और नागेश पाटिल अष्टिकर हैं। इन सांसदों के कारण पार्टी में फिर से फूट पड़ने की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि BT खेमे ने तुरंत दावा किया कि ये सांसद बैठक में वर्चुअली (ऑनलाइन) शामिल हुए थे, लेकिन अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि ठाकरे सिर्फ अष्टिकर से ही सीधे बात कर पाए। वहीं बैठक में न शामिल होने वाले सांसद संजय देशमुख ने दिल्ली में गुपचुप एकनाथ शिंदे खेमे के मंत्री से मुलाकात की। जिससे अटकलें और तेज हो गईं। विपक्ष के नेतृत्व वाले 'ऑपरेशन टाइगर' की अफवाहों को खत्म करने के लिए उद्धव ठाकरे ने अब एक सख्त अल्टीमेटम जारी किया है।

उन्होंने अनुपस्थित पांच सांसदों को अगले दो दिनों के भीतर 'मातोश्री' पर आमने-सामने की जरूरी बैठक के लिए बुलाया है। दिल्ली में शिंदे खेमे में मिले उद्धव ठाकरे के सांसद संजय देशमुख इधर शिवसेना के यवतमाल-वाशिम से सांसद संजय देशमुख ने पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई सभी 9 लोकसभा सांसदों की बैठक में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा नहीं लिया था। इसके एक दिन बाद वह नई दिल्ली में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव से मुलाकात की। इस मुलाकात ने उन अटकलों को और तेज कर दिया है जो पिछले कुछ दिनों से चल रही थीं कि BT सेना के कई सांसद शिंदे सेना में शामिल हो सकते हैं। इन्हीं अटकलों के कारण उद्धव ठाकरे ने रविवार को सभी सांसदों को मातोश्री बुलाया था। मातोश्री में केवल 4 सांसद ही पहुंचे, जबकि पार्टी का दावा है कि देशमुख समेत बाकी 5 सांसदों ने ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया। जाधव ने कहा कि संजय देशमुख सोमवार को अपने इलाके के एक शिक्षण संस्थान से जुड़े निजी काम के सिलसिले में उनसे मिले थे (जाधव बुलढाणा से सांसद हैं और देशमुख पड़ोसी यवतमाल-वाशिम से)। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात का पार्टी बदलने या फूट से कोई लेना-देना नहीं था।मुंबई न पहुंच पानेवाले सांसद पहुंचे दिल्ली, उठे सवाल हालांकि, इस बात ने राजनीतिक हलकों में हैरानी पैदा कर दी कि संजय देशमुख, जो रविवार को मुंबई नहीं पहुंच पाए थे, उन्होंने ठीक अगले ही दिन नई दिल्ली में शिंदे सेना के मंत्री से मुलाकात की। वहीं, सेना सांसद संजय राउत ने दावा किया कि पार्टी के सभी 9 सांसद पार्टी के संपर्क में हैं और मजबूती से उद्धव ठाकरे के साथ हैं।

ऋतब्रत बनर्जी तो एकनाथ शिंदे से भी चार कदम आगे हैं, ममता के लिए कुछ भी नहीं छोड़ना चाहते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। ऋतब्रत बनर्जी और एकनाथ शिंदे की राजनीति में कई बातें कॉमन हैं. सबसे बड़ी बात है, दोनों की ताकत के सोर्स का कॉमन होना. महाराष्ट्र में बगावत की दूसरी कवायद चार साल बाद चल रही है. महाराष्ट्र के चर्चित 'ऑपरेशन टाइगर' के पीछे एकनाथ शिंदे के लोगों का ही हाथ बताया जा रहा है. यह नया टास्क है, अधूरे काम पूरे करने का. एकनाथ शिंदे ने भी स्थानीय निकायों पर उद्धव ठाकरे की जगह काबिज होने की कोशिश की थी. बीएमसी पर भी नजर थी, लेकिन मनमाफिक कामयाबी नहीं मिल पाई. लेकिन, ऋतब्रत बनर्जी पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस में हर लेवल पर कब्जा जमाना चाहते हैं. ऋतब्रत बनर्जी सब कुछ एक बार में ही हासिल कर लेना चाहते हैं, एकनाथ शिंदे की तरह आगे के लिए कुछ नहीं छोड़ना चाहते. फिलहाल, दिल्ली से खुद को थोड़ा अलग रखे हुए हैं, लेकिन विधानसभा के बाद नगर निगमों और जिला परिषदों पर काबिज होने की कोशिश चल रही है. कोलकाता पोर्ट से तृणमूल कांग्रेस विधायक और पूर्व मेयर फिरहाद हकीम ने भी विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी से

मुलाकात की है. ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि एक और विधायक उनकी टीम में शामिल हो गया है, और अब उनको 65 विधायकों का सपोर्ट हासिल हो चुका है. कोलकाता के पूर्व मेयर फिरहाद हकीम विधानसभा पहुंचे तो उनकी मुलाकात तृणमूल कांग्रेस विधायक कुणाल घोष से हुई. फिरहाद हकीम मुख्यमंत्री शुभेंदु बनर्जी की कोलकाता नगर निगम में हुई बैठक में शामिल होने के बाद विधानसभा पहुंचे थे. फिरहाद हकीम के साथ बागी गुट के संदीपन साहा भी थे. संदीपन साहा के साथ फिरहाद हकीम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी के केबिन में गए, जहां कई बागी विधायक पहले से मौजूद थे. मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए ऋतब्रत बनर्जी ने बताया, आज एक और विधायक ने हमारे समर्थन में हस्ताक्षर किए हैं. अब हमारी संख्या 65 हो गई है. स्पीकर को भी पत्र सौंप दिया गया है. विधायकों के साथ बैठक में फिरहाद हकीम की मौजूदगी का जिक्र करते हुए ऋतब्रत बनर्जी ने कहा, वह मेरे अभिभावक की तरह हैं. हालांकि, ऋतब्रत बनर्जी ने यह साफ नहीं किया कि जिस नए साथी ने बागी विधायकों के सपोर्ट में दस्तखत किया है, वह फिरहाद हकीम ही हैं, या कोई और? ऋतब्रत बनर्जी के मुताबिक, बागी विधायकों की तादाद 67-68 तक पहुंच सकती है. विधानसभा चुनाव तृणमूल कांग्रेस के कुल 80 विधायक चुनकर आए थे. ऋतब्रत बनर्जी ने सबसे पहले 58 विधायकों के समर्थन वाला पत्र स्पीकर रथिंद्र बोस को सौंपा था, जिसके बाद उनको विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिल गई थी. बाद में, बताते हैं, तीन अन्य विधायकों ने अलग अलग समर्थन पत्र दिए हैं. कुछ और विधायकों की ओर से भी ऐसे समर्थन पत्र सौंपे जाने का दावा किया जा रहा है. यह पूछे जाने पर कि क्या बागी गुट खुद को असली टीएमसी होने का दावा करेगा.

आज मेरा नहीं , कल मेरा वक्त जरूर आएगा, उद्धव ठाकरे ने सांसदों के बाद बुलाई विधायकों की बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पश्चिम बंगाल में ताकतवर नेता रहीं ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस टूटने और महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की आशंका के बीच उद्धव ठाकरे ने एक तरह चेतावनी के लहजे में अपने सांसदों से कहा है कि आज मेरा वक्त नहीं है, कल जरूर आएगा। तब तक हमें सहना पड़ेगा, संघर्ष करना पड़ेगा। सूत्रों के सूत्रों के मुताबिक रविवार को मातोश्री में हुई बैठक में उद्धव ने कहा कि जिन लोगों ने बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना छोड़ी है, उन्हें एक दिन पछतावा जरूर होगा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

मुझे इसकी भनक थीः उद्धव

वर्ष 2022 में विधायकों की टूट का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि पार्टी में बड़ी फूट पड़ी, 40 विधायक चले गए, मैं उस समय राज्य का मुख्यमंत्री था। जो बातें सभी को पता चल रही थीं, क्या मुझे पता नहीं थीं मुझे इसकी भनक थी। लेकिन मैंने किसी को रोकने या किसी पर दबाव

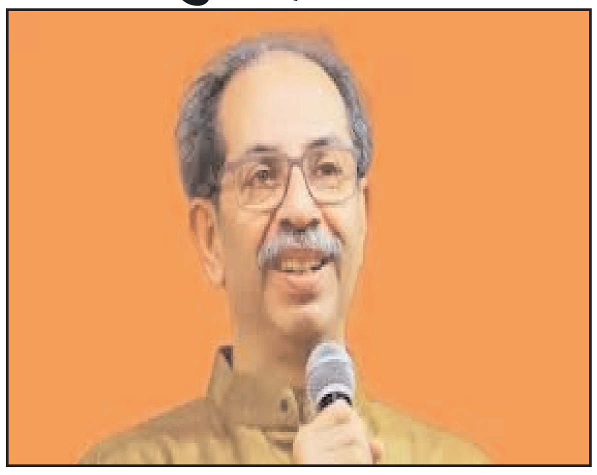

बनाने की कोशिश नहीं की। मैंने किसी पर दबाव नहीं डाला, किसी के खिलाफ फाइलें तैयार नहीं करवाई, जो जाना चाहता है,

22 को बुलाई विधायकों की बैठक

उद्धव ठाकरे ने सांसदों के बाद 22 जून को अपने विधायकों की बैठक बुलाई है। 22 जून से मुंबई में विधानमंडल का मॉनसून सत्र शुरू हो रहा है। उस समय सभी विधायक मुंबई में रहेंगे। उद्धव सेना के एक नेता ने बताया कि यह बैठक शिवालय में बुलाई गई है। उन्होंने इस बात से इंकार किया कि विधायकों के भी टूटने की आशंका है। विधानमंडल का मॉनसून सत्र तीन सप्ताह चलने वाले इस सत्र में सरकार द्वारा कई नए विधेयक तो कई संशोधन विधेयक पेश किए जाने की संभावना है। सत्र में जहां विपक्ष कानून-व्यवस्था, किसानों की कर्जमाफी, प्याज के दाम जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने का प्रयास करेगी वहीं सरकार मजबूती के साथ अपना पक्ष रखने की कोशिश करेगी।

आज तुम्हारे साथ हुआ यह इंटरव्यू मुझे हमेशा याद रहेगा, छोटी बच्ची के इंटरव्यू से मुख्यमंत्री हुए इम्प्रेस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/पनवेल। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रायगढ़ जिले के वहाल में पीएम श्री जिला परिषद स्कूल में स्कूल एडमिशन फेस्टिवल के लिए दौरा किया। डिजिटल लैब के उद्घाटन, छात्रों के साथ बातचीत और कई तरह की गतिविधियों में शामिल होने जैसे कार्यक्रमों के बीच, एक अप्रत्याशित और दिल को छू लेने वाला पल देखने को मिला। चौथी कक्षा की होनहार छात्रा यशश्री मिठू घुले ने सीधे मुख्यमंत्री का इंटरव्यू लेकर वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया।

किसने लिया मुख्यमंत्री का इंटरव्यू?

शिक्षिका साधना पाटिल के मार्गदर्शन में तैयार हुई यशश्री आत्मविश्वास के साथ मुख्यमंत्री के सामने खड़ी हुई। अपने हाथ में पकड़ी फाइल खोलते हुए उसने अपना पहला सवाल पूछाः सर, आपका नाम क्या है? इस मासूम सवाल से मुख्यमंत्री के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उन्होंने भी उतनी ही गर्मजोशी से जवाब दिया और बातचीत शुरू की। यशश्री ने मुख्यमंत्री से क्या पूछा? इसके बाद यशश्री ने उनके सामाजिक और राजनीतिक सफर के बारे में सवाल

पूछे। जब पूछा गया कि आपका सफर कैसे शुरू हुआ? तो मुख्यमंत्री ने बताया कि उनका सार्वजनिक जीवन छात्र आंदोलनों से शुरू हुआ। उन्होंने आसान शब्दों में बताया कि कैसे छात्रों की समस्याओं को सुलझाते हुए नेतृत्व का रास्ता खुला। यशश्री का अगला सवाल और भी गहरा थाः अपने काम में आपको किन बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा और आपने उनसे कैसे पार पाया? अपने जवाब में मुख्यमंत्री ने छात्रों का हौसला बढ़ाने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने और संघर्ष, ईमानदारी और जनसेवा के मूल्यों पर जोर दिया। यशश्री ने मुख्यमंत्री से आज के डिजिटल दौर के बारे में भी एक सवाल पूछाः आज के डिजिटल युग में आप शिक्षा के क्षेत्र में क्या बदलाव लाना चाहेंगे? मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस सवाल का जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि डिजिटल शिक्षा बहुत जरूरी है। आज मैंने इस स्कूल में एक शानदार डिजिटल लैब का उद्घाटन किया। इस डिजिटल युग में डिजिटल शिक्षा अहम है। इसने सीखने के नए रास्ते खोले हैं। जिससे हम दुनिया में कहीं से भी कुछ भी सीख सकते हैं। इस स्कूल के सभी लोगों को डिजिटल लैब जाना चाहिए और डिजिटल लर्निंग में शामिल होना चाहिए। इस बीच इंटरव्यू का समापन सबसे यादगार पल साबित हुआ। जब पूछा गया कि आपके जीवन का वह कौन सा अनुभव है जो आपको हमेशा प्रेरित करता है? मुख्यमंत्री मुस्कुराए और बोले कि मैंने अपनी जिंदगी में कई अनुभव किए हैं, लेकिन आज तुम्हारे साथ हुआ यह इंटरव्यू मुझे हमेशा याद रहेगा। उनके इस जवाब के बाद पूरा क्लासरूम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मुख्यमंत्री वहां मौजूद लोगों ने भी उसके आत्मविश्वास की बहुत सराहना की।

217 बिल्डिंग पर चला बुलडोजर, 237 संपत्तियां सील.... दिल्ली में MCD का सबसे बड़ा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नगर निगम ने सोमवार को शहर भर में अवैध निर्माण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत 14 प्रॉपर्टीज़ को गिराया और 25 प्रतिष्ठानों को सील किया. जबकि पिछले 10 दिनों में राजस्व विभाग द्वारा कुल 770 से ज़्यादा प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की गई. इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. मालवीय नगर अग्निकांड के बाद लगातार एक्शन ले रही सरकार अधिकारी ने बताया कि 3 जून को मालवीय नगर होटल में लगी आग की घटना के बाद से नगर निकाय ने अब तक इस कार्रवाई के तहत 217 प्रॉपर्टीज़ को गिराया है और 237 अन्य को सील किया है. इसी दौरान MCD ने अवैध निर्माण के लिए 330 कारण बताओ नोटिस, सीलिंग के लिए 151 कारण बताओ नोटिस और 91 विध्वंस आदेश जारी किए. राजस्व विभाग की दैनिक निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को 29 जगहों का निरीक्षण किया गया. जिससे 5 जून से 15 जून के बीच किए गए निरीक्षणों की कुल संख्या 773 हो गई. रिपोर्ट में कहा गया है कि निरीक्षण के बाद उत्तरी जिले में चार नोटिस जारी किए गए. नई दिल्ली जिले में संयुक्त निरीक्षण किया गया, जबकि दक्षिण-पश्चिम जिले में पाई गई अनियमितताओं की जानकारी आगे की कार्रवाई के लिए MCD के नजफगढ़ ज़ोन को दी गई. सोमवार को दक्षिण-पूर्व जिले में निरीक्षण की गई एक जगह अवैध निर्माण पाई गई और MCD को नियमों के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. दक्षिण जिले में भी फील्ड विज़िट की गई. रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दिन के निरीक्षण के बाद दक्षिण जिले में तीन नोटिस, उत्तर-पूर्व और उत्तरी जिलों में चार-चार नोटिस और मध्य व पश्चिमी जिलों में पांच-पांच नोटिस जारी किए गए.

लिंक पर क्लिक करते ही हैक हुआ फोन, उड़ गए 99,000; दिल्ली पुलिस ने झुंझुनू से दबोचे शातिर ठग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ओखला। इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस ने 'ऑपरेशन प्री सायहॉक' के तहत एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने तकनीकी विशेषज्ञता और अंतरराज्यीय समन्वय का प्रदर्शन करते हुए एक शातिर साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले को सुलझाया है। इस मामले में राजस्थान के झुंझुनू से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी साउथ-ईस्ट डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया, यह मामला ओखला फेज-1 निवासी अनूप हलधर की शिकायत के बाद सामने आया। पीड़ित को उनके मोबाइल पर एक अनजान लिंक मिला था। जैसे ही उन्होंने उस लिंक पर क्लिक किया, उनका फोन हैक हो गया। इसके तुरंत बाद उनके कोटक महिंद्रा बैंक खाते से यूपीआई/गूगल पे के जरिए 99,000 की राशि ट्रांसफर कर ली गई। पीड़ित ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर '1930' पर इसकी रिपोर्ट की। मामले की गंभीरता को देखते हुए ओखला इंडस्ट्रियल एरिया थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एसीपी सरिता विहार अनिल शर्मा के सुपरविजन में मामले की जांच शुरू हुई। पुलिस ने जब ठगी की रकम के डिजिटल रूट का पीछा किया, तो पता चला कि यह पैसा झुंझुनू, राजस्थान के एक बैंक खाते में गया है। पुलिस टीम ने तुरंत राजस्थान पहुंचकर मुख्य खाताधारक रजत को दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह एक 'म्यूल अकाउंट' (भाड़े का खाता) था, जिसे उसके दो अन्य साथियों–मितेश और मनोज कुमार के साथ मिलकर ठगी की रकम को इधर-उधर करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। वॉट्सऐप कॉल का सहारा ले रहे थे आरोपी आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए केवल वॉट्सऐप कॉल का उपयोग कर रहे थे और अपने मोबाइल फोन बंद रखते थे। इसके बावजूद, पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी और डिजिटल विश्लेषण की मदद से दोनों सह-आरोपियों को राजस्थान के नवलगढ़ में एक किराए के मकान से गिरफ्तार कर लिया।

सावधान! कहीं आपके नाम पर भी तो नहीं चल रहा ठगी का धंधा? दिल्ली पुलिस ने दबोचे 10 जालसाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। ईस्ट डिस्ट्रिक्ट की साइबर सेल ने देश भर में सक्रिय साइबर ठगों को फर्जी बैंक खाते (म्यूल अकाउंट) उपलब्ध कराने वाले शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के 10 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी विजय कुमार, प्रदीप कुमार, यतेंद्र कुमार, मुकेश, विनेश, गुरबाज सिंह, अमन, सूरज यादव, गौरव नाहर और लक्ष्मण हैं। ये दिल्ली, नोएडा और करनाल (हरियाणा) के रहने वाले हैं। आरोपियों के कब्जे से 11 पीओएस मशीनें, विभिन्न बैंकों की 27 चेक बुक, 17 एटीएम कार्ड और 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। डीसीपी ईस्ट राजीव कुमार ने बताया, यह गैंग देश के अलग-अलग राज्यों में बैठे साइबर अपराधियों को रुपयों के लेन-देन के लिए बैंक खाते और उनके क्रेडेंशियल्स सप्लाई करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मुख्य रूप से बेरोजगार, गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अपना शिकार बनाते थे। ये लोग पीड़ितों को नौकरी दिलाने का झांसा और पैसों का लालच देकर उनके नाम पर विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाते थे। खाता खुलने के बाद आरोपी उनके एटीएम कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड, चेक बुक और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर (सिम कार्ड) खुद अपने कब्जे में ले लेते थे। इसके बाद इन खातों को साइबर अपराधियों को बेच दिया जाता था, जो देश भर में ऑनलाइन ठगी की रकम मंगाने और उसे ठिकाने लगाने के लिए इसका इस्तेमाल करते थे। केरल की महिला से हुई ठगी के बाद खुला राज इस बड़े रैकेट का खुलासा तब हुआ जब केरल की रहने वाली जीजी शाइन से 2 लाख की साइबर ठगी की गई। जब पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की, तो ठगी की रकम यस बैंक के एक खाते में ट्रांसफर पाई गई। जब दिल्ली पुलिस की टीम ने इस खाते की लेन-देन की कड़ियों को जोड़ा और तकनीकी जांच शुरू की, नेटवर्क का भंडाफोड़ हो गया।

कन्नूर-जेद्दाह उड़ान में तकनीकी खराबी, हवा में यू-टर्न लेकर सुरक्षित लौटी

कन्नूर(एजेंसी)। मंगलवार को केरलम के कन्नूर से जेद्दाह जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण हवा में ही यू-टर्न लिया। विमान अपनी सुरक्षित वापसी के लिए कन्नूर हवाई अड्डे लौट आया, इसमें 180 से अधिक यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, यह घटना तब हुई, जब विमान सुबह 7-40 बजे कन्नूर से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के करीब दो घंटे बाद, पायलटों ने इंजन में खराबी की चेतावनी देने वाली लाइट देखी, इसके बाद उन्होंने एहतियातन तुरंत वापसी का फैसला किया। सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए, विमान ने ईंधन हल्का करने के लिए कुछ देर तक हवाई अड्डे के ऊपर चक्कर लगाए और फिर सकुशल उतरा। प्रारंभिक जांच के बाद पता चला कि विमान के ईंधन फिल्टर में कुछ खराबी थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, हमारी कन्नूर-जेद्दाह उड़ान के क्रू ने तकनीकी खराबी के बाद एहतियात के तौर पर वापस लौटने का फैसला किया। हम आगे की यात्रा के लिए दूसरे विमान का इंतज़ाम कर रहे हैं और यात्रियों को जलपान तथा होटल में ठहरने की सुविधा भी दी गई है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताकर कहा कि उनके संचालन के हर पहलू में सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यात्रियों को जल्द ही उनकी गंतव्य तक पहुँचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कोचिंग विवाद ने लिया सियासी रंग, खान की गिरफ्तारी और सीबीआई जांच की मांग

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में दो कोचिंग संस्थानों, खान सर और रौशन आनंद सर के बीच चल रहे विवाद ने सियासी रंग ले लिया है। ज्ञान बिंदु के मालिक रोशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध मौत के बाद यह मामला और पेचींदा हो गया है। जनशक्ति जनता दल सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देकर खान सर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। तेज प्रताप ने रौशन आनंद के प्रति संवेदना जताकर कहा कि भाई मरेगा तब कोई भी रोएगा ही, और जोर देकर कहा कि खान को जेल होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से भी बिहार सरकार को घेरने का आह्वान किया है।

उल्लेखनीय है कि रौशन आनंद, जो हाल ही में खान सर के एक कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़ के मामले में जमानत पर रिहा हुए हैं, ने खान ग्लोबल कोचिंग इंस्टीट्यूट के निदेशक फैसल खान उर्फ खान सर पर अपने भाई प्रिंस यादव की हत्या करवाने का गंभीर आरोप लगाया। प्रिंस यादव की हाल ही में नेपाल के विराटनगर में मौत हो गई थी। इस दुखद घटना पर जनता दल (यूनाइटेड) के बड़े नेता संजय झा ने संवेदना व्यक्त कर कहा कि बिहार सरकार मामले की गहन जांच कर दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अगर किसी ने गलत किया है, वह बचेगा नहीं।

जनगणना के कारण चार राज्यों में समय से पहले हो सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा जैसे चार महत्वपूर्ण राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनाव तय समय से पहले करने की संभावना पर काम कर रही है। ये चुनाव आमतौर पर फरवरी-मार्च 2027 में होने हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया के साथ संभावित टकराव और हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते इन्हें पहले करने की तैयारी है। मणिपुर को हालांकि जातीय तनाव के कारण योजना से बाहर किया गया है।

समय से पहले चुनाव करने का मुख्य कारण जनगणना है, जो फरवरी-मार्च 2027 में ही प्रस्तावित है। जनगणना और चुनाव दोनों प्रक्रियाओं में अधिकांशतः शिक्षक और सरकारी कर्मचारी शामिल होते हैं, जिससे लोगों की कमी हो सकती है। एक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी ने बताया कि इस संभावना को देखकर संबंधित राज्यों से चर्चा हुई है। उत्तराखंड भाजपा दिसंबर में ही चुनाव कराने की पक्षधर है, ताकि कर्मचारियों पर दोहरा बोझ न पड़े और जनगणना कार्य के लिए उन्हें पर्याप्त समय मिल सके।

पेपर लीक रोकने के लिए 22 जून तक नहीं चलेगा टेलीग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी परीक्षा 2026 को लीक प्रूफ बनाने के लिए केंद्र सरकार फूंक-फूंककर कदम रख रही है। इसके लिए सरकार ने 22 जून तक के लिए टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। इस कदम का राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने स्वागत करते हुए इसे परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है। जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम के संचालन को 22 जून 2026 तक अस्थायी रूप से निलंबित करने को कहा है। यह निर्णय 21 जून को होने वाली नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले किसी भी प्रकार की अफवाह, पेपर लीक या अनधिकृत जानकारी के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि यह कदम परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा। वहीं, एनटीए ने भी इस फैसले को छात्रों के हित में बताया है और कहा है कि इससे परीक्षा का संचालन अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से किया जा सकेगा।

लखनऊ में फर्जी आईपीएस धराया, 40 रुपये के विवाद में खुली पोल

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया गया है, जिसने खुद को फर्जी आईपीएस अधिकारी बताकर पुलिसवालों को ही सैल्यूट मारने का दबाव बनाया। महानगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम 40 रुपये के बन को लेकर शुरू हुए विवाद ने उसकी पोल खोल दी और उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। सोमवार देर शाम महानगर के गोल मार्केट चौराहे पर पुलिस चेकिंग के दौरान एक दुकानदार ने सूचना दी कि खुद को आईपीएस बताने वाला व्यक्ति 40 रुपये के बन के पैसे दिए बिना जाने लगा है और धौंस जमा रहा है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तो आरोपी युवक पुलिसकर्मियों पर भड़क उठा। उसने खुद को बड़ा अधिकारी बताते हुए उन पर सैल्यूट करने का दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआत में पुलिस थोड़ी झिझकी, लेकिन युवक के हाव-भाव से शक गहराया। आईडी कार्ड मांगने पर जालसाज का गुस्सा बढ़ गया, उसने पुलिसवालों के नाम-पते पूछकर उन्हें सस्पेंड कराने की धमकी दी। पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने लाई, तो पूछताछ में उसकी सारी हेकड़ी निकल गई।

कांग्रेस की घर वापसी मुहिम: वेणुगोपाल और गहलोत ने दिए पुराने साथियों को लौटने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में कांग्रेस पार्टी से अलग हुए धड़ों की संभावित वापसी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं जारी हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी और शरद पवार की एनसीपी जैसी पार्टियों के कांग्रेस में विलय की अटकलों के बीच, कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अपने पुराने सदस्यों और समान विचारधारा वाले दलों को घर वापसी का निमंत्रण दे दिया है। यह पहल विपक्षी एकता को मजबूत करने और आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ एक सशक्त मोर्चा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने हाल ही में स्पष्ट किया कि जो भी कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखता है, उसका पार्टी में स्वागत है। उन्होंने कहा कि इसतरह के विलय और घर वापसी से भाजपा की फासीवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई और मजबूत होगी। वेणुगोपाल ने कहा कि जो भी पार्टियां कांग्रेस में शामिल होना चाहती हैं, वे उनसे संपर्क कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि एआईसीसी के पास फिलहाल विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और ये सभी बातें मीडिया की अटकलें मात्र हैं।

बात दें कि वेणुगोपाल से पहले, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इसतरह की बात कही थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत के सुझाव का समर्थन किया था, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस से अलग हुए क्षेत्रीय दलों को वापस कांग्रेस में शामिल होना चाहिए। पूर्व सीएम गहलोत ने जोर दिया था कि देश में लोकतंत्र खतरे में है और विपक्षी एकता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस से अलग हुई पार्टियां वापस आती हैं और राहुल गांधी को पूरे दिल से अपना नेता स्वीकार करती हैं, तब इससे देश भर में मतदान का पैटर्न पूरी तरह बदल सकता है। गहलोत का मानना है कि जनता अब नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी का सीधा मुकाबला देखना चाहती है, और यदि विपक्ष इस मोर्चे पर एकजुट होकर राहुल गांधी के पीछे खड़ा होता है, तब आगामी चुनावों की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।

ओमान में अमेरिकी हमले के बाद 20 भारतीय नाविक सुरक्षित घर लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के बंदरगाह के पास अमेरिकी हमले का शिकार हुए एमटी जलवीर के भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्य अब सुरक्षित अपने घर लौट चुके हैं। मस्कट स्थित भारतीय मिशन ने इसकी सुखद जानकारी दी। जहाज पर हमले के बाद इन नाविकों को ओमानी प्राधिकारियों के सहयोग से सुरक्षित तट पर पहुंचाया गया था। भारत वापसी से पहले, ओमान में भारत के राजदूत प्रशांत पिसे ने एमटी जलवीर के चालक दल के सभी सदस्यों से मुलाकात कर उनके सुरक्षित घर पहुंचने की कामना की। भारतीय दूतावास ने पूरी प्रक्रिया में संकट में फंसे भारतीय नागरिकों को त्वरित मदद और सहयोग सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। बचाव कार्य में शामिल ओमानी अधिकारियों और भारतीय मिशन की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना कर बचाए गए नाविकों ने दिल से आभार व्यक्त किया। भारतीय दूतावास ने घटना के बाद राहत और बचाव अभियान में शामिल सभी एजेंसियों के प्रति भी आभार जताया है। दूतावास द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई वीडियो क्लिप में चालक दल के सदस्य अपनी सुरक्षित वापसी पर खुशी और राहत व्यक्त करते दिखे। एमटी जलवीर के कैप्टन सुबोध ने बताया कि उनका रेस्क्यू ओमानी नेवी ने किया था और इस दौरान भारतीय दूतावास व शिपिंग कंपनी लगातार उनके संपर्क में रहे। ग्यारह जून को हुई घटना के बाद, 11 से 14 जून तक सभी 20 क्रू सदस्यों को एक होटल में सुरक्षित रखा गया था। पोत के सेकेंड ऑफिसर नाजिम ने भी दूतावास, ओमान सरकार और उनकी कंपनी द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद जाहिर किया। उन्होंने कहा कि आम लोगों की दुआओं और सबके साथ की वजह से ही वे अपने परिजनों से मिल पा रहे हैं। संकट की स्थिति में मिली सहायता ने उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई और उन्होंने समन्वित कार्रवाई की सराहना की। यह घटना ओमान के तट के पास पिछले चार दिनों में अमेरिकी सेना द्वारा भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों की तीसरी कड़ी थी। आठ जून को अमेरिकी बलों ने पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स को निष्क्रिय किया था, जिस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था।

सोरेन सरकार का फैसला, अब जंगली जानवर के हमले में मौत पर मिलेंगे 10 लाख

-मामूली घायल होने पर 35,000, स्थायी विकलांगता पर 3.5 लाख मिलेगा मुआवजा

रांची (एजेंसी)। झारखंड सरकार ने जंगली जानवरों के हमले से मौत होने पर मुआवजे की राशि चार लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने को मंजूरी दे दी। यह फैसला सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। कैबिनेट सचिवालय की अतिरिक्त मुख्य सचिव वंदना डडेल ने बताया कि कैबिनेट ने जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान के लिए राज्य की मुआवजा नीति में बदलाव को मंजूरी दे दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि संशोधित नियमों के तहत, जंगली जानवरों के हमलों के कारण गंभीर रूप से घायल होने पर मिलने वाले मुआवजे को मौजूदा 1.5 लाख रुपए से बढ़ाकर दो लाख रुपए कर दिया है। वहीं, मामूली रूप से घायल होने पर मुआवजे की राशि को 25,000 से बढ़ाकर 35,000 रुपए कर दी है। इसके साथ ही हमले के कारण होने वाली स्थायी विकलांगता के मामले में मुआवजे की राशि को 3.25 लाख रुपए से बढ़ाकर 3.5 लाख रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मुआवजे का समय पर वितरण करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया को भी मंजूरी दे दी है।

वंदना डडेल ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत, मुखिया द्वारा प्रमाणन किए जाने पर मृतक के परिवार को एक लाख रुपए की तत्काल राहत राशि मिलेगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र जमा करने पर शेष नौ लाख रुपए जारी किए जाएंगे। इसके अलावा वन विभाग के अधिकारियों के लिए सूचना मिलने के छह घंटे के अंदर घटना स्थल का दौरा करना अनिवार्य किया गया है। अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही मुआवजे की पूरी राशि का भुगतान तीन दिन के अंदर करना होगा।

महानगर मेट्रो रिपोर्ट का तेज़ असर

सोया हुआ प्रशासन दौड़ा-दौड़ा आया, माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की टीम ने माही नदी के किनारे चल रहे मिनरल माफिया पर धावा बोला

आनंद कलेक्टर के सीधे निर्देश पर गंभीरा, अंकलाव में मेगा ऑपरेशन: मिनरल चोर 53 लाख का कीमती सामान चुराते पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। महानगर मेट्रो अखबार ने गुजरात में चोरी-छिपे प्राकृतिक संसाधनों की चोरी कर रहे मिनरल माफिया के खिलाफ लगातार आवाज उठाई थी। इस सटीक और तेज़ रिपोर्ट के बाद, सोया हुआ प्रशासन आखिरकार जाग गया है और एक्शन मोड में आ गया है। आणंद डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर प्रवीण चौधरी के सख्त निर्देशों और सीधे गाइडेंस में, माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट ने माही नदी के किनारे चल रहे गैर-कानूनी रेत माइनिंग के काले धंधे पर सर्जिकल स्ट्राइक की है। अंकलाव तालुका के गंभीरा और बामनगाम इलाकों में सुबह-सुबह हुई इस रेड में लाखों रुपये की मशीनरी जब्त की गई है और मिनरल माफिया की कमर तोड़ दी गई है।

सुबह-सुबह वहिवटदार का सरप्राइज़ ऑपरेशन

काफ़ी समय से माही नदी के किनारे गैर-कानूनी तरीके से सादी रेत निकाली जा रही थी, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा था। 'महानगर मेट्रो' में रिपोर्ट छपते ही आनंद के असिस्टेंट जियोलॉजिस्ट की इन्वेस्टिगेशन टीम एक्शन में आ गई। सुबह-सुबह जब माफिया नदी के तल से रेत निकालने में बिज़ी था, तभी एडमिनिस्ट्रेशन की एक सोची-समझी टीम ने गंभीरा-बामंगम के किनारे सरप्राइज़ रेड मारी। एडमिनिस्ट्रेशन के अचानक हमले से मौके पर भगदड़ मच गई। इस रेड के दौरान, अधिकारियों को इस बात के पक्के सबूत मिले कि नदी के तल से गैर-कानूनी तरीके से सादी रेत निकाली जा रही थी। बिना कोई ढिलाई दिखाए, एडमिनिस्ट्रेशन ने मौके से कुल 53 लाख रुपये ज़ब्त किए हैं, जिसमें शामिल हैं: 01 स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट एक्सकेवेटर मशीन, 02 बड़ी नावें। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त केस दर्ज किए गए हैं और नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की गई है।

यह तो बस शुरुआत है, आने वाले दिनों में और भी खतरनाक कार्रवाई की जाएगी!

इस बड़े ऑपरेशन के बाद, आनंद जिला प्रशासन और माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट ने गरजते हुए कहा है कि किसी भी हालत में प्राकृतिक संसाधनों की चोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आने वाले दिनों में सघन चेकिंग और तेज की जाएगी और मिनरल चोरी के आकाओं पर कानून का चाबुक चलाया जाएगा। 'महानगर मेट्रो' रिपोर्ट के इसी डर से पूरे जिले के लैंड माफिया अब अंडरग्राउंड हो गए हैं।

संघ पर कांग्रेस का हमला, महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही आरोप लगाने की परंपरा

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रियांक खरगे को दिखाया आइना

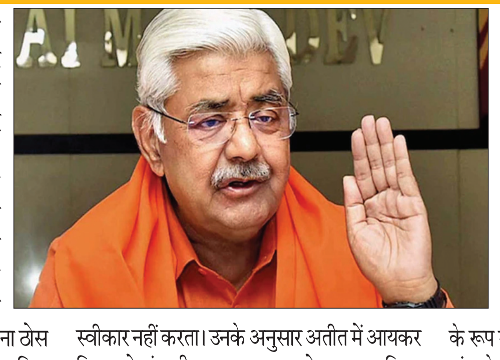

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे द्वारा लिखे गए खुले पत्र पर विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि संघ पर आरोप लगाने से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि ऐसा कौन-सा कानून है जो सभी सामाजिक और वैचारिक संगठनों के लिए अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना ठोस तथ्यों के संघ को निशाना बनाकर उसकी छवि धूमिल करने का प्रयास हो रहा है।

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने संघ की आय और कर व्यवस्था को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस की प्रमुख आय 'गुरु दक्षिणा' से प्राप्त होती है और संगठन अपने कार्यों के लिए बाहरी स्रोतों से धन स्वीकार नहीं करता। उनके अनुसार अतीत में आयकर विभाग ने संघ की आय पर कर लगाने का प्रयास किया था, लेकिन न्यायालयों ने साफ किया कि गुरु दक्षिणा से प्राप्त राशि आयकर के दायरे में नहीं आती। उन्होंने कहा कि विषय पर न्यायपालिका पहले ही अपना रुख स्पष्ट साफ कर चुकी। वीएचपी अध्यक्ष कुमार ने कांग्रेस पर हमला कर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही संघ के खिलाफ आरोप लगाने की परंपरा जारी है। उनका कहना था कि कांग्रेस वर्षों से संघ को बदनाम करने की राजनीति करती रही है और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे की टिप्पणी भी उसी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। उन्होंने इस बयान को राजनीतिक लाभ के लिए किया गया प्रयास बताया।

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देकर कुमार ने कहा कि आरएसएस हमेशा तिरंगे का सम्मान करता है और उस देश के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार करता है। उन्होंने खारिज किया कि संघ के पास स्वयंसेवकों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। उनके अनुसार आरएसएस में नियमित अंतराल पर चुनाव होते हैं और इसके लिए सदस्यों तथा स्वयंसेवकों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाता है। उन्होंने कहा कि संघ एक अनुशासित और संगठित संस्था है तथा उसके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा को लेकर खड़े किए सवाल

-इतनी सुरक्षा व्यवस्था से छात्रों को परेशानी होगी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी से अलग होने के कुछ ही दिनों बाद तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई ने केंद्र की नीट री-टेस्ट व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा के लिए किए गए कड़े सुरक्षा इंतजामों पर चिंता जताकर कहा कि इससे पहले से मानसिक दबाव झेल रहे छात्रों की परेशानियां और बढ़ेगी।

अन्नामलाई ने पोस्ट के जरिए परीक्षा से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा सामग्री के परिवहन के लिए भारतीय वायुसेना की एयरलिफ्ट सुविधा, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ की दोहरी सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी, चार स्तरों वाली सीसीटीवी व्यवस्था, बायोमैट्रिक और फेसियल रिकॉग्निशन सत्यापन तथा कई चरणों की तलाशी जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री कार्यालय की निगरानी बताने की चर्चा है।

पूर्व भाजपा नेता ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि इतनी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था किसी संवेदनशील सैन्य परियोजना या गोपनीय रक्षा सॉफ्टवेयर के लिए नहीं, बल्कि एक प्रवेश परीक्षा के लिए हो रही है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि मोदी सरकार का उद्देश्य पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकना है, लेकिन उनका मानना है कि अत्यधिक सुरक्षा उपाय छात्रों में तनाव और घबराहट बढ़ा सकती हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों पर लंबी जांच प्रक्रिया और परीक्षा अवधि को 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट करने पर सवाल उठाए। उनके अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने महीनों की तैयारी के बाद पहले ही एक बार परीक्षा दी है और अब फिर परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, उनके लिए यह स्थिति मानसिक रूप से और अधिक चुनौतीपूर्ण बन सकती है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी समस्याओं का समाधान जरूरी है, लेकिन अपनाया गया तरीका कहीं नई समस्याओं को जन्म न दे दे, इस पर भी विचार होना चाहिए। गौरतलब है कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में करीब 22.8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के आरोपों और विवादों के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी, जिसके चलते अब 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा कराई जा रही है।

अल-नीनो ने बढ़ाई चिंताएं, देश भर में मॉनसून की रफ्तार पर पड़ेगा असर

-वैज्ञानिकों ने सुपर अल नीनो दिया नाम, साल के अंत तक रहेगा इसका असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में अल-नीनो के हालात पैदा होने से भारत की चिंताएं बढ़ गई हैं। देशभर में मॉनसून की रफ्तार पर इसका गहरा असर पड़ा है। यही नहीं अल नीनो का प्रकोप मॉनसून के बाद भी जारी रहने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के डायरेक्टर जनरल डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने एक बयान में बताया है कि सितंबर के अंत तक अल-नीनो की स्थिति और ज्यादा गंभीर हो सकती है। उन्होंने लोगों से कहा कि हालात से लड़ने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है और डरने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने भी ऐसी ही अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इस दौरान प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। इसकी वजह से मॉनसून प्रभावित होता है और भारत में कम बारिश होने की वजह से सूखे जैसे हालात बन सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा समय में प्रशांत महासागर न्यूट्रल फेज से निकलकर अल नीनो में पूरी तरह प्रवेश कर रहा है। मौसम वैज्ञानिक इस साल इसे सुपर अल नीनो का नाम भी दे रहे हैं और इसका असर साल के अंत तक देखने को मिल सकता है।

महापात्र ने बताया कि जुलाई, अगस्त और सितंबर की शुरुआत में अल-नीनो का कम असर दिखेगा। इसके बाद सितंबर के अंत तक इसके ज्यादा मजबूत होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिमी इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। वहीं गुजरात, राजस्थान से लेकर ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के वे इलाके जहां सिंचाई की सुविधाएं कम हैं, वहां बारिश कम होने की वजह से फसलों पर ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि हमें बहुत ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए।

इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस साल देश के प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर सामान्य से काफी बेहतर है। यह खरीफ की फसलों के लिए बूस्टर साबित होगा। इससे पहले सरकार ने किसानों और खेती-बाड़ी सेक्टर को अल नीनो के असर से बचाने के लिए पहले ही एक्शन प्लान शुरू कर दिए हैं। केंद्र ने उन राज्यों और जिलों में खास निगरानी का निर्देश दिया है जहां कम बारिश होने की संभावना है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अल-नीनो के कारण ग्रामीण इलाकों में सूखा जैसी स्थिति बनती है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और पड़ेगा। ऐतिहासिक रूप से, भारत में सूखे या खराब मॉनसून का सीधा संबंध अल नीनो से रहा है। शुरुआती पूर्वानुमानों के मुताबिक इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बारिश कम होने से धान, दालें, मक्का और मूंगफली जैसी खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा देश के कई हिस्सों में हीट वेव का असर देखने को मिल सकता है।

गुजरात की नई औद्योगिक नीति का ऐलान, 10 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने विकसित गुजरात औद्योगिक नीति-2026 का अनावरण किया

गांधीनगर ।

गुजरात सरकार ने अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ अपनी नई औद्योगिक नीति 'विकसित गुजरात औद्योगिक नीति-2026' की घोषणा की है। यह नीति आगामी पांच वर्षों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन्नत विनिर्माण, नवाचार और स्टार्टअप के लिए एक मजबूत एवं सहयोगी ढांचा विकसित करना है। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों को आकर्षित करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए 15 से 50 फीसदी तक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में इस नीति का अनावरण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव एम. के. दास सहित अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। यह दूरगामी नीति वर्ष 2047 तक गुजरात को 3.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में राज्य की प्रगति को गति देने और उन्नत विनिर्माण व नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है।

मई में भारत का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर, व्यापार घाटा बरकरार

पेट्रोलियम और इंजीनियरिंग उत्पादों ने दी रफ्तार; आयात में भी तेज वृद्धि दर्ज

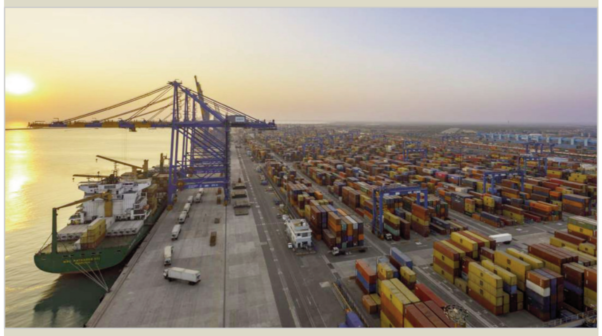

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मई माह में भारत के व्यापारिक वस्तु निर्यात ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की है। यह 45.20 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, इस दौरान आयात में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई, जिससे देश का व्यापार घाटा ऊंचा बना रहा। आंकड़ों के मुताबिक पेट्रोलियम उत्पादों और इंजीनियरिंग वस्तुओं के मजबूत प्रदर्शन ने निर्यात वृद्धि में अहम योगदान दिया। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 55 प्रतिशत बढ़कर 8.42 अरब डॉलर हो गया, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात लगभग 25 प्रतिशत बढ़कर 12.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य अ धिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया को होने वाला निर्यात मई में 5.30 अरब डॉलर रहा, जो लगभग मई 2025 के स्तर पर लौट आया है। यह शिपिंग मंत्रालय और निर्यात संवर्धन एजेंसियों के प्रयासों से संभव हुआ, जिन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के दौरान वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की। दूसरी ओर, देश का आयात भी लगभग 21 प्रतिशत बढ़कर 73.41 अरब डॉलर के पिछले सात महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मासिक आयात बिल है, जो पिछले वर्ष अक्टूबर के 76.73 अरब डॉलर के रिकॉर्ड से कुछ कम है। इसके परिणामस्वरूप, मई में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल के 28.38 अरब डॉलर से थोड़ा कम है लेकिन पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। सेवा क्षेत्र की बात करें तो मई में सेवाओं का निर्यात अनुमानित रूप से 13 प्रतिशत बढ़कर 36.76 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 14 प्रतिशत बढ़कर 19.06 अरब डॉलर हो गया। इससे सेवाओं के व्यापार में भारत को मई में लगभग 17.70 अरब डॉलर का अधिशेष मिला, जो एक सकारात्मक संकेत है। राजेश अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि अगर अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद पश्चिम एशिया में स्थिति सामान्य रहती है, तो जून में निर्यात और बेहतर रहने की संभावना है।

क्रेडिट स्कोर के आधार पर महंगा हुआ कर्ज, उपभोक्ताओं पर बढ़ा बैंक ब्याज का बोझ

नई दिल्ली।

बैंकों द्वारा ऋण में क्रेडिट स्कोर को अधिक महत्व दिए जाने के बाद कई उपभोक्ताओं को कर्ज लेना महंगा हो गया है। वित्तीय क्षेत्र से जुड़े जानकारों के अनुसार अब अधिकांश बैंक और वित्तीय संस्थान उधारकर्ताओं के क्रेडिट स्कोर के आधार पर ब्याज की वसूली करेंगे। रिजर्व बैंक के नए आदेश से जोखिम प्रोफाइल के आधार पर बैंक ब्याज दरें तय कर रहे हैं। बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों को अपेक्षाकृत कम ब्याज दर होगी। जबकि कम स्कोर वाले ग्राहकों से 2 से 2.5 प्रतिशत तक अधिक ब्याज बैंकों द्वारा वसूल किया जाएगा । विशेषज्ञों का कहना है, जोखिम आधारित कर्ज निर्धारण कर पुराने कर्ज पर उपभोक्ताओं से ज्यादा रेट पर ब्याज की वसूली की जाएगी। उपभोक्ता संगठनों का तर्क है, इससे मध्यम वर्ग और पहली बार ऋण लेने वाले लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी का तरीका नहीं है। जिसके

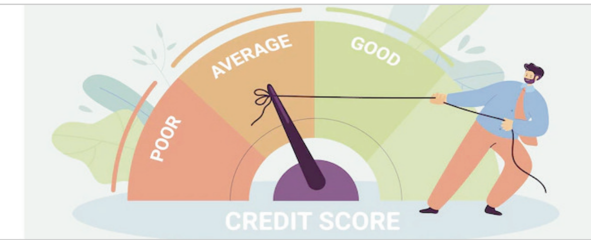

कारण रेटिंग खराब होती है। कम क्रेडिट स्कोर वाले लोगों की मासिक ईएमआई में बड़ी वृद्धि हो सकती है। गरीब और मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर इसका असर पड़ेगा। जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है। आमदनी घट रही है ऐसे समय पर रिजर्व बैंक ने गरीब और मध्यम वर्ग पर ब्याज का अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। जिससे लोगों में नाराजी फैल रही है।

सरकार जीआईसी में 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली ।

सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) में अपनी पांच प्रतिशत तक हिस्सेदारी 352 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचेगी।

मंगलवार से शुरू हुई इस दो दिवसीय बिक्री पेशकश (ओएफएस) से सरकारी खजाने को लगभग 3,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के एक अ धिकारी ने बताया कि संस्थागत निवेशक मंगलवार को और खुदरा निवेशक बुधवार को बोली लगा सकेंगे।

सरकार प्रारंभिक दो प्रतिशत इक्विटी के साथ, ग्रीन शू विकल्प के तहत अतिरिक्त तीन प्रतिशत हिस्सेदारी भी बेचेगी। यह न्यूनतम कीमत सोमवार के बंद भाव (388.35 रुपये) से 9.36 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष में सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हिस्सेदारी बेचकर अब तक 13,389 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

टीसीएस पहली तिमाही में सात करोड़ डॉलर का अतिरिक्त प्रावधान करेगी

कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज करेगी एकमुश्त असाधारण खर्च

नई दिल्ली ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को एक बड़े कानूनी झटके के बाद वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अतिरिक्त सात करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रावधान करना होगा। यह फैसला अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन (अब डीएक्ससी टेक्नोलॉजी का हिस्सा) के साथ व्यापारिक रहस्यों से जुड़े कानूनी विवाद में निचली अदालत के फैसले की समीक्षा से इनकार करने के बाद आया है। टीसीएस ने मंगलवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि उसने इस मामले के लिए पहले ही 15 करोड़ डॉलर का प्रावधान किया हुआ था।

अब कंपनी हर्जाना, ब्याज और कानूनी लागत के रूप में सात करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त राशि का प्रावधान करेगी। यह एक बार का असाधारण खर्च वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज किया जाएगा।

दरअसल, अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने 15 जून 2026 को इस मामले में यूनाइटेड स्टेट्स कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट के निर्णय की समीक्षा के लिए टीसीएस की याचिका को खारिज कर दिया है। इससे पहले, यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट ने 19.42 करोड़ डॉलर के हर्जाने के आदेश को बरकरार रखते हुए कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन/डीएक्ससी टेक्नोलॉजी के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह मामला व्यापारिक रहस्यों के उल्लंघन से संबंधित है, जिसका खुलासा टीसीएस ने जून 2024 और नवंबर 2025 में शेयर बाजार को की गई सूचनाओं में किया था।

कच्चे तेल में गिरावट से सरकारी तेल कंपनियों को बंपर फायदा

ब्रेंट के 65 डॉलर तक फिसलने का अनुमान

मुंबई।

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट से देश की सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को बड़ा फायदा मिल रहा है।

पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि के साथ कच्चे तेल के नरम पड़ने से कंपनियों की कमाई में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। अप्रैल की शुरुआत में ब्रेंट क्रूड 125 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर था, जो अब घटकर करीब 83 डॉलर प्रति बैरल रह गया है। इस नरमी से तेल कंपनियों पर दबाव कम हुआ है और वे ऑटो फ्यूल कारोबार में सामान्य मुनाफे के करीब पहुंच चुकी हैं। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और पिछले एक महीने में ओएमसी शेयरों में अच्छी तेजी भी देखी गई है।

एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार ओएमसी के लिए हालात बेहतर दिख रहे हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि अगले कुछ महीनों में ब्रेंट क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे जा सकता है, जिससे कंपनियां पेट्रोल और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा का मुनाफा कमा सकती हैं। एलपीजी कारोबार में हालांकि दबाव बरकरार है, पर हालिया मूल्य वृद्धि से कुछ राहत मिली है। एंटीक ने एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए एचपीसीएल को अपनी पहली पसंद बताया है। बढ़ती वैश्विक आपूर्ति और धीमी मांग के चलते अगले 6-9 महीनों में ब्रेंट क्रूड 65-70 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकता है, जो ओएमसी के लिए सकारात्मक खबर है।

आरबीआई का फरमान, वित्तीय उत्पादों की धोखाधड़ी वाली बिक्री पर लगेगी लगाम

सख्त नियम जारी, 1 जनवरी 2027 से होंगे लागू, डिजिटल मार्केटिंग भी दायरे में

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं की भ्रामक बिक्री (मिस-सेलिंग) और आक्रामक बिक्री प्रथाओं पर लगाम लगाने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। ये नए सिद्धांत-आधारित नियम 1 जनवरी, 2027 से लागू होंगे, जिनका लक्ष्य उपभोक्ताओं को गलत जानकारी और अनुचित बिक्री दबाव से बचाना है। दिशानिर्देशों के तहत सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और सभी डिजिटल मार्केटिंग मध्यस्थ भी दायरे में आएंगे, क्योंकि ये नियम माध्यम-निरपेक्ष दृष्टिकोण पर आधारित हैं। केंद्रीय बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को आक्रामक बिक्री को बढ़ावा देने वाले प्रोत्साहन ढांचे से दूर रहने को कहा है। विनियमित संस्थाएं (आरई) अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहन दे सकती हैं, पर यह सुनिश्चित करना होगा कि वे गलत बिक्री को बढ़ावा न दें। साथ ही, तीसरे पक्ष द्वारा आरई कर्मचारियों

को प्रोत्साहन देने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि सभी विज्ञापन, विपणन और बिक्री के लिए अंतिम जिम्मेदारी संबंधित आरई की होगी, चाहे वे सीधे एजेंट या आउटसोर्स व्यवस्था से हों। प्रचार या ग्राहक जोड़ने के लिए नियुक्त इन्फ्लूएंसर, सहयोगी और अन्य डिजिटल मार्केटिंग मध्यस्थ अब डायरेक्ट सेलिंग एजेंट (डीएसए) या डायरेक्ट मार्केटिंग एजेंट (डीएमए) की श्रेणी में माने जाएंगे। यह कदम वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ 17 जून को खुलेगा

मुंबई ।

बेंगलुरु स्थित लीपीफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 21-23 प्रति शेयर निर्धारित किया है। कंपनी का 88.51 करोड़ का यह आईपीओ बुधवार को निवेशकों के लिए खुलेगा। यह आईपीओ सदस्यता के लिए बुधवार को खुलेगा और शुक्रवार को बंद होगा। इसमें 79.60 करोड़ रुपए के लगभग 3.46 करोड़ इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और 8.91 करोड़ रुपए के लगभग 38.75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। लीपीफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज एक इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग (ईपीसीसी) कंपनी है जिसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। कंपनी ने अपनी मजबूत व्यावसायिक स्थिति का प्रदर्शन करते हुए 384 करोड़ रुपए से अधिक की ऑर्डर बुक बनाई है। इसमें 327 करोड़ रुपए से अधिक की निर्यात परियोजनाएं भी शामिल हैं, जो वैश्विक स्तर पर इसकी क्षमताओं को दर्शाती हैं।

स्किल कोर्स 28 लाख ने किया, नौकरी मिली सिर्फ 23 फीसदी को!

प्रमाणन दर भी निराशाजनक, नीति-निर्माताओं की चिंता बढ़ी

नई दल्ली ।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) अकादमी के कौशल विकास कार्यक्रम भले ही लाखों युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार दिलाने का दावा करते हों, लेकिन जमीनी हकीकत निराशाजनक है। एनएसडीसी के सार्वजनिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इन कार्यक्रमों में दाखिला लेने वाले एक चौथाई से भी कम लोगों को रोजगार मिल पाता है। यह स्थिति कौशल प्रशिक्षण को नौकरी में बदलने की बड़ी चुनौती को दर्शाती है। 8 जून तक के आंकड़ों के मुताबिक एनएसडीसी अकादमी के माध्यम से दाखिला लेने वाले 28.3 लाख उम्मीदवारों में से केवल 6,60,586 को ही नौकरी मिल पाई है, जो लगभग 23 प्रतिशत की रोजगार दर है।

इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि दाखिला लेने वालों में से आधे से भी कम (लगभग 14 लाख) उम्मीदवारों को ही प्रमाणपत्र मिल पाए, जो दाखिले के बाद प्रमाणन और फिर नौकरी तक पहुंचने की प्रक्रिया में एक

बड़े अंतर को उजागर करता है। वर्ष 2023 में शुरू हुई एनएसडीसी अकादमी का उद्देश्य उच्च शिक्षा के साथ उद्योग-जुड़े कौशल विकास को जोड़ना और रोजगार क्षमता बढ़ाना है। हालांकि, मौजूदा आंकड़े इस पहल की वास्तविक प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करते हैं। नीति-निर्माता अब केवल दाखिले की संख्या के बजाय रोजगार सृजन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि श्रम, कपड़ा और कौशल विकास पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने प्लेसमेंट को कौशल-विकास कार्यक्रमों की सफलता का 'असली पैमाना' बताया है। ये आंकड़े सरकारी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 27 तक उद्योग में तेज वृद्धि का लक्ष्य चंद्रशेखरन

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद नए उत्पाद और जेएलआर के साथ सहयोग विकास बढ़ाएंगे

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने विश्वास व्यक्त किया है कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) वित्त वर्ष 2026-27 तक व्यापक आर्थिक और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करेगी। उन्होंने कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे अपने पत्र में यह बात कही। चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी नए उत्पादों और मल्टी-पावरट्रेन पेशकशों के समर्थन से वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूती से प्रवेश कर रही है, जिसका उद्देश्य उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करना है। उनका ध्यान सुरक्षा, स्थिरता, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को गहरा करने पर रहेगा, साथ ही व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लचीलेपन पर भी जोर दिया जाएगा। समूह की कंपनियों के बीच तालमेल पर प्रकाश डालते हुए, चंद्रशेखरन ने बताया कि टीएमपीवी और उसकी ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन में सहयोग जारी रखेंगे। उनका मानना है कि इससे दक्षता बढ़ेगी, सीखने की गति तेज होगी और पूंजी अनुशासन मजबूत होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डिजिटल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) में वैश्विक प्रगति परिवहन उत्पादों के डिजाइन, अनुभव और समर्थन के तरीके बदल रही है। इसी के साथ, स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव, सुरक्षा को लेकर बढ़ती अपेक्षाएं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन प्रतिस्पर्धा को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

बेरोजगारी ने तोड़ा 11 महीने का रिकॉर्ड, मई में 5.5 फीसदी पर पहुंची दर

श्रम बल भागीदारी में भी गिरावट, काम की तलाश करने वालों का अनुपात 54.4 फीसदी हुआ

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के नवीनतम मासिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत के श्रम बाजार ने मई में एक चिंताजनक प्रवृत्ति प्रदर्शित की है, जिसमें बेरोजगारी दर (यूआर) 11 महीने के उच्चतम स्तर 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह वृद्धि अप्रैल के 5.2 प्रतिशत से हुई है। विशेष रूप से महत्वपूर्ण यह है कि यह श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में गिरावट के बावजूद दर्ज की गई है, जो काम करने या काम की तलाश करने वाले लोगों के अनुपात में कमी का संकेत देती है। यह डेटा देश में रोजगार परिदृश्य की अंतर्निहित कमजोरी को उजागर करता है। आंकड़ों के मुताबिक मई में एलएफपीआर घटकर 54.4 प्रतिशत रह गई, जो पिछले 11 महीनों का सबसे निचला स्तर है, जबकि अप्रैल में यह 55 प्रतिशत थी। इसी तरह, रोजगार प्राप्त लोगों का अनुपात भी अप्रैल के 52.2 प्रतिशत से घटकर मई में 51.4 प्रतिशत पर आ गया, जो एक और 11 महीने का निचला स्तर है। एनएसओ के विश्लेषण के अनुसार कामकाजी आबादी और रोजगार प्राप्त लोगों के अनुपात में कमी तथा बेरोजगारी में वृद्धि से स्पष्ट होता है कि मई के दौरान श्रम बाजार की स्थिति कमजोर हुई है। यह दर्शाता है कि रोजगार के अवसरों में गिरावट, काम की तलाश करने वालों की संख्या में कमी की तुलना में अधिक तेज रही है, जिससे कुल बेरोजगारों का अनुपात बढ़ गया है। आर्थिक गतिविधियों में मौसमी सुस्ती भी इसकी एक संभावित वजह मानी जा रही है। क्षेत्रीय और लिंग-विशिष्ट विश्लेषण से भी महत्वपूर्ण रुझान सामने आए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में एलएफपीआर अप्रैल के 57.5 प्रतिशत से घटकर मई में 56.6 प्रतिशत रह गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह मामूली गिरावट के साथ 50.1 प्रतिशत से 49.8 प्रतिशत पर आई है। ग्रामीण बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो अप्रैल के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर मई में 5.1 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.6 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हुई, जो एक विरोधाभासी प्रवृत्ति को दर्शाता है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के रोजगार अनुपात में गिरावट दर्ज की गई है, और दोनों के लिए बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है, जो व्यापक श्रम बाजार तनाव की ओर इशारा करता है। यह समग्र डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक जटिल चुनौती प्रस्तुत करता है।

सिंगापुर में आंध्र प्रदेश के लिए तकनीकी-निवेश साझेदारी की वकालत

सेमीकंडक्टर, एआई और विश्वविद्यालय शोध में सहयोग पर जोर

नई दिल्ली ।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सिंगापुर के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वहां के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की और राज्य में तकनीकी सहयोग व निवेश की मांग की। उन्होंने सेमीकंडक्टर, कृत्रिम मेधा (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और विश्वविद्यालय शोध जैसे उभरते क्षेत्रों में साझेदारी पर विशेष जोर दिया। बैठक में नायडू ने सिंगापुर से आंध्र प्रदेश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने व क्षमता निर्माण में मदद मांगी। उन्होंने उद्यम पूंजी और स्टार्टअप निवेशकों को राज्य में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही राज्य के बढ़ते औद्योगिक परिवेश, नवाचार अवसंरचना और निवेशक-अनुकूल नीतियों को रेखांकित किया। उन्होंने औद्योगिक परियोजनाओं व रतन टाटा नवाचार केंद्र के माध्यम से विकसित स्टार्टअप में निवेश का सही समय बताया। यात्रा के दौरान नायडू ने सरकारी अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों व निवेशकों से मुलाकात कर अवसंरचना, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण व शिक्षा में निवेश पर चर्चा की। भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने बताया कि सिंगापुर हरित ऊर्जा और सेमीकंडक्टर परिवेश में अग्रणी है तथा भारत के राज्यों के साथ काम करने को इच्छुक है। नायडू ने संयुक्त राष्ट्र-हैबिटेट और गूगल क्लाउड से साझेदारी का प्रस्ताव भी रखा, तथा सिंगापुर की कंपनियों को लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला व डिजिटल अवसंरचना में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

घर की बालकनी में लगा दिए ये 4 पौधे, तो खुशबू से महक उठेगा आपका पूरा घर

घर को खूबसूरत बनाने के लिए लोग बहुत मेहनत करते हैं और अब आप अपने घर को खुशबू से भी महका सकते हैं। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आपका घर न केवल देखने में सुंदर हो बल्कि उसमें खुशबू भी फैले तो आपको अपनी बालकनी में कुछ खास पौधे लगाने चाहिए। इन खुशबूदार पौधों से ना केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ेगी, बल्कि इनकी महक से आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। आइए जानते हैं, ऐसे चार खुशबूदार पौधों के बारे में जिन्हें आप अपनी बालकनी में लगा सकते हैं।

मोगरे का पौधा

अगर आप अपनी बालकनी में मोगरे का पौधा लगाते हैं, तो इसके फूलों की खुशबू पूरे घर में फैल जाएगी। मोगरे के फूलों की सुगंध इतनी प्यारी और मधुर होती है कि यह किसी को भी आकर्षित कर सकती है। मोगरे का पौधा बालकनी में लगाने से आपके घर के हर कोने में उसकी खुशबू पहुंच जाएगी, चाहे वह मेन दरवाजा हो या पीछे का दरवाजा। इसकी खुशबू आपके घर को एक अलग ही माहौल देगी।

चमेली का पौधा

चमेली के फूलों की खुशबू बहुत ही मनमोहक होती है। जब आप अपनी बालकनी में चमेली का पौधा लगाते हैं, तो यह आपके पूरे घर को महकाने में मदद करता है। चमेली के फूलों की महक आपके दिन को बेहतर बना सकती है और आपको ताजगी का अहसास करवा सकती है। इसे आप किसी सुंदर गमले में लगाकर अपनी बालकनी के किनारे पर रख सकते हैं। इस पौधे के फूलों से आपके घर में एक नई ऊर्जा और खुशबू का अहसास होगा।

रजनीगंधा का पौधा

रजनीगंधा के फूलों की खुशबू खासतौर पर रात के समय और भी ज्यादा तेज हो जाती है। रात के समय इसकी सुगंध इतनी ताजगी से भरी होती है कि आपको एक आरामदायक और चैन की नींद आती है। रजनीगंधा का पौधा बालकनी में रखने के साथ-साथ आप इसे घर के अंदर भी रख सकते हैं। इस पौधे को छायादार जगह पर भी लगाया जा सकता है, और यह कम रोशनी में भी अच्छी तरह से पनपता है। इसकी खुशबू आपके घर के वातावरण को शांति और सुखमय बना सकती है।

गुलाब का पौधा

गुलाब के फूलों की खुशबू बहुत ही लुभावनी होती है। गुलाब का पौधा आपके घर की बालकनी में लगाए तो यह न केवल आपके घर को महकाएगा, बल्कि घर की सुंदरता भी बढ़ाएगा। गुलाब के विभिन्न रंगों के फूल आपकी बालकनी को और भी खूबसूरत बना सकते हैं। गुलाब के फूलों की महक से पूरा घर महक उठेगा और यह आपकी हर एक सांस में समा जाएगी। गुलाब का पौधा किसी भी प्रकार के मौसम में बहुत अच्छे से पनपता है और यह आपके घर को ताजगी से भर सकता है।

खुशबू का मानसिक और शारीरिक प्रभाव

इन पौधों की खुशबू आपके मूड को भी फ्रेश कर सकती है। इनकी महक से आपका मानसिक तनाव कम हो सकता है और एक सुखद माहौल बन सकता है। जब आप इन पौधों के बीच बैठते हैं तो यह न केवल आपके घर को खुशबूदार बनाएंगे, बल्कि यह आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेंगे। यह पौधे आपके घर में न केवल ताजगी और खूबसूरती लाते हैं, बल्कि आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं।

आप इन चार पौधों को अपनी बालकनी में लगाकर घर को न केवल खूबसूरत बना सकते हैं, बल्कि इनकी खुशबू से आपका मन भी शांत रहेगा। तो अपनी बालकनी में इन पौधों को लगाकर अपने घर को खुशबूदार बनाएं और हर दिन एक ताजगी का अनुभव करें।

अनारकली सूट में दिखना है स्टनिंग तो अपनाएं ये फैशन हैक्स

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है।

जब भी किसी वेडिंग फंक्शन या फैमिली पार्टी के लिए तैयार होने की बात होती है तो अक्सर हम सभी एथनिक वियर पहनना पसंद करती है। इन एथनिक वियर में अनारकली सूट भी एक बेहतरीन एथनिक वियर ऑप्शन माना जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो आपको एलीगेंट लेकिन रॉयल लुक देता है और शायद यही वजह है कि हर लड़की की वार्डरोब में अनारकली सूट होता ही है। यूं तो अनारकली सूट को ऐसे ही कैरी किया जा सकता है। लेकिन अगर इसके साथ कुछ आसान फैशन हैक्स को अपनाया जाए तो आप एक ही सूट को हर बार एक अलग तरह से कैरी कर सकती हैं। इतना ही नहीं, सिंपल सा अनारकली सूट भी आपके लुक को काफी एन्हॉन्स कर सकता है। अनारकली सूट को स्टाइल करते समय बस आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

दुपट्टे को यूं करें स्टाइल

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है। आप दुपट्टे को एक तरफ कंधे पर पिन कर दो और दूसरी तरफ ढीला छोड़ दो। इससे एक रॉयल लुक मिलता है। या फिर अगर आप चाहें तो कमर पर बेल्ट लगाकर दुपट्टा फिक्स किया जा सकता है। यह ना केवल स्टाइलिश लगता है, बल्कि दुपट्टे को मैनेजर करना भी आसान हो जाता है।

फुटवियर पर करें फोकस

जब आप अनारकली सूट पहन रही हैं तो उसके साथ हील्स को जरूर पहनें। फ्लैट्स से अनारकली में आपकी हाइट कम महसूस हो सकती है। अगर आप पेंसिल हील्स पहनने में कंफर्टेबल नहीं है तो ऐसे में ब्लॉक हील्स, मोजड़ी हील्स या कोल्हापुरी वेजेस पहने जा सकते हैं। वहीं, अगर आपको इसे लंबे टाइम तक पहनना है, तो कुशन वाले प्लेटफॉर्म हील्स को चुना जा सकता है। यह आपको कंफर्ट और ग्रेस दोनों देगा।

समझदारी से स्टाइल करें ज्वेलरी

अनारकली सूट के साथ एक्सेसरीज को थोड़ा स्मार्टली कैरी करना चाहिए। मसलन, अगर अनारकली सूट की नेकलाइन हाई है तो ऐसे में नेकपीस पहनने से बचें। इसकी जगह बस आप बड़े झुमके या चांदबालियां स्टाइल कर लें। वहीं, अगर नेकलाइन डीप है, तो सिंपल पेंडेंट और छोटे स्टड्स भी काफी अच्छे लगते हैं। इसके अलावा, दोनों हाथों को चूड़ियों से भरने की गलती ना करें। एक हाथ में स्टेटमेंट कड़ा रखो, दूसरे में वॉच।

अब मलाई से घी बनाना नहीं झंझट वाला काम, जानिए 2 मिनट की आसान ट्रिक

आज के समय में खाने-पीने की चीजों में मिलावट आम बात हो गई है। बाजार में मिलने वाला घी कितना शुद्ध है ये जानना मुश्किल हो गया है। इसलिए लोग अब कोशिश करते हैं कि जो चीज घर पर बन सके, उसे घर में ही तैयार करें। खासकर महिलाएं जो शुद्धता को लेकर ज्यादा सजग होती हैं वो मलाई से घर का घी बनाना पसंद करती हैं। हालांकि कई लोगों को लगता है कि मलाई से घी निकालना एक लंबा और झंझट भरा काम है। लेकिन अगर सही तरीका अपनाया जाए तो ये काम न सिर्फ आसान बल्कि बहुत जल्दी हो सकता है। हाल ही में एक ऐसी ट्रिक सामने आई है, जिससे सिर्फ 2 मिनट में घी निकाला जा सकता है वो भी बिना ज्यादा झंझट के।

कैसी मलाई लेनी चाहिए घी बनाने के लिए?

घी बनाने के लिए मलाई का सही होना सबसे जरूरी है। गीता चौधरी बताती हैं कि आपको 5 से 6 दिन पुरानी मलाई लेनी चाहिए। इससे ज्यादा पुरानी मलाई का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे घी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। आप चाहें तो हर दिन दूध उबालकर थोड़ा ठंडा करके फ्रिज में रखें, जिससे ऊपर एक अच्छी परत मलाई की जम जाती है। यही सबसे बढ़िया तरीका है ताजा मलाई इकट्ठा करने का।

मलाई को गर्म करने का सही तरीका

जब आपके पास पर्याप्त मलाई इकट्ठा हो जाए, तो उसे एक गहरे बर्तन में निकाल लें। अब इस मलाई को एक चम्मच से अच्छे से मिला लें ताकि जो भी गांठें बनी हों वो हट जाएं। इसके बाद, मलाई को हल्का सा गर्म करें बिलकुल उतना जितना दही जमाने के लिए दूध गर्म किया जाता है। इसका मकसद है मलाई को थोड़ा मुलायम और तैयार करना।

अब लगाएं दही जमाने वाली ट्रिक

इस स्टेप को खास मानती हैं। वे कहती हैं गर्म की गई मलाई में अब थोड़ा छाछ या जामन मिलाएं। जामन मिलाते वक्त ध्यान रखें कि मलाई ज्यादा गर्म ना हो सिर्फ इतनी गर्म हो कि आपकी उंगली उसमें आराम से जा सके। गीता ने बताया कि उन्होंने लगभग 2.5 चम्मच छाछ डाली थी। अगर आपकी छाछ खट्टी है, तो 2 चम्मच ही काफी होगी। अब इस बर्तन को 5-6 घंटे या पूरी रात के लिए ढक कर रख दें। इससे यह दही की तरह जम जाएगी।

2 मिनट में मक्खन कैसे निकालें?

जब मलाई दही की तरह जम जाए, तब आपको ज़्यादा मेहनत नहीं करनी। जमने के बाद इस दही में ठंडा पानी और बर्फ डाल दें। अब लकड़ी की मथनी (या रवी/चरणी) से इसे मथें। ध्यान रहे, आपको मिक्सर चलाने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ 2 मिनट मथने के बाद, मक्खन और छाछ अलग हो जाएंगे। यह तरीका खास तौर पर गर्मियों के मौसम में बेहद फायदेमंद है क्योंकि इसमें ना ज़्यादा वक्त लगता है, ना ही आपको किचन की गर्मी में पसीना बहाना पड़ता है।

अब घी बनाने की बारी

मक्खन तैयार हो जाने के बाद अब आखिरी स्टेप घी निकालने की है। मक्खन को एक गहरे बर्तन में डालें और धीमी आंच पर गर्म करें। थोड़ी ही देर में शुद्ध घी तैयार हो जाएगा, जिसे आप छानकर स्टोर कर सकती हैं। इस ट्रिक से बनाए गए घी को कोई पहचान नहीं सकता कि ये मलाई से निकाला गया है या बाजार से खरीदा गया है। साथ ही, एक और आसान तरीका है कुकर में घी बनाना, जो तेज़ और सुरक्षित रहता है। मलाई से घी निकालना अगर सही तरीके से किया जाए, तो यह न तो समय लेने वाला है और न ही झंझट वाला।

अब नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को यहां होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल की थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भातरीय टीम की बल्लेबाज और गेंदबाज भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। स्मृति मंधाना और कप्तान हरमन प्रीत कौर ने पहले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इस सिलसिले को ये बनाये रखना चाहेगी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और जैमिमा रोड्रिक्स इस मेच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगी।

पहले मैच में असफल रही बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों को भी अपने में सुधार करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ क्षेत्ररक्षण उतना अच्छा नहीं था जिसमें सुधार की जरुर है। । गेंदबाजी विभाग में, स्पिनर दीप्ति शर्मा और श्री चरणी ने आठ विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। जिसे ये जारी रखने उतरेंगी।

तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ पहले मैच में अधिक असरदार नहीं रही थी1 नीदरलैंड के खिलाफ उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन पर जोर देना रहेगा।

दूसरी और नीदरलैंड को पहले ही मैच में बांग्लादेश से छह विकेट से हार झेलनी पड़ी है और उसे सभी विभागों में महत्वपूर्ण सुधार करना होगा। नीदरलैंड की कप्तान बैबेट डी लीडे ने कहा÷मुझे लगता है कि खेल के सभी तीन पहलुओं में, हम पीछे रहे। ÷ अब टीम भारत जैसी अच्छी टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी।

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में खेली जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोट्र्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशन हलंबागे ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के ज़रिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के ड्रेसिंग रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए। इसके पीछे एक वजह यह भी थी कि सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जो खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल भावना के खिलाफ हो सकता था। कुछ कमेंटेटरों ने कहा कि श्रीलंकाई टीम का व्यवहार पाकिस्तानियों जैसा था, जो खेल भावना के विपरीत था। वहीं, वैभव सूर्यवंशी के जवाब देने को लेकर भी मतभेद दिखे। हालाँकि उनका गुस्सा जायज़ था, कई लोगों का मानना था कि उन्हें विरोधी खिलाड़ी को धक्का नहीं देना चाहिये था।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

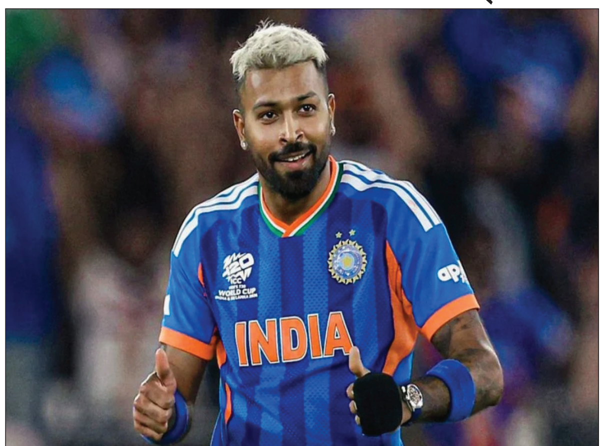

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के इंग्लैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज से वापसी की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार पांड्या मांसपेशियों की चोट से उबर गये हैं और अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। इस रिपोर्ट के अनुसार पांड्या जल्द ही मैदान पर प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा निर्धारित पुनर्वास कार्यक्रम का पालन कर रहे हैं। इस दौरान चिकित्सा टीम उनकी प्रगति पर लगातार नजर रखे हुए है और उनकी रिकवरी के हर पहलू पर करीब से नजर रख रहे हैं। सीओई के विशेषज्ञ इस दौरान इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि किसी भी प्रकार की जल्दबाजी न की जाये जिससे उनकी वापसी पूर्ण फिटनेस के साथ हो।

सूत्रों के अनुसार, हार्दिक इस सप्ताह के अंत तक जॉगिंग और सामान्य दौड़ना शुरू कर सकते हैं। इसके बाद, वह धीरे-धीरे नेट्स में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास भी शुरू करेंगे। यह उनके पुनर्वास का एक महत्वपूर्ण चरण होगा, जहां उनकी शारीरिक क्षमता और चोट के ठीक होने की स्थिति का मूल्यांकन किया जाएगा। मेडिकल टीम यह पक्का करना चाहती है कि मैदान पर वापसी से पहले वह पूरी तरह से मैच फिट हों।

यदि सब कुछ योजना के अनुसार चलता रहा और हार्दिक उम्मीद के मुताबिक ठीक होते गए, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसी सीरीज से एक बार फिर मैदान पर वापसी कर सकते हैं। पांड्या टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। वह टीम को संतुलन देते हैं। अपनी तेज गेंदबाजी से मध्य ओवरों में विकेट दिलाते हैं और निचले क्रम में विस्फोटक बल्लेबाजी करके मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। 2027 एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में टीम के लिए पांड्या की फिटनेस बेहद अहम मानी जा रही है।

अफगानिस्तान ए के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

दाम्बुला (एजेंसी)। लगातार दो हार के बाद IPL सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को यहां अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय श्रृंखला के करो या मरो के मुकाबले में जीत के साथ वापसी की कोशिश करेगी। टूर्नामेंट में मेजबान श्रीलंका ए सहित सभी तीन टीम एक दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी जिसके बाद फाइनल में पहुंचने वाली दो टीम तय होंगी।

दो हार ने भारतीय टीम पर दबाव जरूर बढ़ाया है लेकिन अफगानिस्तान ए के खिलाफ जीत से फाइनल में पहुंचने की टीम की उम्मीदें बढ़ जाएंगी। मेजबान श्रीलंका तीन मैच में दो जीत और एक हार से चार अंक तथा 0.494 के नेट रन रेट के साथ सबसे ऊपर है जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला काफी महत्वपूर्ण हो गया है। भारत और अफगानिस्तान दोनों के समान दो-दो अंक हैं। भारत हालांकि अफगानिस्तान के माइनस 1.392 के मुकाबले 0.032 के बेहतर नेट रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है।

तिलक वर्मा की कप्तानी वाली टीम को अधिक मजबूती दिखानी होगी और उम्मीद करनी होगी कि खराब मौसम उनके मौकों में रुकावट नहीं डाले। अफगानिस्तान ए की टीम अगर कल जीत दर्ज करती है तो भारत ए का सफर टूर्नामेंट में खत्म हो जाएगा। हालांकि हार के बावजूद अफगानिस्तान के पास मौका होगा और अगर वह अगले मैच में मेजबान टीम को हरा देता है तो फिर तीनों टीम के चार अंक हो जाएंगे और ऐसी स्थिति में नेट रन रेट महत्वपूर्ण हो जाएगा।

भारत ए ने अफगानिस्तान ए के खिलाफ पिछले मैच में 9 विकेट पर 349 रन का बड़ा स्कोर बनाया था। अफगानिस्तान ए ने हालांकि 25.5 ओवर में 2 विकेट पर 177 रन बनाने के बाद डकवर्थ लुईस पद्धति से मैच चार रन से जीत लिया। भारतीय टीम अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में नाकाम रही है। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में भी श्रीलंका ए के खिलाफ 8 रन की जीत के दौरान टीम को काफी संघर्ष करना पड़ा था। सोमवार को कम रोशनी के बीच हुए सुपर ओवर में हार के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के कुगाथस मथुलन के बीच हुई बहस ने टूर्नामेंट में रोमांच भर दिया है।

सुपर ओवर में 17 रन का पीछा करते हुए भारतीय टीम सिर्फ 9 रन ही बना सकी। ओवर की आखिरी तीन गेंद का सामना सूर्यवंशी ने किया। सूर्यवंशी जब अपने जोड़ीदार सूर्यांश शेडगे के साथ मैदान से वापस लौट रहे थे तो वह श्रीलंकाई खिलाड़ियों के उस समूह की ओर मुड़े जो जोर-शोर से जश्न मना रहा था और इसी वजह से बहस हो गई। सूर्यवंशी से उम्मीद थी कि वह आईपीएल की अपनी फॉर्म को त्रिकोणीय श्रृंखला में भी जारी रखेंगे लेकिन सूर्यवंशी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं। अब तक उन्होंने 14, 44 और 21 रन बनाए हैं।

बुधवार को होने वाला मुकाबला उन्हें अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका देगा। ऋतुराज गायकवाड़ का प्रदर्शन भारत ए के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 68 की औसत से 204 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनके साथ कप्तान तिलक वर्मा (149) का योगदान भी जरूरी होगा जिन्होंने अब तक तीन मैच में दो अर्धशतक लगाए हैं। शेडगे, प्रभसिमरन सिंह और विपराज निगम ने भी एक-एक अर्धशतक लगाया है। अरशद खान, अनुकूल रॉय और आयुष बडोनी ने अब तक तीन मैच में चार-चार विकेट लिए हैं लेकिन इस प्रतियोगिता में विरोधी खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

इस बीच भारत ए ने चोटिल युद्धवीर सिंह की जगह तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया है। अफगानिस्तान ए ने भारत ए को हराया था लेकिन श्रीलंका ए के खिलाफ उसे आठ विकेट की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, कुमार कुशाग्र, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह, अंशुल कंबोज, अनुकूल रॉय, निशांत सिंधू, सूर्यांश शेडगे, अरशद खान, अशोक शर्मा, विपराज निगम और यश ठाकुर। समय-मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होगा।

फीफा विश्व कप में एक ही दिन में चार मैच हुए ड्रॉ

लॉस एंजिल्स ।फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार का दिन फुटबॉल इतिहास में अनूठे रिकार्ड वाला रहा।इसमें एक ही दिन में चार मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए।यह घटना 15 जून 1958 के बाद पहली बार हुई है, इस प्रकार पूरे 68 साल बाद फुटबॉल प्रेमियों और विशेषज्ञों ने ऐसा दुर्लभ नजारा देखा। 1958 में हालांकि आठ मैच खेले गए थे पर एक ही दिन में इतने ड्रॉ का सिलसिला आधुनिक फुटबॉल के लिए एक असाधारण उपलब्धि मानी जा रही है।

दिन की शुरुआत ही एक बड़े उलटफेर से हुई। अटलांटा में खेले गए पहले मुकाबले में, विश्वकप में पदार्पण कर रही केप वर्डे टीम ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर दो टीम और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन स्पेन को गोल–रहित ड्रॉ (0–0) पर रोककर सनसनी फैल दी दिया। स्टार खिलाड़ियों से सजी स्पेनिश टीम अपने मजबूत आक्रमण के लिए जानी जाती है, लेकिन केप वर्डे के संगठित डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया।केप वर्डे का यह मजबूत प्रदर्शन मौजूदा वर्ल्ड कप के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक रहा और उन्होंने अपने पहले ही मैच में अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दिन के दूसरे रोमांचक मैच में, मिस्र अपनी पहली फीफा वर्ल्ड कप जीत दर्ज करने से चूक गया।एमम अशौर ने जल्दी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन मैदान पर उतरने के पहले ही मिनट में रोमेलु लुकाकू द्वारा किए गए एक ओन गोल (अपनी ही टीम के खिलाड़ी द्वारा किया गया गोल) ने खेल को बराबरी पर ला दिया।सिएटल में खेला गया यह मुकाबला बेल्जियम के साथ 1–1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जिससे दोनों टीमों को एक–एक अंक से संतोष करना पड़ा।

भारत के लिए दीप्ति शर्मा के प्रभाव की बराबरी कोई ऑलराउंडर नहीं कर सकता : पूर्व भारतीय कप्तान

नई दिल्ली ।भारत की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भारतीय क्रिकेट पर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के प्रभाव की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया में बहुत कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनमें बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग या इन तीनों के संयोजन से खेल को प्रभावित करने की क्षमता होती है।

दीप्ति ने बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए महिला टी20 विश्व कप के मैच में मैच विजेता प्रदर्शन किया। उन्होंने पांच विकेट लेकर भारत को अपने पहले मैच में 64 रन से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंजुम ने कहा, ‘मुझे कोई ऐसा ऑलराउंडर याद नहीं है जिसने भारत के लिए खेलते हुए इतना प्रभाव डाला हो।हमारे पास ऑलराउंडर रहे हैं, लेकिन जब लगातार प्रभाव डालने की बात आती है, तो मुझे लगता है कि दीप्ति शर्मा न केवल भारत में बल्कि विश्व क्रिकेट में उन कुछेक खिलाड़ियों में से एक हैं जो किसी भी टीम की तरफ से खेलते हुए अहम योगदान दे सकती हैं।’ उन्होंने कहा, ‘इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भारत की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में शामिल है।उसे बड़े मंच पर प्रदर्शन करना पसंद है।केवल दीप्ति ही नहीं मौजूदा भारतीय टीम में कुछ और क्रिकेटर भी हैं जो सुर्खियों में रहना पसंद करते हैं।यही बात इस टीम को खास बनाती है क्योंकि उन्हें दबाव वाले मैचों में अपना खास प्रभाव छोड़ना पसंद है।’ अंजुम ने कहा कि मौजूदा विश्व कप में भारत की संभावनाएं काफी हद तक स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर निर्भर करेंगी। उन्होंने कहा, वह एक स्टार खिलाड़ी हैं।वह स्टाइलिश बल्लेबाज हैं और लगातार रन बनाकर भारत को मैच जिताने में मदद करती हैं।मैंने हमेशा स्मृति को एक कुशल बल्लेबाज के रूप में देखा है।’ अंजुम ने कहा, ‘मैं उन्हें भारत के लिए खेलने वाली अब तक की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तो नहीं कहूंगी, लेकिन वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी बल्लेबाज हैं।वह लगातार रन बनाती रहती हैं और इसी वजह से उन्होंने कई बार आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है।’

भारत ने जापान को हराकर नेशंस कप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी के गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को यहां जापान को 2-1 से हराकर एफआईएच नेशंस कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह टूर्नामेंट में भारत की दूसरी जीत थी। उसने अपने पहले मैच में अमेरिका को हराया था। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम अगले सत्र में एफआईएच प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

भारत के लगातार दूसरी जीत से छह अंक हो गए हैं और उसने अंतिम चार में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। भारत ने तीसरे क्वार्टर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जब फॉरवर्ड खिलाड़ियों के लगातार दबाव बनाने के बाद सलीमा टेटे ने 33वें मिनट में गोल दागा। भारत की बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और जापान ने इसके दो मिनट बाद ही ऐ हिरमित्सु के गोल से स्कोर बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने हालांकि 49वें मिनट में गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

जापान ने अंतिम क्षणों में आक्रामक खेल दिखाया लेकिन भारत ने उसके हमलों को नाकाम करते हुए जीत हासिल की। यह मैच मिडफील्डर ज्योति के लिए भी एक यादगार अवसर था, जिन्होंने सीनियर स्तर पर अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। पहले हाफ में काफी करीबी मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए लेकिन मध्यांतर से पहले कोई भी गोल करने में असफल रही। तीसरे क्वार्टर में खेल में तब जान आ गई जब भारत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त हासिल की।

निक्की प्रधान ने नवनीत कौर के शॉट को बड़ी कुशलता से सलीमा की ओर मोड़ दिया, जिन्होंने सहजता से गेंद को गोल में डाल दिया।

जापान ने तुरंत ही पलटवार किया और 35वें मिनट में हिरमित्सु ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने अंतिम क्वार्टर में निर्णायक गोल दागा। सुशीला चानू ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया और लालरेम्सियामी ने बड़ी कुशलता से गेंद को नेट में डालकर भारत को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। भारत पूल ए के अपने आखिरी मैच में उरुग्वे का सामना करेगा, जबकि जापान और अमेरिका इस ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए आपस में भिड़ेंगे।

फेसबुक पेज के खिलाफ सौरभ गांगुली ने की शिकायत, छवि खराब करने के आरोपों पर पुलिस जांच शुरू

कोलकाता। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सार्वजनिक हस्तियों की छवि और प्रतिष्ठा को लेकर विवाद लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने एक फेसबुक पेज के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।गांगुली का आरोप है कि उक्त पेज पर उनके बारे में भ्रामक और मानहानिकारक सामग्री साझा की जा रही है, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंच रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाया है। बताया गया है कि सौरभ गांगुली ने कोलकाता के ठाकुरपुकुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए सौरव गांगुली फेंस नाम के फेसबुक पेज पर आपत्ति जताई है। यह पेज खुद को एक अनौपचारिक फैन पेज बताता है,

लेकिन गांगुली का कहना है कि यहां प्रकाशित कुछ पोस्ट तथ्यात्मक रूप से गलत हैं और उनका उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को प्रभावित करना है।शिकायत में उन्होंने कहा कि एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते वह आलोचना का सम्मान करते हैं, लेकिन झूठी और भ्रामक जानकारी के प्रसार को स्वीकार नहीं किया जा सकता। गांगुली ने पुलिस को बताया कि संबंधित फेसबुक पेज के लाखों फॉलोअर्स हैं, जिसके कारण वहां साझा की गई सामग्री बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचती है।उनका मानना है कि ऐसे पोस्ट न केवल लोगों को गुमराह कर सकते हैं, बल्कि उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।उन्होंने मांग की है कि पेज का संचालन करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस अधिकारियों ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन विशेष पोस्टों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई है।जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि पेज का संचालन कौन कर रहा है और विवादित सामग्री किस उद्देश्य से साझा की गई थी।

चैंपियन अर्जेंटीना और मेसी अपने खिताब का बचाव करने के लिए तैयार

कैनसस सिटी ।अर्जेंटीना 17 जून को अल्जीरिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा।मौजूदा चैंपियन शानदार जीत के साथ अपने खिताब का बचाव शुरू करना चाहेंगे।2022 में ट्रॉफी जीतने के बाद, लियोनेल मेसी और उनकी टीम एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल होगी।वहीं अल्जीरिया भी अच्छे नतीजों के बाद आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रहा है।अनुभवी और युवा अटैकिंग टैलेंट वाली अपनी प्रतिभाशाली टीम के साथ, वे मौजूदा चैंपियन को चुनौती देने और शुरुआत में ही अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। इस बीच अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने चेतावनी दी है कि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अल्जीरिया के खिलाफ अपने खिताब के बचाव की शुरुआत करते समय कतर 2022 के बुरे सपने को दोहराने का जोखिम नहीं उठा सकती, क्योंकि ‘ ’हर कोई हमें हराना चाहेगा।’ सोमवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, 38 वर्षीय सेंटर–बैक – जो अपना चौथा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं – ने कहा कि चार साल पहले अर्जेंटीना की शुरुआती चौंकाने वाली हार की याद अभी भी एक बड़ा सबक है।ओटामेंडी ने कहा, ‘मुझे लगता है कि मैं हर दिन और अपने साथियों के साथ समय का आनंद लेता हूं, और यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका मैं बहुत आनंद लेता हूं।अपने चौथे वर्ल्ड कप में होना, सच कहूं तो यहां होने और अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बेहतर कुछ नहीं है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘मैं यहां होने और मुकाबला करने, खिताब का बचाव करने के मौके के लिए बहुत खुश हूं, और हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे।हम इसके लिए तैयारी कर रहे हैं।’ ओटामेंडी ने कहा कि वर्ल्ड और कॉन्टिनेंटल चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में आने वाली अर्जेंटीना ने अमेरिका में इकट्ठा होने से काफी पहले ही अपनी तैयारी शुरू कर दी थी, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मैच शुरू होने के बाद पसंदीदा टीम माने जाने का कोई खास मतलब नहीं रह जाता। उन्होंने कहा, ‘हम ब्यूनस आयर्स से ही तैयारी कर रहे हैं, और नए खिलाड़ियों के साथ यहां आकर हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हम चैंपियन हैं।हर कोई हमें हराना चाहेगा।इसलिए हमें ऐसी तैयारी करनी होगी जो अलग न हो। हमें अपना सब कुछ देना होगा और मुझे लगता है कि माहौल अच्छा है।’ इस अनुभवी खिलाड़ी ने पिछले वर्ल्ड कप की शुरुआत में सऊदी अरब से अर्जेंटीना की 2–1 से हुई हार का भी जिक्र किया, जिसने उनकी लगातार 36 मैचों की अजेय लय को तोड़ दिया था।ओटामेंडी ने कहा, ‘जहां तक प्रतिद्वंद्वी की बात है, हमारे सामने कतर में हुई शुरुआत का उदाहरण है।हम जानते हैं कि कोई भी टीम आपके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है।हमें अपना खेल खेलना है, हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं।’ अर्जेंटीना मंगलवार को कैनसस सिटी स्टेडियम में अल्जीरिया का सामना करेगा, जिसके बाद वह डलास में ग्रुप जे में ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से खेलेगा।

टीम को विश्व कप के मैच के बाद तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया : ईरान के कोच

इंगलवुड (अमेरिका) (एजेंसी)। ईरान की विश्व कप टीम के कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि सोमवार रात न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ बराबर रहने के कुछ ही घंटों बाद उन्हें अमेरिका छोड़ने और मैक्सिको में अपने अभ्यास स्थल में लौटने का आदेश दिया गया। घालेनोई ने यह नहीं बताया कि ईरान की टीम को तय समय से पहले रवाना होने का आदेश किसने दिया था। टीम ने अपने पहले मैच के बाद थकान से उबरने के लिए कैलिफोर्निया में रात बिताने की योजना बनाई थी, लेकिन मैच के बाद उन्हें बताया गया कि सभी को तुरंत विमान से 140 मील की दूरी तय करके तिजुआना वापस लौटना होगा।

घालेनोई ने कहा, ‘उन्होंने हमें आराम करने का समय तक नहीं दिया। मैच के बाद हमसे कहा गया कि हमें तुरंत यहां निकलना होगा। हमारे लिए आराम करना बहुत जरूरी है, लेकिन हमें तिजुआना स्थित अपने शिविर में वापस लौटने के लिए कहा जा रहा है। हम इससे बहुत परेशान हैं।’

अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी को ईरान पर हमला करने के बाद ईरान की फुटबॉल टीम के लिए स्थिति अच्छी नहीं रही है और उन्हें पर्याप्त अभ्यास का मौका भी नहीं मिला है। उसने अपने मैच अमेरिका से स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था जिसे विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने अस्वीकार कर दिया था। घालेनोई ने कहा, ‘ईमानदारी से कहूं तो हमें नहीं पता कि वे हमें वापस क्यों भेज रहे हैं। मुझे यह बहुत अजीब लग रहा है। ऐसा लगता है कि हमारे लिए योजना कोई और बना रहा है। हमारे लिए फैसले कहीं और लिए जा रहे हैं। हमें मैच से दो रात पहले आना था, और आज रात आराम करने के लिए रुकना था और कल दोपहर वापस लौटना था। हमें बिल्कुल भी पता नहीं है कि ऐसा क्यों हो रहा है।’

ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा कि टीम को रविवार को तिजुआना से लॉस एंजिलिस तक की कम अवधि की यात्रा के बावजूद पांच घंटे की यात्रा और सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा। मैच के लगभग एक घंटे बाद तारेमी ने कहा, ‘हमें अभी लॉस एंजिलिस छोड़ना होगा। यह हमारे लिए अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि फीफा को हमारी इससे ज्यादा मदद करनी चाहिए। हमारे लिए सब कुछ एक आपदा जैसा है।’

टी20 विश्व कप में आज तक एक भी मैच नहीं जीत पायी है आयरलैंड

लंदन ।इंग्लैंड में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्वकप क्रिकेट में दुनिया भर की 12 टीमें खिताबी जीत के इरादे से उतरी हैं।इन्हीं में से एक है आयरलैंड की महिला क्रिकेट टीम, ऐसी है जिसे आज तक एक बार भी टी20 विश्वकप में जीत नहीं मिली है।इस बार भी उसे पहले ही मैच में स्कॉटलैंड ने हराया है।इस प्रकार उसे अब तक 18वीं हार मिली है।जिस कारण से इसे बदकिस्मत टीम तक लोग कहने लगे हैं। महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में आयरलैंड ही अकेली टीम है जो जो हर बार जीत के करीब आकर भी दूर रह जाती है या पूरी तरह से पिछड़ जाती है।वैसे तो आयरलैंड को महिला क्रिकेट की दुनिया में एक अपेक्षाकृत कमजोर टीम माना जाता है पर टी20 प्रारूप अपनी अप्रत्याशितता और उलटफेरों के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद, आयरलैंड इस बड़े मंच पर अपनी पहली जीत का स्वाद नहीं चख पाई है। स्कॉटलैंड के खिलाफ इस बार हुए मुकाबले में आयरलैंड को 40 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा।इस मैच में स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 161 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, आयरलैंड की पूरी टीम 121 रन ही बना पायी।आयरलैंड की बल्लेबाजी इस मैच में पूरी तरह से लड़खड़ाई हुई नजर आई, जहां उनके छह खिलाड़ी दो अंक तक भी नहीं पहुंच पायी।इससे अंदाजा हाता है कि टीम का प्रदर्शन कितना कमजोर रहा।

कॉकटेल 2 के लिए शाहिद कपूर ने ली रश्मिका मंदाना से तीन गुना ज्यादा फीस?

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की अदाकारी वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अब सबकी नजरें फिल्म के बजट और इसकी स्टार कास्ट की फीस पर टिकी हैं। खबरों के मुताबिक, शाहिद कपूर इस फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने रश्मिका मंदाना से लगभग तीन गुना और कृति सेनन की फीस से लगभग दो गुना ज्यादा पैसे लिए हैं।

'कॉकटेल 2' के मुख्य कलाकारों की फीस पर कुल 35 करोड़ रुपये खर्च किए गए। शाहिद कपूर ने इसके लिए 21 करोड़ रुपये लिए। जबकि कृति सेनन को 8 करोड़ रुपये और रश्मिका मंदाना को 6 करोड़ रुपये मिले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'कॉकटेल 2' को 150 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है। इसमें से 35 करोड़ रुपये मुख्य कलाकारों की फीस के लिए रखे गए थे, जबकि लगभग 20 करोड़ रुपये फिल्म के प्रिंट और एडवरटाइजिंग कैंपेन पर खर्च किए गए। बाकी बचे 95 करोड़ रुपये फिल्म के प्रोडक्शन और सपोर्टिंग कास्ट की फीस में खर्च हुए। 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं। उन्होंने ही 2012 की रोमांटिक कॉमेडी 'कॉकटेल' का भी निर्देशन किया था। इसमें दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान और डायना पेंटी थे। 'कॉकटेल 2' को मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजान प्रोड्यूस कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह सीक्वल नए किरदारों के साथ एक नई कहानी पेश करेगा।

'खतरों के खिलाड़ी' के प्रोमो के बाद हुई थी ट्रोलिंग

अभिनेत्री नियति फातनानी ने कहा है कि रियलिटी शो के दौर में कई बार मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से अलग करके देखा और परखा जाता है। विशेष बातचीत में फातनानी ने 'खतरों के खिलाड़ी' के दौरान अपने अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि एक प्रोमो जारी होने के बाद उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पूरा एपिसोड प्रसारित होने के बाद लोगों को वास्तविक स्थिति समझ में आई और उन्होंने उनका समर्थन किया। फातनानी से पूछा गया, 'रियलिटी शो के बाद अक्सर एडिट किए गए क्लिप वायरल हो जाते हैं और विवाद खड़े कर देते हैं। क्या आपको लगता है कि कभी-कभी मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से हटकर समझा जाता है?'

इस पर उन्होंने अपने अनुभव का उदाहरण देते हुए कहा, 'खतरों के खिलाड़ी के दौरान जब एक प्रोमो रिलीज हुआ था, तब मुझे प्रशंसकों की ओर से काफी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, जो लोग मुझे जानते थे, उन्हें पूरा भरोसा था कि मैं कभी कुछ गलत नहीं करूंगी। एपिसोड प्रसारित होने के बाद सभी को सच्चाई पता चल गई और उन्होंने मेरा समर्थन किया। दरअसल, उस व्यक्ति को शो से बाहर कर दिया गया था।'

अभिनेत्री ने कहा, 'प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकारों के प्रति बेहद भावुक होते हैं और यह एक सेलिब्रिटी होने का स्वाभाविक हिस्सा है।' सोशल मीडिया के दौर में प्रतिभा और दृश्यता में कौन अधिक महत्वपूर्ण है, इस सवाल पर फातनानी ने कहा कि दोनों पूरी तरह अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई कलाकार प्रतिभाशाली है और अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो निर्देशक और निर्माता उसे भूमिका के लिए चुनेंगे। दूसरी ओर, व्यावसायिक नजरिए से यदि किसी परियोजना को दृश्यता से फायदा मिलता है, तो प्रभावशाली सोशल मीडिया हस्तियों को भी कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया आज मनोरंजन उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को छिपाने का दबाव महसूस किया है, तो उन्होंने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह रिश्ते में शामिल लोगों पर निर्भर करता है। यदि दोनों साथी सहज हैं, तो बाकी किसी बात का कोई खास महत्व नहीं रह जाता।

इंडस्ट्री छोड़ने की खबरों पर हर्ष वर्धन कपूर ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर के बेटे हर्ष वर्धन कपूर को ज्यादातर लाइमलाइट से दूर ही देखा जाता है। बतौर अभिनेता और निर्माता हर्ष वर्धन आखिरी बार 'थार' में नजर आए थे। बीते काफी वक्उत से उनके आगामी प्रोजेक्ट्स की कोई जानकारी सामने नहीं आई। ऐसे में यह अफवाहें तेज हो गईं कि हर्ष वर्धन ने इंडस्ट्री छोड़ दी है। अब इस मामले पर हर्ष वर्धन ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है।

फैंस को दिया हर्ष ने जवाब

हर्ष वर्धन ने इस बारे में एक सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैंने अभिनय से बिल्कुल मुंह नहीं मोड़ा है। 'थार' की रिलीज के दिन से ही मैं एक नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं। 'थार' को बनने में 5 साल लगे। इससे पहले विक्रम को 'भावेश जोशी सुपरहीरो' बनाने में कई साल लगे थे।'

जल्द रिलीज होगा नया प्रोजेक्ट

अपने आगामी प्रोजेक्ट की जानकारी फैंस को देते हुए हर्ष वर्धन ने लिखा, 'इस फिल्म को पूरा करने में मुझे 2-3 साल लग गए। अब 30 जून को इसकी शूटिंग खत्म हो रही है। मैं इसका निर्माण भी कर रहा हूं। मुझे लगता है कि लोग हर अभिनेता की साल में कई फिल्में देखने के आदी हो चुके हैं। अगर आप 'भावेश', 'थार' और 'एके वर्सेस एके' जैसी फिल्में देखना चाहते हैं, तो यह साल में एक या दो बार नहीं होगा, यही सच्चाई है। लेकिन धन्यवाद और यह नई फिल्म अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म है, शत प्रतिशत, यह बेहद अनोखी है।'

हर्ष वर्धन कपूर का वर्कफ्रंट

अभिनेता हर्ष वर्धन कपूर ने अपने करियर की शुरुआत रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा की फिल्म 'बॉम्बे वेलवेट' में सहायक निर्देशक के तौर पर की थी। इसके बाद 2016 में फिल्म 'मिर्ज़या' से उन्होंने बतौर अभिनेता डेब्यू किया। दो साल बाद उन्होंने विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म 'भावेश जोशी सुपरहीरो' में मुख्य भूमिका निभाई थी और इसके बाद वो 'एके वर्सेस एके' और ओटीटी पर फिल्म 'थार' में नजर आए थे।

नो एंट्री 2 को लोग बहुत पसंद करेंगे

हाल ही में फिल्म को लेकर देरी, शेड्यूल की दिक्कतों और कास्ट में बदलाव की खबरें सामने आई थीं। इस लंबे समय से इंतजार की जा रही सीक्वल को लेकर काफी समय से अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन फिल्म अब भी चर्चा में बनी हुई है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ जैसे नए कलाकार नजर आएंगे।

फिल्ममेकर ने आगे बताया कि उन्होंने 'नो एंट्री 2' को बहुत प्यार से लिखा है और यह उनकी सबसे अच्छी लिखी गई फिल्मों में से एक है। उन्होंने माना कि इस प्रोजेक्ट में समय लगा है, लेकिन फिल्म जरूर आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म से जुड़े सभी लोग इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। 'जो भी लोग इस फिल्म से जुड़े हुए हैं, सब बहुत एक्साइटेड हैं। और लोग इस फिल्म को बहुत पसंद करेंगे,' उन्होंने कहा।

आकांक्षा रंजन बनेंगी दुल्हनिया, लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से करेंगी शादी?

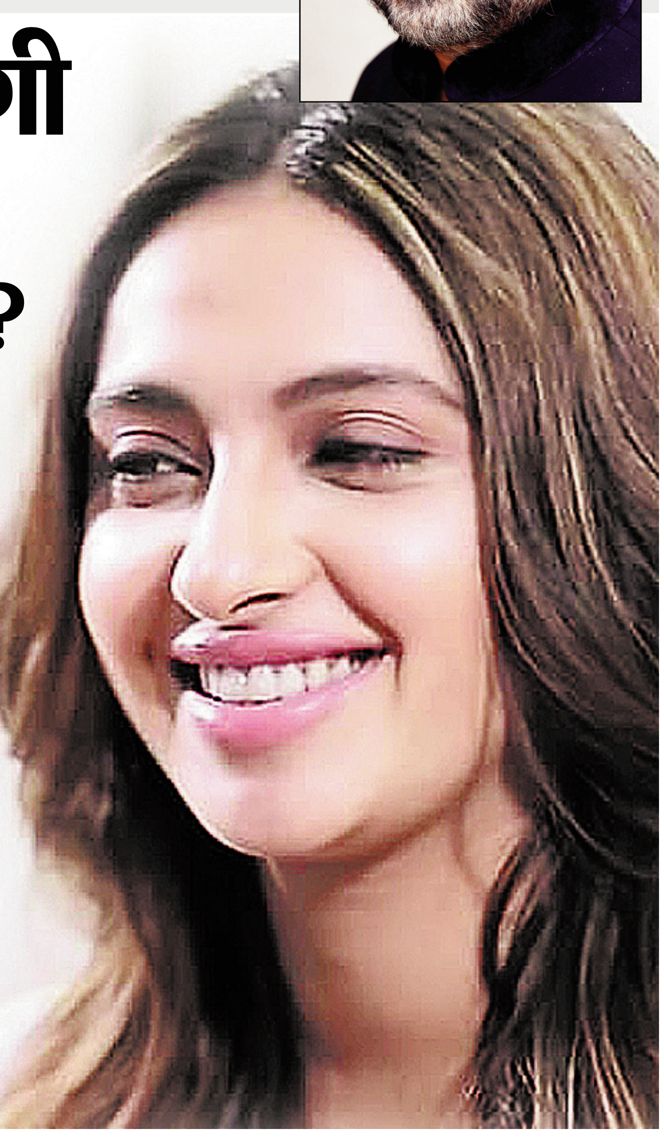

आलिया भट्ट की सहेली और अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर का नाम इस समय शादी की खबरों को लेकर चर्चा में बना हुआ है। आकांक्षा अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड शरण शर्मा से शादी करने वाली हैं।

कब और कहां होगी शादी

आकांक्षा और शरण अगले महीने 11 जुलाई को मुंबई में शादी करेंगे। इसके अगले दिन यानी 12 जुलाई को 'जेडब्ल्यू मैरियट' होटल में एक भव्य रिसेप्शन रखा जाएगा। यह शादी बेहद प्राइवेट होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त शामिल होंगे। खबरों के मुताबिक, शादी के लिए कोई प्रिंटेड इनविटेशन कार्ड नहीं भेजे गए हैं।

चार साल का रिश्ता

दोनों पिछले करीब 4 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2022 में अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था, लेकिन हमेशा अपनी पर्सनल लाइफ को लाइमलाइट से दूर ही रखा। हाल ही में एक इंटरव्यू में आकांक्षा ने खुद इस रिश्ते को कुबूल करते हुए कहा था, 'हां, मैं शरण के साथ रिलेशनशिप में हूं। मैंने कभी इस बात को छुपाया नहीं, लेकिन मुझे अपनी पर्सनल लाइफ पर ज्यादा बात करना पसंद नहीं है।'

कौन हैं आकांक्षा

आकांक्षा रंजन कपूर अभिनेत्री आलिया भट्ट की बचपन की सहेली हैं। उन्होंने 'गिल्टी' और 'मोनिका ओ माई डार्लिंग' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है। जल्द ही वह 'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में नजर आएंगी।

कौन हैं शरण शर्मा

शरण शर्मा बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक हैं। शरण शर्मा ने जान्हवी कपूर की फिल्म 'गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल' और 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का निर्देशन किया है।

हंसते-हंसाते समाज का सच दिखाना ज्यादा असरदार

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री माधुरी दीक्षित आज भी अपनी शानदार अदाकारी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। पिछले कई दशकों से वह दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही हैं और हर दौर में खुद को नए किरदारों के साथ साबित कर रही हैं। इन दिनों उनकी नई फिल्म 'मां बहन' चर्चा में है। फिल्म को लेकर बात करते हुए माधुरी दीक्षित ने मनोरंजन और समाज के रिश्ते पर अपने विचार साझा किए। उनका मानना है कि अगर किसी जरूरी बात को लोगों तक पहुंचाना हो, तो मनोरंजन से बेहतर तरीका कोई नहीं हो सकता।

माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, ''जब लोग किसी फिल्म या शो को देखने बैठते हैं, तो उनका मकसद कुछ समय के लिए तनाव से दूर होकर अच्छा समय बिताना होता है। ऐसे में अगर कहानी के जरिए समाज की सच्चाई भी दिखाई जाए, तो उसका असर कहीं ज्यादा होता है। लोग हंसते हुए भी यह समझ सकते हैं कि हमारे आसपास क्या हो रहा है और समाज में कौन-सी बातें सही हैं या गलत। मनोरंजन के साथ दिया गया संदेश लोगों के दिल और दिमाग तक आसानी से पहुंचता है।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''किसी बात को बार-बार समझाने या उपदेश देने से लोग कई बार दूरी बना लेते हैं। लेकिन, जब वही बात मजेदार और दिलचस्प तरीके से दिखाई जाती है, तो लोग उसे ध्यान से देखते हैं और उस पर सोचते भी हैं। फिल्मों और कहानियों की यही सबसे बड़ी ताकत है। मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जिनमें मनोरंजन भी हो और कोई अच्छा संदेश भी छिपा हो।'' इसके अलावा, माधुरी ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया।

माधुरी ने कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है जो प्यार और रिश्तों के मामलों में आज भी दोहरे मापदंड अपनाता हुआ आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे रोमियो कहा जाता है, लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।'

अभिनेत्री ने कहा, ''मेरी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है।'' 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार) 17 जून 2026

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई बच्ची की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस फायरिंग में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई-पाकिस्तानी बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने परिवार की कार को लुटेरों का वाहन समझकर उस पर गोलियां बरसा दीं। घटना में बच्ची के पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना 10 जून को चकवाल जिले में हुई। पुलिस के अनुसार, अदील अहमद अपनी पत्नी, 9 वर्षीय बेटी हानिया और 10 वर्षीय बेटे आफान के साथ कार से रिश्तेदार के घर जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद अदील ने पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल किया। सूचना मिलने पर क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उसने परिवार की कार को ही संदिग्ध मान लिया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों से छलनी हुई कार में बैठी हानिया की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसके पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। मां सुरक्षित हैं। पुलिस ने मामले में फायरिंग करने वाले एक सीसीडी अधिकारी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लंदन में 26 साल के भारतीय युवक की चाकू मारकर हत्या; 7 लोगों को हिरासत में लिया गया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में 26 साल के भारतीय मूल के युवक गुरभेज सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मौके से 20 से 30 साल की उम्र के 7 लोगों को हत्या के शक में हिरासत में लिया था। जांच के बाद 6 लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि एक व्यक्ति को जमानत पर रिहा किया गया है। उससे आगे भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, गुरभेज सिंह पर करीब रात 12 :30 बजे हमला हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बच सकी। घटना में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद अब वह खतरे से बाहत है। पुलिस ने बताया कि गुरभेज सिंह के परिवार को सहायता दी जा रही है और हमले की पूरी वजह जानने के लिए जांच जारी है।

रेयर अर्थ की तलाश में ग्रीनलैंड पहुंचेगा जापान का दल

टोक्यो, एजेंसी। जापान इस गर्मी में ग्रीनलैंड में रेयर अर्थ खनिजों के संभावित खनन का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की तैयारी कर रहा है। निक्केई की रिपोर्ट के मुताबिक, दल में सरकारी अधिकारी, ट्रेडिंग कंपनियों के प्रतिनिधि और ऊर्जा-सुरक्षा एजेंसी के सदस्य शामिल होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यह दल ग्रीनलैंड के स्थानीय सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक कर खनन संभावनाओं का आकलन करेगा। ग्रीनलैंड लंबे समय से अपने संभावित रेयर अर्थ भंडारों के कारण वैश्विक शक्तियों की रुचि का केंद्र रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन ऊर्जा उपकरणों, सेमीकंडक्टर और रक्षा क्षेत्र में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत के चलते दुनिया भर में इनके नए स्रोत तलाशे जा रहे हैं। ग्रीनलैंड की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और संभावित खनिज संपदा इसे वैश्विक शक्तियों के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

ट्रम्प के जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में यूएफसी फाइट: अब तक का सबसे महंगा मुकाबला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार को व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में यूएफसी मुकाबलों के साथ अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं। यूएफसी ने इस आयोजन पर करीब 6 करोड़ डॉलर (567 करोड़ भारतीय रुपए) खर्च किए हैं। इस वजह से ये अब तक का सबसे महंगा यूएफसी आयोजन माना जा रहा है। इस फाइट कार्ड में कुल 7 मुकाबले होने हैं। अब तक 5 मुकाबले हो चुके हैं। मेन फाइट लाइटवेट चैंपियन इलिया टोपुरिया और अंतरिम चैंपियन जस्टिन गेथजे के बीच होनी है। मुकाबले देखने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनकी सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, खास मेहमान और हजारों सैन्यकर्मी मौजूद हैं। पहले मुकाबले में बो निकल ने पहले ही राउंड में काइल डाउकस को नॉकआउट कर दिया। उन्होंने एक जोरदार लेफ्ट हुक और राइट पंच से प्रतिद्वंद्वी को गिराया, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। जीत के तुरंत बाद बो निकल रिंग से बाहर आए और सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास पहुंचे। दोनों ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की। इस इवेंट में करीब 4300 लोग मौजूद हैं। दूसरी तरफ, 85 हजार लोगों के लिए अलग फैन जोन बनाया गया है। अमेरिका के कई अधिकारियों और खुद ट्रम्प ने आयोजन की तारीफ की है। ट्रम्प ने इसे 'धरती का सबसे बड़ा शो' बताया और 'क्लॉ' की तुलना पेरिस के एफिल टॉवर से की। वहीं विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने स्रष्ट को अमेरिका की सॉफ्ट डिप्लोमैटिक पावर बताया इस इवेंट में कुल 14 फाइटर हिस्सा लेंगे।

उड़ान भरते ही क्रैश हुआ स्काईडाइविंग विमान

अमेरिका के मिसौरी में बड़ा हादसा, पायलट समेत 12 की मौत

मिसौरी, एजेंसी। अमेरिका के मिसौरी राज्य से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। रविवार की सुबह एक स्काईडाइविंग विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार पायलट और 11 स्काईडाइवर्स सहित कुल 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है।

राहत और बचाव कार्य

विमान के क्रैश होने की सूचना मिलते ही मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल और बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव दल ने मलबे से शवों को निकालने का काम शुरू किया, लेकिन विमान की टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को बचाने का अवसर नहीं मिला। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से इस घटना की आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि हादसे में 12 लोगों की जान गई है।

कैसे हुआ हादसा?

यह दुखद घटना मिसौरी के बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट पर हुई। स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह लगभग 11:34 बजे, एक पैसिफिक एयरोस्पेस पी 750 विमान ने रनवे से उड़ान भरी थी। लोगों और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, टेक-ऑफ के तुरंत बाद ही विमान में कुछ तकनीकी खराबी नजर आने लगी और वह हवाई अड्डे के पास ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह स्थान कैनसस सिटी से लगभग 60 मील दक्षिण में स्थित बटलर शहर के पास है।

आखिर कैसे हुआ हादसा

विमान का संचालन स्काइडाइव कैनसस सिटी नामक कंपनी कर रही थी। बेट्स काउंटी आपदा प्रबंधन एजेंसी के निदेशक और कार्यवाहक हवाईअड्डा प्रबंधक डेनिस जैकब्स ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के तुरंत बाद बाईं ओर मोड़ लिया था। उनके मुताबिक ऐसा प्रतीत होता है कि विमान की शक्ति अचानक कम हो गई थी और पायलट उसे सुरक्षित उतारने की कोशिश कर रहा था। हालांकि विमान नियंत्रण खो बैठा, नीचे की ओर तेजी से गिरा और जमीन से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। जैकब्स ने यह भी कहा कि हादसे के बाद उड़ान मार्ग के नीचे पूरे क्षेत्र की तलाशी ली गई, लेकिन ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि किसी यात्री ने दुर्घटना से पहले विमान से छलांग लगाई हो।

दुर्घटनाग्रस्त विमान पैसिफिक एयरोस्पेस 750 एक्सएल मॉडल का सिंगल-इंजन टर्बोप्रॉप विमान था, जिसका उपयोग स्काइडाइविंग के अलावा माल ढुलाई, हवाई सर्वेक्षण और मेडिकल इवैक्यूएशन जैसी सेवाओं में भी किया जाता है।

यह विमान अधिकतम 17 स्काइडाइवरों को ले जाने में सक्षम माना जाता है और छोटी रनवे से भी उड़ान भर सकता है। संघीय विमानन प्रशासन के रिकॉर्ड के अनुसार यह विमान वर्ष 2010 में निर्मित किया गया था। हादसे की जांच के लिए अमेरिका का राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड और एफएए की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

मृतकों की पहचान और आधिकारिक पुष्टि

बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट के प्रवक्ता ने स्थानीय मीडिया आउटलेट एफओएक्स4 से बात करते हुए पीड़ितों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में कुल 12 लोग सवार थे। इनमें से 11 लोग स्काईडाइविंग के शौकीन थे, जो अपने साप्ताहिक साहसिक खेल के लिए एकत्रित हुए थे, जबकि एक विमान का मुख्य पायलट था। दुर्घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसे एक बड़ी मानवीय क्षति माना जा रहा है।

जांच के घेरे में तकनीकी कारण

अमेरिकी विमानन नियामक संघीय उड्डयन प्रशासन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने इस मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। एफएए की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, विमान ने जैसे ही प्रस्थान किया, वह कुछ ही दूरी पर क्रैश हो गया। अब एनटीएसबी ने जांच की पूरी कमान संभाल ली है। विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या विमान में कोई यांत्रिक खराबी थी या यह मानवीय त्रुटि का परिणाम था। आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट के आधार पर हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा।

अमेरिका ने जहाज पर हमले से पहले 60 बार दी थी चेतावनी, अटैक में तीन भारतीयों की गई थी जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में पालाऊ के झंडे वाले जहाज पर हमले से पहले कथित तौर पर लगभग 60 मौखिक चेतावनियां दी थीं। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी एपी ने बताया कि चेतावनियों के बाद कम-से-कम आठ बार जहाज को शक्ति प्रदर्शन के जरिए भी आगाह किया गया था। इसके बावजूद भी जब जहाज ने अमेरिकी निर्देशों की अनदेखी की, तो उस पर हमला किया गया। इस हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। जिसे लेकर भारत ने अमेरिका के सामने नाराजगी भी जाहिर की थी।

हमले के सप्ताहभर बाद एपी ने अपनी एक रिपोर्ट में अमेरिकी सूत्रों के हवाले से बताया है कि पलाऊ के झंडे वाले इस शेडो फ्लीट टैंकर पर मिसाइल दागने से पहले अमेरिकी सेना ने 60 से ज्यादा मौखिक चेतावनियां दी थीं। अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी सेना पिछले दो हफ्तों से लगातार इस संदिग्ध जहाज को चेतावनी भेज रही थी। जहाज का पता चलते ही 9 जून की रात को अमेरिकी सैन्य विमानों ने इसे निशाने पर लिया।

अमेरिका का कहना है कि यह जहाज ईरान के शेडो फ्लीट का हिस्सा था, जो प्रतिबंधों को चकमा देकर अवैध रूप से ईरानी कच्चे तेल की तस्करी कर रहा था। अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत में जहाज को रोकने के लिए वार्निंग दी गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी विमानों ने पहले कुछ वार्निंग फायरिंग की। फिर हमला करने से ठीक 15 मिनट पहले क्रू को इंजन रूम खाली करने की चेतावनी दी। जब जहाज फिर भी नहीं रुका, तब अमेरिकी विमान से सीधे जहाज के इंजन रूम को निशाना बनाया। सेंटकॉमने यह भी कहा है कि नाकेबंदी लागू हुए 60 से ज्यादा दिन हो गए थे और यह बात होनी चाहिए थी कि अमेरिका इसे सख्ती से लागू कर रहा है।

बेरूत पर इजरायली हमले से भड़के ट्रंप, कहा- सब कुछ बर्बाद मत करो

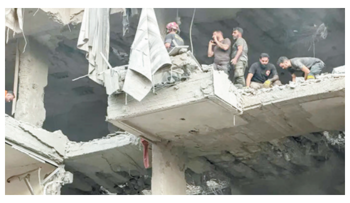

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह लेबनान की राजधानी बेरूत पर हुए इजरायली हवाई हमले पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक आधिकारिक बयान जारी कर इस हमले को बेहद गैर-जरूरी बताया और चेतावनी दी कि यह कार्रवाई ईरान के साथ होने वाले ऐतिहासिक शांति समझौते में बाधा बन सकती है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयान में कहा, 'आज सुबह बेरूत पर हुआ हमला बिल्कुल नहीं होना चाहिए था, विशेष रूप से एक ऐसे खास दिन पर जब हम ईरान के साथ शांति समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं।' उन्होंने इजरायल के रक्षा के अधिकार का समर्थन तो किया, लेकिन साथ ही हमले के समय और कारण पर सवाल भी उठाए।

इजरायल द्वारा दी गई प्रतिक्रिया पर टिप्पणी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'इजरायल को खतरों के खिलाफ अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है, लेकिन जिस हमले (हिजबुल्लाह द्वारा) का वह जवाब दे रहा था, वह बहुत छोटा और महत्वहीन था। उसमें किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ था, न ही कोई घायल हुआ या मारा गया था। ऐसे में इस हमले के कारण इतनी महत्वपूर्ण शांति प्रक्रिया में व्यवधान नहीं आना चाहिए था।'

ट्रंप ने क्षेत्र में तनाव कम करने की पुरजोर वकालत करते हुए लिखा, 'हम एक ऐसे समझौते के बेहद नजदीक हैं जो पूरे क्षेत्र में शांति लाएगा, जिसमें लेबनान भी शामिल है। इसलिए अब सभी पक्षों को तुरंत पीछे हट जाना चाहिए। इजरायल द्वारा लेबनान में कहीं भी और कोई हमला नहीं किया जाना चाहिए, और साथ ही हिजबुल्लाह सहित किसी भी अन्य पक्ष द्वारा इजरायल के खिलाफ कोई जवाबी हमला नहीं होना चाहिए।

रूस ने यूक्रेन पर फिर बरसाया कहर

धार्मिक स्थल में लगी आगबमबारी की चपेट में आए नागरिक ठिकाने, पांच की मौत

कीव, एजेंसी। पिछले तीन वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सोमवार को रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें राजधानी कीव और खारकीव सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। इस हमले में खारकीव में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कीव में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। हमले के दौरान कई रिहायशी इमारतों, बाजारों और नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा। सबसे गंभीर नुकसान यूक्रेन के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में से एक कीव-पेचेर्स्क लावरा को हुआ, जहां भीषण आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस पर जानबूझकर नागरिक ठिकानों और सांस्कृतिक धरोहरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेनको के अनुसार, खारकीव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाने पहुंचे बचावकर्मी दूसरे हमले की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य आपातकालीन कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला ऐसे समय किया गया जब राहत और बचाव कार्य जारी था। यूक्रेनी प्रशासन ने इसे बेहद गंभीर और चिंताजनक घटना बताया है। वहीं राजधानी कीव में भी बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोन के जरिए कई हमले किए गए, जिसके बाद लोगों को भूमिगत शरणस्थलों में जाना पड़ा।

कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने दावा किया कि रूस ने जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले में 30 मिनट के भीतर पांच हमले हुए, जिनमें एक 25 मंजिला अपार्टमेंट भवन को भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा एक बाजार और किराना स्टोर में भी आग लग गई। ओबोलोंस्की जिले में नौ मंजिला आवासीय इमारत सीधे हमले की चपेट में आई। अधिकारियों के अनुसार, हमलों में एक बच्चे समेत 13 लोगों को चिकित्सकीय सहायता की जरूरत पड़ी। यूक्रेन का आरोप है कि इन हमलों का उद्देश्य नागरिकों में भय पैदा करना और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना था।

रूसी हमले में कीव-पेचेर्स्क लावरा परिसर को भी भारी नुकसान पहुंचा। यह यूक्रेन के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक स्थलों में से एक है। हमले के दौरान डॉर्मिशन कैथेड्रल की छत में आग लग गई। यूक्रेन के ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख मेट्रोपॉलिटन एपिफेनियस ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे मानवता, इतिहास और ईसाई धर्म के खिलाफ अपराध बताया। 11वीं से 19वीं शताब्दी के बीच विकसित यह परिसर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

एडवेंचर कंपनी की लापरवाही ने ली जान

बिना रस्सी बांधे युवती को पुल से नीचे फेंका

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील में 21 साल की एक युवती के लिए एडवेंडचर के शौक ने उसकी जान ले ली। ब्राजील के साओ पाउलो में जो हुआ, उसे देख वहां मौजूद लोग सहम उठे। एक एडवेंचर कंपनी की रूह कंपा देने वाली लापरवाही की वजह से एक लड़की ने बिना बंजी कॉर्ड बंधे ही 35 मीटर की ऊंचाई से नीचे छलांग लगा दी। इस हादसे में उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

बता दें कि यह हादसा साओ पाउलो राज्य के लिमेइरा और कोर्डेइरोपोलिस शहरों को जोड़ने वाले ब्रिज 'पोंटे डो एस्केलेटो' पर हुआ है। ये पुल पिछले लगभग तीन दशकों से बंद पड़ा हुआ है। हाल के दिनों में यह बंद पुल एडवेंचर के शौकीनों और पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा जगह बन गया था। सबसे हैरानी की बात यह है कि इस जगह पर सरकार या किसी आधिकारिक संस्था की कोई निगरानी या फिर सुरक्षा रेगुलेशन नहीं लागू था।

वीडियो बनाने के चक्कर में मौत

स्थानीय मीडिया की मानें तो मृतका मारिया एडुआर्डा रोड्रिग्स डी फ्रीटास ने इस खतरनाक बंजी जंपिंग के लिए और सलाथ ही इस एडवेंचर का वीडियो शूट कराने के लिए 'एंट्रे कोर्डास' नाम की एक निजी कंपनी को लगभग 290 डॉलर, जो भारतीय रुपये में लगभग 24,500 है, दिया था।

एडवेंचर कंपनी की लापरवाही से जिस वीडियो को लड़की अपनी यादों में समेटना चाहती थी, वही उसकी जिंदगी का आखिरी वीडियो साबित हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि युवती से पहले तीन और लोगों ने वहां से बंजी जंपिंग की थी, जो सुरक्षित रहे।

इसके बाद जब इस लड़की की बारी आई, तो वहां मौजूद क्रू मेंबर्स की लापरवाही ने सुरक्षा नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि ये घोर लापरवाही का मामला है। क्रू मेंबर्स ने लड़की को धक्का देने या फिर कूदने का इशारा करने से पहले सुरक्षा जांच तक नहीं की।

हादसे के दौरान पुल पर मौजूद अन्य पर्यटकों ने जब इस पूरी घटना को अपने कैमरों में रिकॉर्ड किया, तो वहां का नजारारूह कंपा देने वाला था। जैसे ही युवती ने पुल से छलांग लगाई, वहां खड़े लोगों को तुरंत नजर आ गया कि उसके पैर या शरीर से कोई भी रस्सी जुड़ी हुई ही नहीं है।

हवा में टकराए दो हेलिकॉप्टर और बन गए आग का गोला, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पश्चिमी रियो डी जनेरियो में रविवार को दो हेलीकॉप्टरों की हवा में टकराकर गिर गए। इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। टकराकरक गिरने के बाद दोनों हेलिकॉप्टर में भीषण आग लग गई और जमीन पर खड़ी कई गाड़ियां भी जल गई। ये हादसा शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित घनी आबादी वाले उपनगर रेक्रेयो डॉस बांदेइरांतेस में हुई। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए और फिर जमीन पर गिर पड़े, जिससे भीषण आग लग गई।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, रविवार सुबह रियो डी जनेरियो के आसमान में दो हेलिकॉप्टरों की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर शहर के पश्चिमी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। फायरफाइटर्स के अनुसार, हादसे में हेलिकॉप्टरों में सवार सभी छह लोगों की जान चली गई।

रियो डी जनेरियो के मिलिट्री फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टरों में से एक

हेलिकॉप्टर के गिरने से वहां आग भड़क उठी, जिसे बाद में दमकलकर्मियों ने काबू कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

100 मीटर तक फैला मलबा

टक्कर इतनी भीषण थी कि हेलिकॉप्टरों के मलबे के हिस्से दूर-दूर तक जा गिरे। धड़ के टुकड़े लगभग 100 मीटर के दायरे में बिखर गए। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा पास स्थित एक इमारत की छत पर मिला। दोनों हेलिकॉप्टर प्रभावित कैंपस के भीतर अलग-अलग स्थानों पर दुर्घटनाग्रस्त हुए।इस बड़े हादसे से निपटने के लिए करीब 45 सैन्यकर्मियों और 15 सहायता वाहनों को मौके पर भेजा गया। राहत एवं सुरक्षा कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए दुर्घटनास्थल के पास एवेनिडा दास

अमेरिका-ईरान समझौते के 14 सूत्र आए सामने, स्थायी युद्धविराम

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच घोषित हुए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने इस गुप्त समझौते के सभी 14 मुख्य बिंदुओं (शर्तों) की जानकारी होने का दावा किया है। हालांकि, इस पर दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) की सरकारों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या बयान जारी नहीं किया गया है। ईरान की अर्द्ध सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर न्यूज़' के मुताबिक, इस प्रस्तावित समझौते में मध्य पूर्व में शांति बहाली से लेकर आर्थिक पुनर्निर्माण तक के कई कड़े बिंदु शामिल हैं। **ईरानी मीडिया द्वारा लीक किए गए ड्राफ्ट के अनुसार, समझौते के मुख्य**

जाएगा। आंतरिक मामलों में दखल नहीं: अमेरिका ने प्रतिबद्धता जताई है कि वह ईरान के अंदरूनी मामलों और संप्रभुता में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

सैन्य नाकेबंदी की समाप्ति: अमेरिका

अमेरिकी सैनिकों की वापसी: ईरानी क्षेत्र और उसके प्रभाव वाले इलाकों से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

होर्मुज स्ट्रेट को खोलना: व्यापारिक

खोल दिया जाएगा।

300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण फंड: अमेरिका और उसके सहयोगी देश युद्ध और तनाव से प्रभावित हुए ईरान के पुनर्निर्माण के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर (लगभग 25 लाख करोड़ रुपए) की आर्थिक योजनाएं शुरू करेंगे।

ऊर्जा प्रतिबंधों का खात्मा: ईरानी कच्चे तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों के वैश्विक व्यापार पर लगे सभी कड़े प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाएगा।

परमाणु हथियारों पर रोक: ईरान वैश्विक मंच पर परमाणु हथियार न बनाने की अपनी पुरानी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराएगा।

सैन्य उपस्थिति पर रोक: अमेरिका इस

के खिलाफ अमेरिका या उसके सहयोगियों द्वारा कोई भी नया आर्थिक या सैन्य प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

अधिकारी के अनुसार एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद अगले 60 दिनों के भीतर दोनों पक्ष अंतिम व्यापक समझौते पर बातचीत करेंगे। मसौदे के तहत ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगाया गया अपना सैन्य अवरोध तत्काल हटाएगा और सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए मार्ग फिर से खोल देगा। इसके बदले अमेरिका भी ईरानी बंदरगाहों पर लागू अपनी नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करेगा। अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ईरान की 24 अरब डॉलर की जब्त की हुई संपत्ति किस्तों में जारी करने पर सहमत हुआ है। इसमें

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.